10 विराट कोहली....



12 सनरीन कौर...



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, शनिवार, 14 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -141 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

अवकाश की सूचना

छठ पूजा के अवसर पर 15 नवंबर को झारखण्ड उजाला का कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 17 नवंबर को बाजार में आयेगा। पाठको, हॉकर बंधुओं और विज्ञापनदाताओं को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं।
खबरों से अपडेट रहने के लिए देखते रहें jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



लाल आदित्य कुमार सिंह
शूटिंग खिलाड़ी , झारखंड

किसी भी सफल खिलाड़ी के पीछे उसकी कई वर्षों की मेहनत होती है। साथ ही उसके स्वभाव में उसका डिसिप्लिन दिखना चाहिए जो एक अच्छे और बड़े खिलाड़ी की पहचान होती है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : 1,38,150
चांदी (प्रति किलो) : 2,26,450
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- 81,028.02
निफ्टी :- 25,035.30

मौसम

अधिकतम तापमान : 25 °
न्यूनतम तापमान : 16 °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- 06:02
संध्या :- 17:05

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1922 को ब्रिटेन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉपोरेशन (BBC) द्वारा रेडियो सेवा की शुरूआत की गई।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली रवाना हुए सीएम हेमंत, आज इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में झारखंड पैवेलियन का करेंगे उद्घाटन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को दिल्ली रवाना हो गये. वह नयी दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में झारखंड पैवेलियन का उद्घाटन करेंगे. यह व्यापार मेला 14 से 27 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है. मुख्यमंत्री शनिवार, 14 नवंबर को झारखंड पैवेलियन का उद्घाटन करने के साथ मेले के मुख्य उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे. प्रगति मैदान में झारखंड की कला, संस्कृति और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए 800 वर्ग फीट में पैवेलियन तैयार किया गया है. इसमें कुल 22 स्टॉल लगाये गये हैं. उद्योग विभाग की ओर से आयोजित इस पैवेलियन में उद्योग, खान, वन, खादी बोर्ड, हैंडलूम निदेशालय, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग और पर्यटन विभाग के स्टॉल शामिल हैं. इसके अलावा झारखंड के करीब आठ स्थानीय कारीगरों को भी अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का अवसर दिया गया है. कारीगरों के स्टॉल पर प्रदर्शनी के साथ वितरण केंद्र भी बनाये गये हैं. झारखंड खादी बोर्ड की ओर से दिल्ली के स्टॉल पर बिक्री के लिए दो टन जैविक शहद भेजा गया है. पिछले वर्ष ट्रेड फेयर में शहद की अच्छी मांग रही थी. इसी को देखते हुए इस बार अधिक मात्रा में शहद उपलब्ध कराया गया है.

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ लोक आस्था का 4 दिवसीय महापर्व छठ, खरना आज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



रांची। लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया. चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व को लेकर घरों से लेकर बाजारों तक धार्मिक माहौल बनने लगा है. सुबह से ही व्रतियों ने स्नान कर भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना की. इसके साथ ही शुद्धता और सात्विकता के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान की शुरूआत हुई. छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना होगा. इस दिन व्रती सुबह से निर्जला उपवास रखेंगे. दिनभर पूजा की तैयारी और प्रसाद बनाने की परंपरा निभाई जाएगी. शाम को स्नान के बाद व्रती भगवान सूर्य की पूजा करेंगे और गुड़ की खीर तथा रोटी का प्रसाद तैयार करेंगे. पूजा के बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करेंगे और परिवार के सदस्यों तथा आसपास के लोगों के बीच भी प्रसाद वितरित किया जाएगा. खरना के साथ ही छठ व्रतियों का करीब 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाएगा, जिसका समापन सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद होगा.

नहाय-खाय पर सीएम हेमंत और कल्पना सोरेन ने दी छठव्रतियों को शुभकामनाएं



लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य के सभी छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं. दोनों ने भगवान भास्कर और छठी मइया से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाये रखने की कामना की.

हेमंत सोरेन ने एक्स पर दिया शुभकामना संदेश : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट कर छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को नहाय-खाय की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने अपने संदेश में कहा कि भगवान भास्कर और छठी मइया की कृपा सभी पर बनी रहे. यह महापर्व हर किसी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आये. मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में श्रद्धालुओं को बधाई देने के साथ जोहार भी कहा.

कल्पना सोरेन ने प्रकृति प्रेम और स्वच्छता का संदेश बताया : गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने भी छठ के प्रथम अनुष्ठान पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने भगवान भास्कर और छठी मइया से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की. कल्पना सोरेन ने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था, प्रकृति प्रेम और सूर्य उपासना का अद्भुत पर्व है. यह पर्व प्रकृति के प्रति सम्मान, स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक समरसता का संदेश देता है. उन्होंने कामना की कि छठी मइया की कृपा से हर घर-आंगन खुशियों से भरा रहे और सभी के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहे.

असम के काजीरंगा में भीषण हादसा : ट्रक से टकराई मिनीबस, 26 लोगों की मौत, सीएम बिस्वा ने जताया दुख

एजेंसी



काजीरंगा। असम के गोलाघाट जिले में काजीरंगा नेशनल पार्क के पास शुक्रवार को एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। रंगाजन इलाके में नेशनल हाईवे-715 पर यात्रियों से भरे एक टेम्पो-ट्रैवलर और सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। असम के काजीरंगा में गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों में ज्यादातर स्टूडेंट्स बताए जा रहे हैं। यह दुर्घटना काजीरंगा के पास रोंगाजन में एक ट्रक और मिनीबस की जोरदार टक्कर से हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मिनीबस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और कई यात्री उसमें फंस गए। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। मिनीबस बोकाखाट से नागांव जा रही थी, तभी उसकी एक कंटेनर ट्रक से टक्कर हो गई। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हादसे के वक्त मिनीबस में 35 से ज्यादा लोग थे सवार

काजीरंगा में हुए भीषण सड़क हादसे के वक्त मिनीबस में कॉलेज के छात्रों समेत 35 से ज्यादा लोग सवार थे। इनमें ज्यादातर युवा बताए जा रहे हैं। ट्रक से आमने-सामने की टक्कर के बाद मिनीबस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कई यात्री वाहन के अंदर फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए पुलिस और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। हादसे में घायल यात्रियों को सबसे पहले कोहोरा मॉडल अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए बोकाखाट सिविल अस्पताल और जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मिनीबस और कंटेनर ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि शुरूआती रिपोर्ट में सात लोगों की मौत की जानकारी मिली थी।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने जताया दुख

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस दर्दनाक हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके दुख में पूरा असम उनके साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि घायलों को बिना देरी के बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की पहली प्राथमिकता है। मंत्री अतुल बोरा घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख देने की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गोलाघाट जिले में हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया है. उन्होंने PMNRF से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है.

वीबी-जी राम जी के तहत 12,500 किमी सड़क निर्माण का लक्ष्य

गांवों को बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ना प्राथमिकता : दीपिका सिंह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



रांची। झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी को और मजबूत करने की दिशा में विकसित भारत जी राम जी (वीबी-जी राम जी) के अंतर्गत राज्य में 12,500 किलोमीटर जी.एस.बी (ग्रेन्युलर सब-बेस) सड़कों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. राज्य की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के नेतृत्व में विभाग द्वारा उन ग्रामीण बसावटों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया जा रहा है. जो अब तक मुख्य सड़क मार्ग से नहीं जुड़ पाई हैं या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत स्वीकृत नहीं हैं. ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बताया कि इस योजना के तहत मुख्य रूप से जी.एस.बी. (ग्रेन्युलर सब-बेस) सड़कों का निर्माण किया जाएगा. इसका उद्देश्य सड़क संपर्क से वंचित ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना और उन्हें मौजूदा सड़क नेटवर्क से जोड़ना है. इससे दूरस्थ गांवों में आवागमन की सुविधा बढ़ने के साथ ग्रामीण आबादी की बाजार, रोजगार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच भी आसान होगी.

गांव को बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ना पहला लक्ष्य- मंत्री दीपिका पांडेय सिंह

राज्य की ग्रामीण मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि गांवों को बेहतर सड़क सुविधा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में है. सड़क संपर्क मजबूत होने से किसानों को अपनी उपज, सब्जियां, फल, लघु वनोपज और अन्य उत्पाद बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी. इससे आवागमन का समय और परिवहन लागत कम होगी साथ ही ग्रामीण परिवारों को रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी प्राप्त होंगे. उन्होंने कहा कि वीबी-जी राम जी के तहत 12,500 किलोमीटर जी.एस.बी. सड़कों का लक्ष्य राज्य के उन गांवों तक विकास की पहुंच बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है, जो अब तक बेहतर सड़क संपर्क से वंचित रहे हैं. उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित मानकों का पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए, ताकि तैयार होने वाली सड़कं टिकाऊ हों और ग्रामीणों को लंबे समय तक उनका लाभ मिल सके.

किस जिले में कितना जी.एस.बी. (ग्रेन्युलर सब-बेस) सड़क निर्माण

वीबी-जी राम जी के तहत झारखंड के सभी 24 जिलों में कुल 12,500 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. जिलेवार लक्ष्य में पूर्वी सिंहभूम में 1,400 किलोमीटर, पलामू में 1,100 किलोमीटर, गढ़वा में 1,000 किलोमीटर, चतरा में 850 किलोमीटर और लातेहार में 800 किलोमीटर सड़क निर्माण शामिल है. पश्चिमी सिंहभूम के लिए 750 किलोमीटर और हजारीबाग के लिए 700 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है वहीं बोकारो और गोड्डा में 600-600 किलोमीटर, लोहरदगा और सिमडेगा में 500-500 किलोमीटर, जबकि देवघर, खूंटी, जामताड़ा और सरायकेला-खरसावां में 400-400 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य रखा गया है. इसी तरह रांची और पाकुड़ जिले में 300-300 किलोमीटर, गुमला और गिरडीह में 350-350 किलोमीटर, दुमका और धनबाद में 200-200 किलोमीटर, रामगढ़ में 100 किलोमीटर, साहिबगंज और कोडरमा में 150-150 किलोमीटर का लक्ष्य तय किया गया है.

पीएम मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया, डीके शिवकुमार के साथ ट्रेन में किया सफर

एजेंसी।



बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु में मेट्रो रेल परियोजना की बहुप्रतीक्षित पिंक लाइन के कलेना अग्रहारा से तवरेकेरे खंड का उद्घाटन किया, जिसके निर्माण पर करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत आई है. प्रधानमंत्री मोदी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने संयुक्त रूप से नई मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई और ट्रेन में सफर भी किया. मोदी और शिवकुमार को टिकट काउंटर से अलग-अलग टिकट खरीदते हुए भी देखा गया. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को दोहरे एलिवेटेड कॉरिडोर के फायदों के बारे में बताया. इस कॉरिडोर में मेट्रो रेल लाइन के साथ-साथ फ्लाईओवर भी बनाया गया है, जिससे शहर में यातायात की भीड़ कम करने में मदद मिलेगी. राज्यपाल सुधा यादव, सांसद तेजस्वी सूर्या और मंत्री के बी गौड़ा ने भी मेट्रो ट्रेन में सफर किया. पिंक लाइन की कुल लंबाई 21.25 किलोमीटर है और इस पर 18 स्टेशन हैं. प्रधानमंत्री ने जिस एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन किया, उस पर छह स्टेशन हैं. वहीं, भूमिगत खंड में 12 स्टेशन होंगे, जिसका निर्माण कार्य अभी जारी है. एक आधिकारिक बयान के अनुसार कलेना अग्रहारा से तवरेकेरे तक पिंक लाइन परियोजना का निर्माण करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है. इस नए खंड से शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच संपर्क बेहतर होगा, रोजाना आवागमन आसान होगा, यात्रा का समय घटेगा और बेंगलुरु में सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं मजबूत होंगी. अधिकारियों के मुताबिक नम्मा मेट्रो की पिंक लाइन का 7.5 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड खंड कलेना अग्रहारा से तवरेकेरे और सुद्दागुंटेपल्या तक फैला है. इसके जयदेव स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो लाइन से जुड़ने की उम्मीद है. इस खंड पर आम लोगों के लिए मेट्रो सेवा 14 नवंबर को सुबह छह बजे से शुरू होगी.

जयदेवा हॉस्पिटल स्टेशन पर इंटरचेंज

पिंक लाइन मेट्रो रूट पर जयदेव हॉस्पिटल स्टेशन पर इंटरचेंज की सुविधा दी गई है. जयदेवा मेट्रो स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक सिटी और सिटी रूट के लिए इंटरचेंज की सुविधा बनाई गई है. पिंक लाइन के इस शुरूआती सेक्शन से बन्नेरघट्टा रोड पर आने-जाने वालों को फायदा होगा। इससे सिल्क बोर्ड, ल्रफ लेआउट, जयनगर, मैजेस्टिक और व्हाइटफील्ड समेत शहर के किसी भी हिस्से में जाना आसान हो जाएगा. शुरूआती दौर में, इस रूट पर पांच डेडिकेटेड ट्रेनें चलेंगी, जिसमें हर आठ मिनट में एक ट्रेन चलेगी. आने वाले दिनों में, पैसेंजर की संख्या और सिग्नलिंग सिस्टम की स्थिरता के आधार पर इस गैप को और कम करने की योजना है। नई लाइन शहरी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, रोजाना आने-जाने को आसान बनाएगी, यात्रा का समय कम करेगी और बेंगलुरु में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधाओं को मजबूत करेगी.

THE RANCHI RIFLE CLUB (RRC)
(Registered under -Society Registration Act: 21,1860. Government of Jharkhand)
JOIN US TO BECOME A NATIONAL or INTERNATIONAL SHOOTER
Your ambition is our mission...



Our facilities:-
- 10m/ 25m Fully Air Conditioned Hitech indoor shooting range.
- All Types of Air/ Fire weapons are available for practice.
- All types of shooting equipments & accessories for sale available here.
- We teach the civilians how to handle weapons/ safety rules and way of firing.
- Special For School Girls & Boys.
- Above 8 years Girls & Boys May Join us.
- National Level Shooting Coach Facility Available Here.

Justdial
Contact: +91 8002397001, 7050607001
House No. 01, Shanti Nagar, Hatia, Near Hatia Tonko Bridge, P.O- Hatia, P.S.- Jagannathpur, Ranchi - 834003 (Jharkhand)
E-mail: theranchiriflecluB@gmail.com | Website: http://www.theranchiriflecluB.org



गोमती नदी छठ घाट की हुई सफाई, विद्युत सज्जा व फूलों के तोरण द्वार से होगा श्रद्धालुओं का स्वागत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़/गोला। गोला के प्रमुख गोमती नदी छठ घाट पर छठ महापर्व की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। शुक्रवार को घाट की साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस दौरान घाट की स्वच्छता एवं बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अंचलाधिकारी सीताराम महतो और थाना प्रभारी अभिषेक कुमार भी उपस्थित रहे। इनके साथ सूर्य देव पूजा समिति के संयोजक मनोज मिश्र, संरक्षक शिवप्रकाश, अमित महतो, अध्यक्ष संतोष सोनी, उपाध्यक्ष बजरंग रवानी, सचिव अनूप ओझा, कोषाध्यक्ष सूरज वर्मा, लालटू पोद्दार, आशीष भट्टाचार्य, प्रभाकर नायक सहित समिति के प्रतिनिधियों और दर्जनों लोगों ने श्रमदान कर सफाई अभियान में भाग लिया। समिति के प्रतिनिधियों ने बताया कि छठ घाट पर आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। वहीं, फूलों से सजे तोरण द्वार के माध्यम से छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया जाएगा, ताकि छठ महापर्व के अवसर पर घाट का वातावरण भक्तिमय और आकर्षक बना रहे। इधर, घाट की वर्तमान समस्याओं एवं छठ पूजा की बेहतर व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से पुरानी कमेटी को भंग कर सूर्य देव पूजा समिति की नई कमेटी का गठन किया गया है। नई कमेटी में संरक्षक के रूप में कुंवर कुमार बक्सी, सनेल नायक, सुशील बुधिया, जनार्दन पाठक, रवि अम्बष्ट, विजय ओझा, अमित महतो, प्रदीप अग्रवाल, शिवप्रकाश, अजय नायक एवं निहार रंजन को शामिल किया गया। वहीं, मनोज मिश्र को संयोजक, संतोष सोनी को अध्यक्ष तथा जयप्रकाश बुधिया, बजरंग रवानी, रितेश नायक एवं प्रीत नायक को उपाध्यक्ष बनाया गया। अनूप ओझा को सचिव, बिशू रजवार एवं करण नायक को सह सचिव तथा सूरज वर्मा एवं लालटू पोद्दार को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा कार्यसमिति सदस्य के रूप में जितेन्द्र साहू, संजय रवानी, उमेश स्वर्णकार, प्रभाकर नायक, राहुल रवानी, उज्ज्वल चक्रवर्ती, विकास मनी पाठक, राहुल नायक, आशीष भट्टाचार्य एवं राजू महतो को शामिल किया गया। बैठक में नवनिर्वाचित कमेटी के सदस्यों से छठ घाट की साफ-सफाई, विद्युत सज्जा, सुरक्षा एवं पूजा की समुचित व्यवस्था में पूरी सक्रियता से योगदान देने की अपील की गई। समिति ने छठ महापर्व को शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं भव्य तरीके से संपन्न कराने का संकल्प लिया।

गोला दर्पण प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा किसानों के बीच सब्सिडी दर पर चना बीज का वितरण



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें आधुनिक खेती से जोड़ने के उद्देश्य से गोला दर्पण प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा क्षेत्र के लगभग सौ ग्रामीण किसानों के बीच सब्सिडी दर पर उच्च गुणवत्ता वाले चना बीज का वितरण किया गया। इस पहल से स्थानीय किसानों में काफी उत्साह देखा जा रहा है।कंपनी के कार्यालय परिसर में आयोजित इस वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के किसान शामिल हुए। कंपनी केमैनेजिंग डायरेक्टर नव कुमार महतो एवं पदाधिकारियों ने किसानों को उन्नत किस्म के चना बीज उपलब्ध कराते हुए इसकी बुवाई की वैज्ञानिक विधि, खाद प्रबंधन और फसल सुरक्षा के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।इस मौके पर कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि किसानों को समय पर और कम लागत में उन्नत बीज उपलब्ध कराना संस्था की प्राथमिकता है, ताकि रबी फसल की पैदावार बेहतर हो सके और किसान आर्थिक रूप से सशक्त बनें।कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने कंपनी के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि बाजार से कम कीमत पर समय रहते बीज मिलने से उन्हें खेती करने में काफी सहूलियत होगी। कार्यक्रम में कंपनी के निदेशक मंडल के सदस्यों सहित कई स्थानीय किसान मौजूद थे।

आस्था का विराट संगम बनेगा स्टीम कॉलोनी का छठ घाट, 2051 सूपों से होगा सूर्यदेव का महाअर्घ्य



पतरातू : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रेलवे स्टीम कॉलोनी में भक्ति और उल्लास का वातावरण बनने लगा है। क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले दशरथ बाबा के आवास पर शुक्रवार को नहाय-खाय का अनुष्ठान संपन्न होने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत शुभारंभ हो गया। अपराह्न करीब 3:45 बजे अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।इस वर्ष दशरथ बाबा के यहां छठ पूजा का आयोजन और भी भव्य होने जा रहा है। आयोजन से जुड़ी जानकारी के अनुसार, इस बार छठ घाट पर 2051 सूपों से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इसके अलावा 31 बच्चों का मुंडन संस्कार भी कराया जाएगा। हजारों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा यह आयोजन पतरातू क्षेत्र में विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।दशरथ बाबा के यहां छठ पूजा की परंपरा वर्षों से श्रद्धा और समर्पण के साथ निभाई जा रही है। इस आयोजन की ख्याति स्टीम कॉलोनी से निकलकर पूरे पतरातू क्षेत्र तक पहुंच चुकी है। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष छठ के अवसर पर दूर-दराज के गांवों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। 2051 सूपों से अर्घ्य अर्पित किए जाने की तैयारी ने इस बार आयोजन को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।छठ महापर्व को सफल एवं व्यवस्थित बनाने में महिलाओं और युवाओं की टोली जुटी हुई है। आयोजन में रेखा देवी, सुलेखा देवी, पूनम देवी, सरिता देवी, पिंकी देवी, कलावती देवी, प्रभा देवी, मनोरमा देवी, सूरत देवी, प्रमिला देवी, सुरेंद्र मिश्रा, सुनील पाठक, जितेंद्र सिंह, संटू, लखन, सुरेश पासवान, दयाशंकर, गौरी शंकर सोय, राजकुमार यादव एवं शिव कुमार सहित अन्य लोग सहयोग कर रहे हैं। पूरे स्टीम कॉलोनी में छठी मैया की भक्ति और आस्था का माहौल व्याप्त है।

साहिबगंज-मनिहारी के यात्रियों को बड़ी राहत, गंगा में दोबारा शुरू हुई यात्री फेरी सेवा; जहाज अंबा रवाना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज।गंगा नदी के रास्ते आवागमन करने वाले साहिबगंज और मनिहारी के यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। लंबे इंतजार के बाद गंगा नदी में यात्री फेरी सेवा की दोबारा शुरूआत कर दी गई है। जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने विधिवत पूजा-अर्चना कर यात्री जहाज 'अंबा' को रवाना किया। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए शुरू की गई इस फेरी सेवा के उद्घाटन अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव मौजूद रहे। उन्होंने गंगा तट पर विधिवत पूजा-अर्चना की और नारियल फोड़ते हुए यात्री जहाज 'अंबा' का शुभारंभ किया। फिलहाल यह सेवा साहिबगंज जिले के कारगिल क्षेत्र से सटे बिहार के महेशपुर घाट से शुरू की गई है, जिसके जरिए यात्री महेशपुर घाट से मनिहारी तक गंगा नदी के रास्ते आसानी से सफर कर सकेंगे। मिली जानकारी के अनुसार, यह महत्वपूर्ण यात्री फेरी सेवा 1 अप्रैल 2026 से बंद पड़ी थी। इसके दोबारा चालू होने से साहिबगंज, मनिहारी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिली है। अब यात्रियों को गंगा पार करने के लिए एक सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों में खुशी का माहौल है।

इनर व्हील क्लब के द्वारा कृष्णा विद्या मंदिर की छात्राओं के लिए वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। इन्टरनेशनल इनर व्हील के बैनर तले इनर व्हील क्लब ऑफ रामगढ़ की ओर से कृष्णा विद्या मंदिर, रामगढ़ में छात्राओं के लिए एक विशेष वित्तीय जागरूकता (Finamcial Awareness) कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम उम्र से ही छात्राओं में पैसों के प्रबंधन, बजट और बचत (Savings) के महत्व के प्रति समझ विकसित करना था।कार्यक्रम की मुख्य वक्ता और प्रमुख चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए प्रज्ञा बौंडिया (CA Pragya Boumdia) रहीं। उन्होंने छात्राओं को बहुत ही सरल, रोचक और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से वित्तीय साक्षरता (Financial Literacy) के बुनियादी सिद्धांतों से अवगत कराया।बचत की आदत (Hbit of Savings): सीए प्रज्ञा बौंडिया ने पॉकेट मनी से लेकर भविष्य की छोटी-छोटी बचतों के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि ₹बचत केवल पैसों को बचाना नहीं है, बल्कि यह भविष्य की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर पहला कदम है।बैंकिंग और डिजिटल लेन-देन की जानकारी: छात्राओं को बैंक खातों के प्रकार, एटीएम के सुरक्षित उपयोग और डिजिटल बैंकिंग से जुड़ी जरूरी सावधानियों की जानकारी दी गई।वित्तीय अनुशासन (Financial Discipline): जरूरत और चाहत (Needs vs. Wants) के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए समझदारी से खर्च करने और अनावश्यक खर्चों से बचने के तरीकों पर चर्चा की गई।भविष्य की योजनाएं: छात्राओं को निवेश के प्राथमिक विकल्पों, चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आर्थिक रूप से जागरूक होने के लिए प्रेरित किया गया।क्लब के द्वारा छात्रों के बीच गुल्लक प्रदान किया गया ताकि वो प्रतिदान सेविंग कर सके कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और वित्तीय मामलों से जुड़े कई सवाल भी पूछे, जिनका सीए प्रज्ञा बौंडिया ने बहुत ही सरल तरीके से उत्तर दिया। विद्यालय की प्राचार्या, शिक्षकों और इनर व्हील क्लब की सदस्याओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम आज की युवा पीढ़ी को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सीए प्रज्ञा बौंडिया और इनर व्हील क्लब ऑफ रामगढ़ का आभार व्यक्त किया गया।मौके पर क्लब अध्यक्ष श्वेता जैन, नवजीत कौर, जसबिंदर होरा, नमिता श्रोफ आदि उपस्थित थीं।

पांच साल से अधूरी है सोसोकलां-पतरातू सड़क, जर्जर रास्ते पर चलने को मजबूर ग्रामीण; मरीजों और गर्भवती महिलाओं की जान पर आफत



प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 2021 में हुआ था शिलान्यास, 102.48 लाख थी प्राक्कलित राशि मुखिया, विधायक से सांसद तक लगा चुके हैं गुहार, फिर भी सिहरन पैदा करती है बदहाल सड़क की तस्वीर

रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड की बेटूल कलां पंचायत के पतरातू गांव में विकास के दावों की पोल एक अधूरी सड़क खोल रही है। शिलान्यास हुए पांच साल बीत चुके हैं, लेकिन सड़क आज भी बदहाल है। स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि जर्जर और गड्ढों से भरे इस रास्ते पर पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है।

मरीजों के लिए जानलेवा बनी राह: ग्रामीणों के लिए सबसे भयावह स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब गांव के किसी मरीज या गर्भवती महिला को आपातकालीन स्थिति में अस्पताल ले जाना पड़ता है। खराब रास्ते के कारण एम्बुलेंस तक गांव तक नहीं पहुंच पाती, जिससे मरीजों की जान पर हर वक्त खतरा मंडराता रहता है। इसके अलावा, रोजाना बाइक सवार इन बड़े-बड़े गड्ढों और उबड़-खाबड़ रास्तों पर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। पिछली बरसात में तो स्थिति इतनी नारकीय हो गई थी कि ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी दूभर हो गया था।

कागजों तक सिमटी जनप्रतिनिधियों की गुहार: मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सोसोकलां से पतरातू तक 4.10 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण और मरम्मत कार्य का शिलान्यास वर्ष 2021 में किया गया था। शिलापट्ट पर इसकी प्राक्कलित राशि 102.482 लाख रुपये दर्ज है। आरोप है कि संबंधित संवेदक (ठेकेदार) ने बीच में ही काम अधूरा छोड़ दिया, जिससे सड़क की हालत समय के साथ और बदतर होती चली गई। सड़क का निर्माण पूरा कराने के लिए पंचायत के मुखिया और विधायक प्रतिनिधि जाकिर अख्तर समेत कई ग्रामीण कई बार संबंधित विभाग और उपायुक्त को लिखित आवेदन सौंप चुके हैं। जनप्रतिनिधियों ने जिला कार्यालय तक दौड़ लगाई, लेकिन विभागीय उदासीनता के चलते अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्रामीणों की चेतावनी: जल्द हो उच्चस्तरीय जांच: लगातार उपेक्षा का शिकार बन रहे पतरातू गांव के लोगों में अब प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर उन्हें कब तक इस नरकीय जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ेगा ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, काम अधूरा छोड़ने वाले संवेदक पर सख्त कार्रवाई हो और जल्द से जल्द सड़क निर्माण का कार्य पूरा किया जाए, ताकि उनकी वर्षों पुरानी परेशानी का अंत हो सके।

बाल दिवस पर सकरीगली में दो दिवसीय अंतरराज्यीय खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज,लड्डू सिंह ने किया उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



साहिबगंज।बाल दिवस के अवसर पर टाइगर एथलेटिक्स क्लब,सकरीगली की ओर से आयोजित दो दिवसीय अंतरराज्यीय 61वीं बाल दिवस खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ।प्रतियोगिता की शुरूआत महिला एवं पुरुष वर्ग की क्रॉस कंट्री दौड़ से हुई।मुख्य अतिथि तालझारी प्रखंड के पूर्व उपप्रमुख प्रदीप कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का विधिवत उद्घाटन किया।इस अवसर पर रेलवे मैदान, सकरीगली में विभिन्न खेल स्पधाओं का आयोजन किया गया।इसमें लंबी कूद,ऊंची कूद, गोला फेंक,डिस्कस थ्रो,भाला फेंक सहित कई प्रतियोगिताएं शामिल रहीं।प्रतियोगिता में बिहार,पश्चिम बंगाल और झारखंड के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल बच्चों और युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।खेल से अनुशासन,आत्मविश्वास,आपसी सहयोग और संघर्ष करने की भावना विकसित होती है।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का बेहतर मंच मिलता है। उन्होंने टाइगर एथलेटिक्स क्लब के प्रयासों की सराहना करते हुए खिलाड़ियों से मेहनत और लगन के साथ खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन करने की अपील की।

क्रॉस कंट्री दौड़ के परिणाम

प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग की 7 किलोमीटर क्रॉस कंट्री दौड़ में बिहार के राजन महतो ने प्रथम,बिहार के ही आलोक कुमार यादव ने द्वितीय तथा झारखंड के जानकी कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग की 4 किलोमीटर क्रॉस कंट्री दौड़ में बिहार की पूजा सिंह ने प्रथम,खुशी कुमारी ने द्वितीय तथा अंगूरी कुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता को लेकर सकरीगली एवं आसपास के क्षेत्रों के खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा।इसमें समाजसेवी दिनेश यादव,पूर्व उपप्रमुख प्रदीप कुमार सिंह उर्फ लड्डू सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल होकर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे।

आयोजन में इनका रहा योगदान

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में आयोजन समिति के माधवचंद्र घोष, अशोक साहनी,योगेश यादव,गौतम, रजाउद्दीन, मनीष कुमार,आशीष रंजन,गौतम यादव,गौतम मंडल, रामदेव यादव,हीरालाल यादव,छोटू यादव,राजन कुमार,राजदेव यादव, सुष्मित रंजन,जॉन्स,रामलक्ष्मण यादव,सौरभ मंडल,अमन कुमार सहित अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

लोक आस्था का महापर्व छठ नहाय खाय के साथ शुरू



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उधवा/साहिबगंज।लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। छठ महापर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। पर्व को लेकर नदी घाटों एवं तालाबों की साफ-सफाई का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। वहीं पूजा समितियों एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा घाटों को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार उधवा कचहरी घाट, भगत टोला,सोमवारी हाटपाड़ा, बोतलुटोला, मिर्जानगर, फुदकीपुर, मनिहारी टोला, कटहलबाड़ी, बेगमगंज, राधानगर ,मसना, आतापुर हाटपाड़ा, मारोपुर, गोबरगाड़ी एवं केलाबाड़ी सहित विभिन्न नदी घाटों एवं तालाबों में साफ-सफाई का कार्य तेजी से चल रहा है। छठ व्रतियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक तैयारियां की जा रही है। छठ महापर्व को लेकर बाजारों एवं चौक-चौराहों पर भी चहल-पहल बढ़ गई है। पूजा सामग्री,फल एवं अन्य आवश्यक सामानों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ने लगी है। घरों में भी छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो गई है। व्रतियों में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

कोठार पुल के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाकर 67 वाहनों की हुई जांच

14 वाहनों पर लगाया गया 2,92,003 रुपये का जुमार्ना



रामगढ़। रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज के निदेर्शानुसार सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं यातायात नियमों का अनुपालन कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को कोठार पुल, रामगढ़ के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मालवाहक वाहनों, बड़े वाहनों तथा दोपहिया वाहन चालकों के हेलमेट की विशेष रूप से जांच की गई। जांच के क्रम में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने का निर्देश दिया गया। साथ ही वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की गई। विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान कुल 67 वाहनों की जांच की गई, जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 14 वाहनों पर कुल 2,92,003 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। उक्त जांच अभियान में जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश एक्का, मोटरयान निरीक्षक (MVI) मोनू मृणाल एवं विपुल उरांव, रोड सेफ्टी टीम से आईटी असिस्टेंट विकास कुमार सहित परिवहन विभाग के कर्मी उपस्थित थे। जिला प्रशासन द्वारा वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें। सुरक्षित वाहन परिचालन के लिए निर्धारित गति सीमा का पालन करें एवं वाहन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी जांच एवं कार्रवाई जारी रहेगी।

उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने किया ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सीसीटीवी, अग्निशमन उपकरण, डबल लॉक सिस्टम और सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

लोहरदगा: उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने शुक्रवार को ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था और विभिन्न तकनीकी इंतजामों का भौतिक अवलोकन कर स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता,अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, डबल लॉक सिस्टम और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की समीक्षा की। उन्होंने प्रवेश एवं निकासी पंजी का भी निरीक्षण किया और सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए ईवीएम- वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने को कहा।मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार,अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं निर्वाचन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

राज्य स्थापना दिवस पर 15 नवंबर को निकलेगी रन फॉर क्लीननेस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



भक्सो छठ घाट तक दौड़ेंगे अधिकारी और खिलाड़ी

लोहरदगा: राज्य स्थापना दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को जिले में रन फॉर क्लीननेस का आयोजन किया जाएगा। सुबह 7 बजे समाहरणालय मैदान से शुरू होने वाली दौड़ भक्सो स्थित कोयल नदी छठ घाट तक पहुंचेगी। इसमें जिला स्तरीय पदाधिकारी, छात्र- छात्राएं, जेएसएलपीएस की दीदियां, खिलाड़ी, पुलिस जवान, जल सहिया और नगर परिषद के सफाईकर्मी शामिल होंगे। छठ घाट पहुंचने के बाद सामूहिक रूप से सफाई अभियान चलाया जाएगा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस संबंध में उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने जिले के सभी छठ घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया। प्रखंडों में बीडीओ और सीओ के नेतृत्व में स्थानीय जन प्रतिनिधियों की सहभागिता से कार्यक्रम होंगे। जिन पंचायतों में छठ घाट नहीं हैं, वहां चौक- चौराहों औरसार्वजनिक स्थलों की सफाई की जाएगी। दौड़ से पूर्व भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी जाएगी

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 17 से 27 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। शिक्षा विभाग विद्यालयों में निबंध लेखन और नाटक प्रतियोगिताएं कराएगा। खेल विभाग प्रखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित करेगा, जिसमें सातों प्रखंडों की टीमें भाग लेंगी। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम और मैराथन भी होंगे। कल्याण विभाग पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रतियोगिता आयोजित करेगा। विजेता प्रतिभागियों को 27 नवंबर को जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

राज्यस्तरीय कार्यक्रम में दिखेगी जिले की पहचान

28 नवंबर को आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम में लोहरदगा की विशिष्ट उपलब्धियों और उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके तहत वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट में कुड़ू का शहद, वन डिस्ट्रिक्ट वन डेस्टिनेशन में लावापानी जलप्रपात और वन डिस्ट्रिक्ट वन इकोनॉमी में किस्को के औद्योगिक सिलाई केंद्र को शामिल किया गया है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित करने के साथ योजनाओं के शिलान्यास, उद्घाटन और नियुक्ति पत्र वितरण की तैयारियां भी की जाएंगी।

बैठक में आईटीडीए निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, एसडीओ अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

शंख संगम छठ घाट सज-धजकर तैयार

श्रद्धालुओं को मिलेगी विशेष सुविधा

लोहरदगा: शहर के पतराटोली स्थित शंख संगम छठ घाट छठ महापर्व को लेकर सज-धजकर तैयार हो गया है। श्री शुभकामना छठ पूजा समिति की ओर से नगर परिषद के सहयोग से घाट एवं आसपास के क्षेत्र में व्यापक साफ-सफाई कराई गई है। इसके लिए दो जेसीबी मशीनें लगाई गईं। वहीं, छठ घाट तक पहुंचने वाले रास्तों और घाट परिसर में विद्युत सज्जा के माध्यम से रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि छठ महापर्व के अवसर पर यहां आने वाले छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। किसी भी श्रद्धालु को पूजा-अर्चना के दौरान असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समिति ने श्रद्धालुओं से व्यवस्था बनाए रखने और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।इस दौरान समिति के संरक्षक विनोद सिंह, मनोज कुमार गुप्ता (मन्ना) एवं सोहन साहू, अध्यक्ष रणधीर साहू, सचिव हिमांशु कुमार, अभिषेक कुमार (बंटी), कोषाध्यक्ष कुंदन कुमार साहू, राहुल थापा, विनोद साहू, राहुल कुमार साहू, चंदन साहू सहित समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

सात दशक पुरानी परंपरा, बकरी बाजार में छठ पूजा का सूप-दउरा मार्केट, मुस्लिम परिवार भी बेचते हैं पूजन सामग्री

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। लोकआस्था के महापर्व छठ का उल्लास राजधानी रांची के बाजारों में भी दिखने लगा है. छठ पर्व के साथ ही अपर बाजार स्थित बकरी बाजार एक बार फिर पारंपरिक सूप-दउरा की दुकानों से गुलजार हो गया है. यहां का बाजार केवल पूजन सामग्री की खरीदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि रांची की पुरानी परंपरा, पीढ़ियों से चले आ रहे कारोबार और सामाजिक सद्भाव की भी पहचान है. दशकों से छठ के अवसर पर यहां विशेष बाजार सजता रहा है. इस बार भी बकरी बाजार में करीब 12 से अधिक अस्थायी दुकानें लगी हैं, जहां बांस से बने सूप, दउरा, डलिया और अन्य पूजन सामग्री खरीदने के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. इस बाजार की खासियत यह है कि यहां कई ऐसे दुकानदार हैं, जिनका परिवार पीढ़ियों से छठ के मौके पर सूप-दउरा बेचने पहुंचता है. कुछ परिवारों की तीसरी और चौथी पीढ़ी भी इस कारोबार से जुड़ी हुई है. सामान्य दिनों में बकरी बाजार में साप्ताहिक हाट लगता है, लेकिन छठ से पहले इसका पूरा स्वरूप बदल जाता है. दुकानें सज जाती हैं और दूर-दराज से लोग पारंपरिक बांस के सामान की खरीदारी करने पहुंचते हैं.

बकरी बाजार की एक विशेष पहचान यहां दिखने वाला सामाजिक सौहार्द है. सूप और दउरा बेचने वाले कारोबारियों में मुस्लिम समुदाय के कई परिवार भी शामिल हैं. ये परिवार वर्षों से छठ महापर्व के लिए पूजन सामग्री उपलब्ध कराते आ रहे हैं. पर्व की तैयारियों में इनकी भागीदारी सामाजिक एकता और आपसी विश्वास का संदेश देती है. यहां धर्म से ऊपर उठकर लोग एक-दूसरे के पर्व और परंपराओं से जुड़े नजर आते हैं. लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया. पर्व को लेकर राजधानी के बाजारों में रौनक बढ़ रही है.बकरी बाजार, मोरहाबादी, जिला स्कूल,अपर बाजार समेत विभिन्न चौक-चौराहों पर छठ पूजा की सामग्री की दुकानें सज गई हैं. सुबह से ही बाजारों में छठव्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है.लोग सूप, दउरा, मिट्टी के चूल्हे, दीये, ढक्कन, कोसी, हाथी और धूपदानी समेत अन्य पूजन सामग्री की खरीदारी कर रहे हैं. छठ पूजा की तैयारी में जुटीं बबिता कुमारी ने बताया कि शुक्रवार से छठ महापर्व की शुरूआत हो गई है. आज नहाय-खाय के दिन घरों में कद्दू-भात और चने की दाल बनाने की परंपरा है. इसके लिए विशेष साफ-सफाई और शुद्धता का ध्यान रखा जाता है. अरवा चावल का भात, चने की दाल और लौकी की सब्जी बनाकर भगवान सूर्य और छठी मैया को भोग लगाया जाता है. इसके बाद व्रती प्रसाद ग्रहण कर चार दिवसीय अनुष्ठान की शुरूआत करते हैं. वहीं, पूजा सामग्री की खरीदारी कर रहीं एक छठव्रती पूजा वर्मा ने बताया कि छठ पूजा में स्वच्छता और शुद्धता का विशेष महत्व है. वह अपनी दादी से छठ पूजा की परंपराएं और खरीदारी के तरीके सीखती आई हैं और अब अगली पीढ़ी को भी इसकी जानकारी दे रही हैं. उन्होंने बताया कि सूप और दउरा खरीदते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए. सामान कहीं से टूटा-फूटा या खराब नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा कि जिस तरह पूजा में शुद्धता जरूरी है, उसी तरह पूजन सामग्री भी साफ-सुथरी होनी चाहिए. उन्होंने बताया कि कुछ दुकानदार सूप और अन्य सामग्री को स्वच्छ पानी से धोकर बेच रहे हैं, जबकि कई जगह बिना साफ किए ही सामान बेचा जाता है.खरीदारी के दौरान गुणवत्ता और स्वच्छता का ध्यान रखना जरूरी है.

बाजार में बांस से बने छोटे-बड़े सूप, दउरा, डलिया और सूपली के अलावा मिट्टी के चूल्हे, दीये, आम की लकड़ी और नारियल सहित कई जरूरी सामग्री उपलब्ध हैं. बिहार और पश्चिम बंगाल समेत दूसरे क्षेत्रों से भी व्यापारी सामान लेकर पहुंचे हैं. ग्रामीण इलाकों के कारीगरों की मेहनत से तैयार ये पारंपरिक सामान छठ की खरीदारी का अहम हिस्सा हैं. इस बार बाजार में पिछले वर्ष की तुलना में पूजन सामग्री की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. अलग-अलग सामान के दाम में करीब 50 से 100 रुपये तक का अंतर बताया जा रहा है. कुछ सामग्रियों की कीमतों में 25 से 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है.

सलाखों के पीछे छठी मैया की आस्था, झारखंड की जेलों में 85 बंदी कर रहे महापर्व, प्रशासन ने किए खास इंतजाम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। लोक आस्था के महापर्व छठ की महिमा ऐसी है कि जेल की ऊंची चारदीवारी और सलाखें भी श्रद्धालुओं के कदम नहीं रोक पा रही हैं. अपनों से दूर रहने के बावजूद झारखंड की विभिन्न जेलों में बंद 85 बंदी पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ छठ महापर्व कर रहे हैं. इनमें 36 महिला और 49 पुरुष बंदी शामिल हैं. जेल परिसर के भीतर ही पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की जा रही है. झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने बताया कि बंदियों की धार्मिक आस्था और भावनाओं का सम्मान करते हुए जेल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है. जेलों के अंदर साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, रोशनी और कृत्रिम पूजा स्थल (अर्घ्य के लिए जल कुंड) तैयार किए गए हैं. इसके साथ ही व्रती बंदियों को प्रशासन की ओर से पूजन सामग्री, फल, नैवेद्य और नए वस्त्र भी उपलब्ध कराए गए हैं. पर्व के दौरान जेल में सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है.

राजधानी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में सबसे अधिक 18 बंदी छठ महापर्व कर रहे हैं, जिनमें 9 महिला और 9 पुरुष बंदी शामिल हैं. राज्य की अन्य केंद्रीय जेलों का विवरण इस प्रकार हैः लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा (हजारीबाग): 5 महिला और 6 पुरुष (कुल 11 बंदी) मेदिनीनगर केंद्रीय काराः 5 महिला और 3 पुरुष (कुल 8 बंदी) दुमका केंद्रीय काराः 1 महिला और 4 पुरुष (कुल 5 बंदी) घाघीडीह केंद्रीय कारा (जमशेदपुर) : 1 महिला बंदी

केंद्रीय काराओं के अलावा राज्य की कई मंडल और उपकाराओं में भी छठी मैया के गीत गूंज रहे हैं. गढ़वा मंडल कारा में 9 महिला और 6 पुरुष समेत कुल 15 बंदी व्रत कर रहे हैं. वहीं, धनबाद मंडल कारा में 3 महिला और 6 पुरुष बंदी छठ पूजा में शामिल हैं. इसके अलावा गिरिडीह मंडल कारा में 8 पुरुष, साहेबगंज मंडल कारा में 4 पुरुष और चतरा मंडल कारा में 2 पुरुष बंदी व्रत रख रहे हैं. उपकाराओं की बात करें तो राजमहल उपकारा में 2 महिला व 1 पुरुष तथा गढ़वा के श्री बंशीधर नगर उपकारा में 1 महिला बंदी छठ कर रही हैं.

अड़की की जनसमस्याओं को लेकर जेएलकेएम का धरना-प्रदर्शन, बीडीओ को सौंपा 10 सूत्री मांग पत्र डिग्री कॉलेज, जर्जर पुल की मरम्मत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



अड़की। प्रखंड क्षेत्र की वर्षों से लंबित जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को जेएलकेएम के कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी को 10 सूत्री मांग पत्र सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई। मांग पत्र में बियारगाढ़ा पुल की जर्जर स्थिति की मरम्मत, अड़की में डिग्री कॉलेज का निर्माण, कल्याण हॉस्पिटल के कर्मियों को नियमित वेतन भुगतान, स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था में सुधार, ग्रामीण सड़कों का निर्माण, नियमित बिजली आपूर्ति, वृद्धा, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन का नियमित भुगतान, युवाओं के लिए रोजगार तथा खेल सुविधाओं के विकास सहित अन्य मांगें शामिल हैं। धरना की अध्यक्षता सानिका मुंडा ने की, जबकि संचालन लोधरो मुंडा ने किया। धरना को संबोधित करते हुए जेएलकेएम महिला मोर्चा की केंद्रीय अध्यक्ष दमयंती मुंडा ने कहा कि अड़की की जनता आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। उच्च शिक्षा के लिए गरीब आदिवासी बच्चों को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। बेहतर इलाज के अभाव में मरीज परेशान हैं और युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता अपने अधिकारों की मांग कर रही है, कोई भीख नहीं मांग रही है। प्रशासन को बियारगाढ़ा पुल से लेकर डिग्री कॉलेज, अस्पताल और रोजगार तक के मुद्दों पर जवाब देना होगा। अब जनता खोखले आश्वासनों से संतुष्ट होने वाली नहीं है। सभी मांगों पर समयबद्ध कार्रवाई होनी चाहिए, अन्यथा जेएलकेएम जनहित के मुद्दों पर आंदोलन जारी रखेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामसभा रूमचु एवं ग्रामसभा गुंतुरा के ग्रामीणों की अहम भूमिका रही। मौके पर ललिता नाग, सत्यनारायण मुंडा, गोपाल मुंडा, सुनील मुंडा, जादु पहान, कुणाल राज, सरस्वती देवी, ललित हजाम, नारद महतो, अजय कुमार महतो, अशोक कुमार गुप्ता, मंटु गुप्ता, विद्याभूषण गुप्ता, मातवार स्वांसी, श्रीकांत सर, भगीरथ मुंडा, रतन लाल मुंडा, जयराम महतो, मुकेश कुमार महतो, प्रो. लखींद्र मुंडा, सुदर्शन महतो, कृष्णा मुंडा, सुशांत सिंह मुंडा, रविंद्र महतो, मनोज प्रामाणिक, भरत महतो, मदन अहीर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

डीएसपी व थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस जवानों और ग्रामीणों ने की छठ घाट की सफाई



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर तमाड़ बड़ा तालाब छठ घाट की साफ-सफाई के लिए शुक्रवार को पुलिस प्रशासन और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से श्रमदान किया। डीएसपी ओमप्रकाश और थाना प्रभारी दुलाल कुमार महतो के नेतृत्व में थाना के जवानों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने सफाई अभियान चलाया। इस दौरान घाटों और आसपास के परिसर की साफ-सफाई की गई। मौके पर डीएसपी ओमप्रकाश ने छठ महापर्व को देखते हुए स्वच्छता और बेहतर व्यवस्था बनाए रखने में सामूहिक सहभागिता की अपील की। पुलिस पदाधिकारियों और जवानों के साथ ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर श्रमदान किया। इस पहल से छठ घाट की व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग मिला। मौके पर आजसू वरिष्ठ नेता जगदीश गुप्ता, संतलाल भगत, प्रदीप कांति, युवराज सिंह, संदीप मोदक सुधीर साहू सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

राज्यपाल से मिले आदिवासी संगठन, राष्ट्रपति शासन समेत कई मांगों का ज्ञापन सौंपा, सीएम कर चुके हैं सीबीआई जांच की अनुशंसा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। आदिवासी नेत्री निशा कुमारी भगत की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला झारखंड में लगातार तूल पकड़ता जा रहा है. इस प्रकरण में अब आदिवासी सामाजिक संगठनों ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से हस्तक्षेप की मांग की है. शुक्रवार को केंद्रीय सरना समिति, जनजाति सुरक्षा मंच और झारखंड आदिवासी सरना विकास समिति समेत कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने बबलू मुंडा के नेतृत्व में लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की.प्रतिनिधिमंडल ने निशा भगत की मौत के मामले में नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की. इसके साथ ही संगठनों ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए हेमंत सोरेन सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग का ज्ञापन सौंपा.

राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में प्रतिनिधिमंडल ने निशा भगत की मौत से पहले की घटनाओं का विस्तार से जिक्र किया है. ज्ञापन के अनुसार, निशा ने 3 जुलाई 2026 को पिठोरिया थाना में रंगदारी और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की थी. इसके बाद 13 जुलाई को रांची साइबर थाना में भी इसी तरह की लिखित शिकायत दी गई थी. वहीं, 22 जुलाई 2026 को उनके घर में हुई चोरी के संबंध में भी पिठोरिया थाना में आवेदन दिया गया था. संगठनों का आरोप है कि पुलिस ने समय रहते इन शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण हालात इतने बिगड़ गए. आदिवासी नेत्री निशा भगत की मौत 6 नवंबर 2026 को रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र स्थित उनके आवास पर हुई थी. मौत से कुछ समय पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर फेसबुक लाइव किया था, जिसमें उन्होंने जमीन विवाद, कथित जमीन माफिया और पुलिस-प्रशासन की कार्यशैली व प्रताड़ना को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे. इस घटना के बाद से राज्य की राजनीति गरमाई हुई है. परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने ज्योत्सना केरकेट्टा और अजय तिर्की को नामजद आरोपी बनाया है. निशा भगत की मौत के बाद बढ़ते राजनीतिक और सामाजिक दबाव के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 10 नवंबर की रात इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की घोषणा की थी. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी थी कि निशा भगत प्रकरण की जांच अब सीबीआई करेगी और इस संबंध में आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं.

एचईसी के भविष्य पर संकट के बादल, नई कंपनी तय करेगी कर्मचारियों की नौकरी : श्रमिक संगठनों के विरोध के बीच मुख्यालय पर भारी पुलिस बल तैनात

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। कभी देश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला भारी इंजीनियरिंग निगम (एचईसी) एक बार फिर अपने अस्तित्व और कर्मचारियों के भविष्य को लेकर चर्चा में है. कंपनी की आर्थिक स्थिति का आकलन करने और आगे की प्रक्रिया तय करने के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की ओर से नियुक्त अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) ने कमान संभाल ली है. उनके मुख्यालय पहुंचने के साथ ही कंपनी की संपत्तियों, देनदारियों और वित्तीय स्थिति का पूरा ब्योरा जुटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. इस बीच कर्मचारियों की नौकरी और वर्षों से लंबित वेतन को लेकर चिंता बढ़ गई है. श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में अंतरिम समाधान पेशेवर ने साफ कर दिया कि छह नवंबर से पहले का बकाया वेतन उनके स्तर से भुगतान नहीं किया जाएगा. इस अवधि की बकाया राशि के लिए कर्मचारियों को अलग से दावा प्रस्तुत करना होगा. इसके लिए निर्धारित फॉर्म में अपना पद, वेतन और कंपनी से मिलने वाली अन्य बकाया राशि का विवरण देना होगा. छह नवंबर के बाद काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन भुगतान को लेकर समाधान प्रक्रिया के तहत निर्णय होगा. वहीं, कंपनी के अधिग्रहण के बाद कर्मचारियों को नौकरी पर रखना है या नहीं, इसका फैसला नई कंपनी करेगी.

एचईसी की वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए कंपनी की चल और अचल संपत्तियों का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा. इसमें जमीन, आवासीय क्वार्टर, भवन, प्लांट, मशीनरी, बैंक खाते, कर्मचारियों की संख्या और विभिन्न मदों में बकाया राशि का विवरण शामिल होगा. कंपनी की जमीन और आवासीय परिसरों पर हुए अवैध कब्जों की भी जानकारी जुटाई जाएगी. इस कवायद से कंपनी की वास्तविक संपत्ति और उस पर मौजूद आर्थिक बोझ का आकलन किया जा सकेगा. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, एचईसी पर कुल देनदारियां दो हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही हैं. इसमें केंद्र सरकार के कर्ज और ब्याज, बिजली-पानी के बिल, सीआईएसएफ का भुगतान, कर्मचारियों का वेतन और भविष्य निधि से जुड़ी राशि शामिल है. मार्च 2025 तक कंपनी की नेटवर्थ 1594.32 करोड़ रुपये बताई गई थी. ऐसे में कंपनी की आर्थिक स्थिति का आकलन आगे की प्रक्रिया के लिए अहम होगा. आईआरपी की कार्यशैली और कंपनी के रिकॉर्ड से जुड़े फैसलों को लेकर श्रमिक संगठनों में नाराजगी है. गुरुवार को प्रमुख श्रमिक यूनियनों के नेताओं ने बैठक कर आंदोलन की रणनीति बनाई थी. यूनियनों ने स्पष्ट किया है कि कंपनी के महत्वपूर्ण दस्तावेज और रिकॉर्ड मुख्यालय से बाहर नहीं ले जाने दिए जाएंगे. सभी श्रमिक संगठनों ने 13 नवंबर को मुख्यालय के समक्ष आंदोलन करने का निर्णय लिया है. श्रमिकों के बढ़ते आक्रोश और विरोध प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए मुख्यालय के गेट पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है.

आंदोलनकारियों की मांगों को लेकर 15 नवंबर से रांची में अनिश्चितकालीन आमरण अनशन, तमाड़ में हुई बैठक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



तमाड़। झारखण्ड आंदोलनकारियों को राजकीय सम्मान, अलग पहचान, उनके बच्चों व आश्रितों को रोजगार में शत-प्रतिशत अधिकार की गारंटी, जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने और सभी आंदोलनकारियों को समान रूप से 50-50 हजार रुपये पेंशन देने की मांग को लेकर तमाड़ में एक अहम बैठक हुई। तमड़ पश्चिमी सचिवालय प्रांगण में हुई इस बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान सह झारखण्ड आंदोलनकारी विमल पातर ने की। बैठक में तय किया गया कि 15 नवंबर को झारखण्ड स्थापना दिवस और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर रांची के बिरसा चौक स्थित बिरसा मुंडा प्रतिमा के पास शुरू होने वाले अनिश्चितकालीन आमरण अनशन में तमाड़ से बड़ी संख्या में आंदोलनकारी शामिल होंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अनशन में बैठने वाले सभी आंदोलनकारी 14 नवंबर को ही अनशन स्थल पर पहुंच जाएंगे, ताकि 15 नवंबर से आंदोलन पूरी ताकत के साथ शुरू हो सके। बैठक में सैकड़ों आंदोलनकारी मौजूद थे। बैठक का संचालन हीरा मुंडा ने किया।

संक्षिप्त खबर

संत पॉल्स कैथेड्रल चर्च में 22 नवंबर को लगेगा 63वां आनंद मेला, 110 स्टॉल होंगे आकर्षण का केंद्र



रांची। बहुबाजार स्थित संत पॉल्स कैथेड्रल चर्च परिसर में 22 नवंबर को 63वां आनंद मेला आयोजित किया जायेगा. संत पॉल्स चर्च-रांची पेरिश कमेटी की ओर से आयोजित यह मेला दोपहर एक बजे से शाम सात बजे तक चलेगा. मेले में खानपान, मनोरंजन और सजावटी वस्तुओं के 110 स्टॉल लगाये जायेंगे. इसके अलावा बिशप्स वेस्टकॉट ग्रुप और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र होंगे. मेला संयोजक राजकुमार नागवंशी ने बताया कि मेले की तैयारियों को लेकर कोर कमेटी का गठन किया गया है. इसमें पेरिश प्रिस्ट सह छोटानागपुर डायसिस के उपाध्यक्ष रेव्ह जोलजस कुजूर, सचिव अनुशील किस्पोट्टा और कोषाध्यक्ष रुधीर तिर्की सहित सभी प्रिस्ट और पेरिश काउंसलर शामिल हैं. मेले में 110 स्टॉल लगाये जायेंगे. इन पर खानपान की चीजों के साथ मनोरंजन और सजावटी वस्तुओं की बिक्री होगी. आनंद मेले में 18 टोला कोयर मंडली की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे. बिशप्स वेस्टकॉट ग्रुप के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मेले की रौनक बढ़ायेंगी. कार्यक्रम में बिशप बीबी बास्के, रेव्ह जोलजस कुजूर, रेव्ह अमृत मसीह चरण मुंडू, रेव्ह अनिल डाहंगा, रेव्ह एस डेविड, रेव्ह शामवेल नाग, नथानियल जैकब, जे एडविन, एडविन जैकब, इरविन जैकब, अर्चना धान और रेव्ह इमानवेल बाड़ा सहित अतिथि और पुरोहित शामिल होंगे. बिशप वेस्टकॉट ग्रुप के प्राचार्य भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे. मेले के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न समितियों का गठन किया गया है. इनमें प्रिंट मीडिया, टिकट वितरण, ग्राउंड मैनेजमेंट, स्टॉल वितरण, स्टेज संचालन, फूड मैनेजमेंट, स्वागत, स्टेज सजावट और लाइट एंड साउंड के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग की जिम्मेदारी तय की गयी है.

सरकारी स्कूलों में बदली एमडीएम भुगतान व्यवस्था, अब सीधे वेंडर के खाते में पहुंचेगी राशि



रांची। सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन (एमडीएम - मिड डे मील) योजना के संचालन और भुगतान व्यवस्था में वित्त वर्ष 2026-27 से बड़ा बदलाव किया जा रहा है. अब स्कूलों को भोजन के लिए दाल, चावल, तेल, मसाले, हरी सब्जियां और अन्य जरूरी सामान खरीदने के लिए अपने बैंक खाते में राशि नहीं मिलेगी. न ही शिक्षकों को दुकानदारों से सामान खरीदकर नकद भुगतान करने और बाद में उसका हिसाब देने की जिम्मेदारी उठानी होगी. नई व्यवस्था के तहत सामान उपलब्ध कराने वाले दुकानदार यानी वेंडर के बैंक खाते में सीधे सरकारी राशि भेजी जाएगी. इसके लिए शिक्षा विभाग ने एसएनए स्पर्श प्रणाली लागू की है. इसका उद्देश्य भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना, शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से राहत देना और सरकारी राशि के इस्तेमाल में होने वाली गड़बड़ियों को रोकना है. रांची जिला में कुल 2,128 सरकारी स्कूल हैं. इनमें लगभग 50 प्रतिशत स्कूलों के वेंडरों का पंजीकरण पूरा हो चुका है. शेष स्कूलों के वेंडरों का पंजीकरण 15 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. नई व्यवस्था में वेंडर के चयन से लेकर उसके बैंक खाते में पैसा पहुंचने तक कई स्तरों पर जांच और मंजूरी की प्रक्रिया तय की गई है.

सरकार ने पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के कब्जे वाली बेशकीमती जमीन वापस ली



रांची। झारखंड सरकार ने पूर्व मंत्री योगेंद्र साव द्वारा अवैध तरीके से कब्जा किये गये जमीन के वापस लेने का फैसला किया है. उपायुक्त ने खास महाल की इस जमीन का लीज नवीकरण के बदल इसे वापस लेने का फैसला किया था. प्रमंडलीय आयुक्त की समहति के बाद इसे सरकार के पास भेजा गया था. भू-राजस्व मंत्री ने इसे स्वीकार कर लिया है. जमीन को वापस लेने पर विभागीय मंत्री की सहमति के बाद विभाग ने हजारीबाग उपायुक्त को इससे संबंधित आदेश भेजी है. इसमें कहा गया कि मौजा कैंटोनमेंट, थाना 157 के प्लॉट नंबर 302, प्लाट नंबर 872/1235, 873/1336, 893/1337, कुल रकबा 50 डिसमिल जमीन वापस लेने का उल्लेख किया गया है. पत्र में कहा गया है कि इस जमीन के लिए निर्धारित लीज शर्तों का उल्लंघन करने की वजह से लीज पुनर्ग्रहण के प्रस्ताव पर माननीय विभागीय मंत्री का अनुमोदन प्राप्त है. पत्र में इसके वापस लेकन की कार्रवाई पूरा कर विभाग को सूचना देने का निर्देश दिया गया है. उल्लेखनीय है कि सरकार ने खास महाल की यह जमीन निजी इस्तेमाल के लिए मोहम्मद एहसान नामक व्यक्ति को 30 वर्षों के लिए लीज पर दी गयी थी. लीज की वैधता 31 मार्च 2008 तक थी. इस अवधि में मूल लीज धारक की मौत हो गयी. इसके बाद लीज धारक की बेटी ने इस जमीन को बेचने के लिए हजारीबाग के कई लोगों के साथ एकरारनामा किया. साथ ही लीज नवीकरण के लिए दूसरे व्यक्ति को अधिकृत करते हुए आवेदन दिया. इस बीच पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने इस जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा कर चहारदीवारी बनाने का काम शुरू किया.

राजमहल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी के 37 मोबाइल के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची से राजमहल आ रही सानिया बस में पकड़ी गई महिला, किराये के मकान से भी बरामद हुए 23 मोबाइल



राजमहल/साहिबगंज। राजमहल पुलिस ने चोरी के मोबाइल फोन की खरीद-बिक्री एवं तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से विभिन्न कंपनियों के कुल 37 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनमें 14 मोबाइल रांची से राजमहल आ रही सानिया बस में महिला के पास से मिले, जबकि 23 मोबाइल महिला के हाटपाड़ा स्थित किराये के मकान से बरामद किए गए।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 13 नवंबर 2026 को साहिबगंज पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि रांची से राजमहल की ओर आ रही सानिया बस में एक महिला चोरी के मोबाइल फोन लेकर आ रही है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया।छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जेल मोड़ पेट्रोल पंप के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान सानिया बस के पहुंचने पर उसे रोककर महिला पुलिस पदाधिकारी द्वारा यात्रियों की जांच की गई। जांच के दौरान एक महिला के खाकी रंग के थैले से विभिन्न कंपनियों के 14 मोबाइल फोन बरामद हुए। मोबाइल के संबंध में वैध कागजात मांगे जाने पर महिला कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी।पूछताछ के दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि सुनील कुमार, निवासी बोआरीजोर, गोड्डा तथा बीरू नोनया, निवासी बाबूपुर, थाना तीनपहाड़, उसे चोरी के मोबाइल फोन पूर्व निर्धारित स्थान पर पहुंचाने और बेचने के लिए देते थे। उसे यह कहकर मोबाइल पहुंचाने की जिम्मेदारी दी जाती थी कि महिला होने के कारण पुलिस उसकी जांच नहीं करेगी।इसके बाद महिला के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर पुलिस ने हाटपाड़ा स्थित उसके किराये के मकान में छापेमारी की, जहां से विभिन्न कंपनियों के अन्य 23 मोबाइल फोन बरामद किए गए। छापेमारी के दौरान पुलिस ने महिला के सहयोगी बीरू महतो (32 वर्ष), पिता स्वर्गीय मदन महतो, निवासी बाबूपुर, थाना तीनपहाड़, जिला साहिबगंज को भी गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार महिला की पहचान रेनु देवी (39 वर्ष), पति स्वर्गीय संदीप कुमार साहा, निवासी बभनगामा, थाना तीनपहाड़, जिला साहिबगंज के रूप में हुई है।इस मामले में राजमहल थाना कांड संख्या 410/26, दिनांक 13.11.2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 317(2), 317(5) एवं 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज कर पुलिस आगे की अनुसंधान कर रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को 13 नवंबर को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

बरामद मोबाइल फोन का विवरण:

- आईफोन - 02
- रियलमी - 07
- मोटोरोला - 03
- ओप्पो - 04
- वीवो - 08
- नार्जो - 02
- सैमसंग - 08
- नथिंग - 01
- रेडमी - 02

कुल बरामद मोबाइल फोन - 37

पुलिस की इस कार्रवाई को चोरी के मोबाइल फोन के अवैध कारोबार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर अभाविप की विशेष पहल, घाटों की सफाई के साथ श्रद्धालुओं की सेवा की तैयारी



साहिबगंज।लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, साहिबगंज नगर इकाई द्वारा मुक्तेश्वरनाथ धाम गंगा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से गंगा घाट एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई कर श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रजीत साह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कृति एवं प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। इस पावन पर्व पर गंगा घाटों की स्वच्छता एवं पवित्रता बनाए रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे घाटों पर गंदगी न फैलाएं, तथा स्वच्छ एवं सुंदर छठ घाट बनाने में अपना योगदान दें।इसके साथ ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छठ पूजा के अवसर पर मुक्तेश्वरनाथ धाम गंगा घाट पर छठ पूजा सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर के माध्यम से छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के बीच पूजा से संबंधित आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया जाएगा। इसमें दूध, गंगाजल, अगरबत्ती, धूप, माचिस, पूजा के लिए आवश्यक सामग्री, पीने का पानी एवं अन्य उपयोगी सामग्रियां उपलब्ध कराई जाएंगी। परिषद के कार्यकर्ता छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सेवा और सुविधा के लिए तत्पर रहेंगे।इस दौरान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश साह, नगर मंत्री चंदन कुमार, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, पूर्णव कुमार, प्रीति सरकार एवं अनुरंजन प्रसाद सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं निर्वाचन संबंधी ज्ञान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिता में शिवम कुमार ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

झारखंड उजाला संवाददाता

टॉप–10 सफल प्रतिभागी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे सहभागिता, सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित



साहिबगंज।मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने एवं भावी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया तथा निर्वाचन संबंधी जानकारी से जोड़ने के उद्देश्य से प्रखंड कार्यालय, राजमहल में राजमहल विधानसभा स्तरीय एछउ चुनावी पाठशाला प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता में राजमहल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तीन प्रखंडों राजमहल, उधवा एवं साहिबगंज के कुल 19 चयनित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इलेक्ट्रॉल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था से संबंधित कुल 25 प्रश्न पूछे गए। प्रतिभागियों को प्रश्नों के उत्तर देने के लिए 30 मिनट का समय निर्धारित किया गया था।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, राजमहल सदानंद महतो द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप सभी देश के भावी मतदाता हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी से न केवल निर्वाचन प्रक्रिया की बेहतर समझ विकसित होती है, बल्कि समाज में भी मतदाता जागरूकता का सकारात्मक संदेश पहुंचता है। उन्होंने कहा कि जब भावी पीढ़ी जागरूक होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी रुचि एवं सहभागिता सुनिश्चित करती है, तो इससे लोकतंत्र और अधिक सशक्त एवं मजबूत बनता है।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे–

1. प्रथम स्थानः शिवम कुमार, प्लस टू जे.के. उच्च विद्यालय, राजमहल।
2.द्वितीय स्थानः शाम्भवी शिवमणि, प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय, राजमहल।
3.तृतीय स्थान (संयुक्त): कामदेव पंडित, मॉडल स्कूल, राजमहल एवं एंजेल तहसीन हुसैन, संत जेवियर स्कूल, साहिबगंज। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनित टॉप-10 प्रतिभागी आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। साथ ही, प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।कार्यक्रम के दौरान सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी मो. यूसुफ, बीपीओ गगन बापू, एछउ नोडल मजहरुल हक, बाबूलाल मंडल, कुणाल किशोर, मो. कबीर अली सहित अन्य उपस्थित थे।

राज्य स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर राजमहल में 480 आवासों का होगा गृह प्रवेश, विभिन्न पंचायतों में कार्यक्रम का शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



राजमहल/साहिबगंज। राज्य स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राजमहल प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में आवास योजना के तहत नवनिर्मित एवं पूर्ण किए गए आवासों में गृह प्रवेश कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर लाभुकों के घरों में खुशियों का माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम के तहत पंचायत गुणिहारी में प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद यूसुफ, मुखिया सुखवा उरांव, पंचायत सचिव मो. शाहजहाँ अंसारी, आवास को-ऑर्डिनेटर रवि कांत रवि एवं पंचायत समिति सदस्य बुल्लु महतो की उपस्थिति में गृह प्रवेश कार्यक्रम की शुरूआत की गई।वहीं, पंचायत समसपुर में प्रखंड प्रमुख लक्ष्मी उरांव एवं झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष मो. अनीसुर रहमान सहित पंचायत की मुखिया एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस संबंध में बताया गया कि राजमहल प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में कुल 480 पूर्ण आवासों का गृह प्रवेश कराया जाएगा। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आवास योजना के लाभुकों को उनके सपनों का पक्का घर मिलने की खुशी में शामिल करना है।कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने लाभुकों को नए घर की शुभकामनाएं दीं।

सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के अनुपालन को लेकर बरहेट में सघन वाहन जांच अभियान, 22 वाहनों का चालान कर 43,000 का जुमार्ना वसूला गया



साहिबगंज।जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने, यातायात नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा आमजनों की सुरक्षा के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आइंद के निर्देशानुसार बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत विशेष वाहन जांच अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया सहित विभिन्न प्रकार के कुल 41 वाहनों की जांच की गई। जांच के क्रम में यातायात नियमों एवं मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन करने वाले 22 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई करते हुए कुल 43,000 का जुमार्ना वसूला गया।अभियान के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा वाहन चलाते समय आवश्यक सावधानियां बरतने के प्रति जागरूक किया गया।जिला प्रशासन ने आमजनों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन अपनी आदत में शामिल करें। सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। आपकी थोड़ी-सी सावधानी अनमोल जीवन की रक्षा कर सकती है।मौके पर मोटरयान निरीक्षक, साहिबगंज कुमार उत्कर्ष, थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे।

दूधीजोल में फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ, आयोजकों ने थाना प्रभारी को अंगवस्त्र देकर किया सम्मानित

झारखंड उजाला संवाददाता



बरहरवा/साहिबगंज। प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर के दूधीजोल में शुक्रवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर क्लब की ओर से आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन कोटालपोखर थाना प्रभारी पवन कुमार ने किया। इस अवसर पर आयोजक समिति के सदस्यों ने थाना प्रभारी को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता 13, 14 एवं 15 नवंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। उद्घाटन के साथ ही मैदान में फुटबॉल मुकाबलों का रोमांच शुरू हो गया। आयोजकों द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रतियोगिता में ग्रुप ए और ग्रुप बी के तहत मुकाबले खेले जाएंगे। शुक्रवार को ग्रुप ए तथा शनिवार को ग्रुप बी के लीग मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। रविवार 15 नवंबर को सेमीफाइनल मुकाबलों के बाद शाम 4 बजे से 5 बजे तक फाइनल मैच खेला जाएगा। इस दौरान थाना प्रभारी पवन कुमार ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की बात कही। वहीं आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करना है। प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर स्थानीय युवाओं और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है। आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है।

छठ महापर्व को लेकर बरहरवा-कोटालपोखर में उत्साह चरम पर, सज-धजकर तैयार हो रहे छठ घाट

झारखंड उजाला संवाददाता

घाटों की सफाई से लेकर आकर्षक विद्युत सजावट तक अंतिम दौर में तैयारियां, बाजारों में पूजन सामग्री की खरीदारी को उमड़ रही भीड़



बरहरवा/साहिबगंज। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू हो गया। पर्व की शुरूआत होते ही बरहरवा, कोटालपोखर समेत आसपास के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में भक्तिमय माहौल बन गया है। घरों से लेकर छठ घाटों तक तैयारियां तेज हो गई हैं और चारों ओर छठी मैया के गीत गूंजने लगे हैं। महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को व्रती खरना करेंगे। इस दौरान दिनभर निर्जला उपवास रखने के बाद शाम को विधि-विधान से भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। वहीं सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का समापन होगा। इधर, छठ पूजा को लेकर बरहरवा और कोटालपोखर के विभिन्न घाटों पर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। घाटों की साफ-सफाई, रंग-रोगन, आकर्षक सजावट और विद्युत लाइटिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पूजा समितियों एवं स्थानीय युवाओं की ओर से घाटों को भव्य रूप देने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर भी विशेष व्यवस्था की जा रही है। घाटों पर रोशनी, आवागमन और अन्य जरूरी सुविधाओं को दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर छठ पूजा की खरीदारी को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। फल, नारियल, ईख, सूप, दउरा और पूजन सामग्री की दुकानों पर लोगों की भीड़ जुटने लगी है। व्रती परिवार पर्व की तैयारियों में जुटे हुए हैं। घरों में प्रसाद बनाने और पूजा की सामग्री जुटाने का सिलसिला जारी है। कुल मिलाकर बरहरवा-कोटालपोखर क्षेत्र में छठ महापर्व को लेकर उत्साह अपने चरम पर है। श्रद्धा, आस्था और परंपरा के इस महापर्व में हर कोई अपनी भागीदारी निभाने में जुटा है। अब श्रद्धालुओं को रविवार की संध्या अर्घ्य और सोमवार के प्रातःकालीन अर्घ्य का बेसब्री से इंतजार है।

जिला गंगा समिति की बैठक में गंगा तटों के संरक्षण, अतिरिक्त छठ घाटों के विकास एवं पर्यावरण अनुकूल पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा



साहिबगंज।उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रबल गर्ग सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में गंगा नदी के तटों के संरक्षण, छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए अतिरिक्त घाटों के विकास तथा पर्यावरण अनुकूल पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या एवं उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जिले में अतिरिक्त छठ घाटों के विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर नमामि गंगे परियोजना को भेजने का प्रस्ताव पारित किया गया, ताकि घाटों का विकास कर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।साहिबगंज शहरी क्षेत्र में गंगा नदी के कटाव से तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा के मद्देनजर बिजली घाट से ओझा टोली घाट तक लंबित तट संरक्षण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया गया। संबंधित कार्यों में तेजी लाकर तटों को कटाव से सुरक्षित करने की आवश्यकता बताई गई।वहीं, बास्कोला रेलवे लाइन के समीप गंगा नदी के कटाव से रेलवे अवसंरचना एवं आसपास के क्षेत्रों को संभावित खतरे से बचाने के लिए पूर्व में किए गए अस्थायी कटाव निरोधक कार्यों के अतिरिक्त व्यापक एवं स्थायी तट संरक्षण कार्य कराने पर भी चर्चा की गई।बैठक में गंगा नदी में मनोरंजन एवं पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गैर-मोटर चालित नौकाओं के परिचालन की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ जलीय जीवों, विशेषकर गंगा डॉल्फिन के प्राकृतिक आवास एवं पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखना है। पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया।उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने गंगा नदी के संरक्षण, तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा एवं स्थानीय स्तर पर जनसुविधाओं के विकास के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, नगर प्रशासक साहिबगंज अभिषेक कुमार सिंह, नगर पंचायत प्रशासक राजमहल दानिश हुसैन, नमामि गंगे परियोजना जिला समन्वयक अमित मिश्रा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीनपहाड़ में नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ छठ महापर्व, गूंज उठी शारदा सिन्हा की आवाज

झारखंड उजाला संवाददाता





तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ के आसपास के क्षेत्रों में लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा-भक्ति का वातावरण शुरू हो चुका है। शुक्रवार को नहाय-खाय (कद्दू-भात) के साथ ही चार दिवसीय महापर्व का अनुष्ठान आरंभ हो गया। इसके पूर्व श्रद्धालु व छठ व्रती गंगा सहित प्रमुख नदियों में डुबकी लगाकर पवित्र हुए, साथ ही छठ व्रत को लेकर पूजन सामग्री की खरीदारी भी शुरू कर दी है। वहीं शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे-बड़े सभी घाटों की साफ-सफाई को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।शांतिपूर्ण छठ पर्व संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन काफी मुस्तैद दिख रही है। छठ पर्व पर पूजन सामग्री को लेकर शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बाजार सज गया है। पर्व के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए इन दिनों गांव व शहर के गली-मोहल्ले में छठ गीतों की धूम मची हुई है। मोबाइल, टीवी, ऑडियो के जरिये हर जगह तरह-तरह के छठ गीत से पूरा वातावरण भक्तिमय हो चुका है।

हिंदू धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व

दुर्गा मंदिर के पुरोहित राजकिशोर पांडे ने बताया कि हिंदू धर्म में यह पर्व चार दिनों तक चलता है। पंचांग के अनुसार छठ पूजा का यह पावन पर्व हर साल कार्तिक मास में शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। यह व्रत संतान की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना के लिए रखा जाता है। यह सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है। 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए व्रती इस व्रत को रखते हैं, व्रत रखने वाले लोग 24 घंटों से अधिक समय तक निर्जला उपवास रखते हैं। यह पर्व चतुर्थी से आरंभ होकर सप्तमी तिथि को प्रातः सूर्योदय के समय अर्घ्य देने के बाद संपन्न होता है।

50 से 100 रुपये तक बिका कद्दू

शुक्रवार को कद्दू-भात के साथ ही छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू हो गया। बाजार में 50 से 100 रुपये तक कद्दू की बिक्री हो रही थी। कद्दू-भात के साथ शुरू होने वाले इस महापर्व के दूसरे दिन खरना की भी तैयारी शुरू कर दी गई है। छठव्रती व श्रद्धालुओं ने गेहूं सुखाने से लेकर अन्य सामग्रियों की साफ-सफाई कर खरना की तैयारी प्रारंभ कर दी है।

तीनपहाड़ में खरीदारी को लेकर उमड़ने लगी भीड़

छठ पर्व को लेकर बाजार में पूजन सामग्री की भारी संख्या में दुकान लग चुकी है। शहरी क्षेत्र के अलावे ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार छठ पूजन सामग्री से पट चुके हैं। बाजार में सूप, नारियल, डाला, टाभ, नींबू, फल, पूजन सामग्री की खरीदारी खूब हो रही है। खरीदारी को लेकर बाजार में सुबह से देर शाम तक भीड़ जुटने लगी है। लोग महंगाई को देखते हुए भी अपनी आवश्यकता के अनुसार सामान की खरीदारी कर रहे हैं।

छठ पर्व के दौरान सूर्योदय व सूर्यास्त का समय

पंचांग के अनुसार, नहाय-खाय के दिन सूर्योदय सुबह 6 बजकर 27 मिनट व सूर्यास्त शाम 5 बजकर 41 मिनट पर होगा। खरना के दिन सूर्योदय सुबह 6 बजकर 34 मिनट व सूर्यास्त शाम 05 बजकर 40 मिनट पर होगा। छठ पूजा के दिन सूर्योदय सुबह 06 बजकर 29 मिनट व सूर्यास्त शाम 05 बजकर 39 मिनट होगा। व्रत पारण दिवस के दिन सूर्योदय सुबह 06 बजकर 29 मिनट और सूर्यास्त शाम 05 बजकर 38 मिनट होगा।

हर घर में गूंज रही है शारदा सिन्हा की आवाज

छठ के आते ही शारदा सिन्हा का 'हो दीनानाथ' गीत फिर से वायरल होने लगा है। उनके गीतों में जो मिठास और अपनापन है, वह सीधे दिल को छू जाता है। इस गीत में छठ की तैयारी, घाट की सजावट, गीत गा रही महिलाएं और सूर्य की आराधना का पूरा दृश्य बहुत सुंदर ढंग से दिखाया गया है। प्रत्येक साल छठ आते ही यह गीत जैसे फिर से नया हो जाता है और लोगों के मन में वही पुरानी श्रद्धा जगा देता है। शारदा सिन्हा न सिर्फ छठ गीतों की रानी थीं, बल्कि उन्होंने बिहार और पूर्वांचल की लोकसंस्कृति को भी जिंदा रखा। उनके गीतों में गांव की खुशबू, मिट्टी की सादगी और भक्ति की गहराई मिलती है। उनकी आवाज में जो लगाव है, वो आज भी लोगों के कानों में गूंजती है। इस बार भी छठ का त्योहार उनके गीतों से सजने लगा है।

ओनेगड़ा-पेशरार में भव्य पड़हा जतरा आयोजित

13 पारंपरिक नृत्य टोलियों ने मांदर, नगाड़ा और पारंपरिक वेशभूषा के साथ बांधा समां

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



लोहरदगा: पेशरार प्रखंड के ओनेगड़ा गांव में कार्तिक उरांव एवं भगवान बिरसा मुंडा के गौरव दिवस पर भव्य पड़हा जतरा का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला राजी पड़हा व्यवस्था के वेल लक्ष्मी नारायण भगत उपस्थित हुए। जतरा में आदिवासी संस्कृति और परंपरा की जीवंत झलक देखने को मिली। मांदर, नगाड़ा, घंट और पारंपरिक वेशभूषा के साथ विभिन्न गांवों से पहुंची 13 नृत्य टोलियों ने पारंपरिक खोड़हा नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। जतरा में ओनेगड़ा, रोरद, कौवाडार, मुड़हूकरचा, केरार, चैनपुर, कादोझरिया, दुग्गू, पाखर, पेशरार, चांदगो, हतवल, कुंबाटोली और बाड़ी सहित आसपास के गांवों के लोग शामिल हुए। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर महिला-पुरुषों ने सामूहिक नृत्य किया। वहीं, विभिन्न समुदायों के लोगों ने मेले में पहुंचकर खरीदारी और मनोरंजन का आनंद लिया। आयोजन समिति की ओर से सभी खोड़हा दलों को उनकी सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि लक्ष्मी नारायण भगत ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया। वहीं, समाज के कुशल राजनीतिज्ञ और दूरदर्शी नेता कार्तिक उरांव ने आदिवासी संस्कृति, पहचान और परंपरागत व्यवस्था को लोकतांत्रिक व्यवस्था में कायम रखने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। दोनों महापुरुषों का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने युवाओं से अपनी संस्कृति और परंपरा को बचाने के लिए आगे आने की अपील की। कहा कि युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, व्यापार और सामाजिक गतिविधियों में अपनी भागीदारी बढ़ाएं। आज युवा जो सीखेंगे, उसी के आधार पर आने वाले समाज और भविष्य का निर्माण होगा। समाज की उन्नति के लिए युवाओं को सकारात्मक सोच और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ना होगा।

कार्यक्रम में 12 पड़हा पेशरार के देवान रामदेव उरांव, कोटवार लाले उरांव, सचिव विश्राम उरांव, रोरद मुखिया, पूर्व मुखिया अरविंद उरांव, भूखला भगत, उप कोटवार महेश उरांव, पारस उरांव, जयराम उरांव, शिवदयाल उरांव, कमलेश उरांव, मथुरा भगत, बासु उरांव, जहिन्दर उरांव, इंद्रदेव उरांव, पारसनाथ उरांव और बिनेश्वर उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समाज के प्रमुख लोग उपस्थित थे।

अक्टूबर माह की सम्मान राशि के रूप में 23 करोड़ 13 लाख 35 हजार रुपये का भुगतान

त्योहार पर महिलाओं को मिला आर्थिक संबल

लोहरदगा: छठ महापर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत लोहरदगा जिले की 92,534 लाभुक महिलाओं को अक्टूबर माह की सम्मान राशि का भुगतान कर दिया गया है। लाभुकों के बैंक खातों में आधार आधारित भुगतान के माध्यम से कुल 23 करोड़ 13 लाख 35 हजार रुपये भेजे गए हैं।जिला जनसंपर्क कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, त्योहार के अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं के खातों में सम्मान राशि पहुंचने से उन्हें आर्थिक राहत मिली है। इससे महिलाएं छठ महापर्व की तैयारियों और घरेलू जरूरतों को पूरा करने में राशि का उपयोग कर सकेंगी।इस संबंध में सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, लोहरदगा ने जानकारी दी।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

एलईडी वैन के माध्यम से किस्को में चलाया गया विधिक जागरूकता अभियान

लोहरदगा: झालसा, रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोहरदगा की ओर से किस्को प्रखंड के तिसिया बाजार एवं आसपास के गांवों में एलईडी वैन के माध्यम से विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष राजकमल मिश्रा तथा सचिव मनोरंजन कुमार के मार्गदर्शन में पीएलवी शाहिद हुसैन एवं इजहार अहमद ने ग्रामीणों को कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।इस दौरान ग्रामीणों को डायन प्रथा, बाल विवाह, मध्यस्थता, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और जरूरतमंदों को मिलने वाली निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। साथ ही डालसा की भूमिका एवं कार्यों तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया बताई गई। अभियान के तहत पंचायतों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

सर्वजन पेंशन योजना के 62,489 लाभुकों के खाते में पहुंची अक्टूबर माह की पेंशन

लोहरदगा: मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना के तहत लोहरदगा जिले के 62,489 लाभुकों को अक्टूबर 2026 की पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया है। इससे जिले के हजारों बुजुर्गों, विधवा एवं अन्य पात्र लाभुकों को आर्थिक सहायता मिली है। जिला जनसंपर्क कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा ने बताया कि सभी लाभुक अपने संबंधित बैंक में जाकर पेंशन की राशि की निकासी कर सकते हैं। उन्होंने लाभुकों से बैंक जाकर भुगतान की स्थिति की जानकारी लेने और राशि की निकासी करने की अपील की है।

गोला दर्पण प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा किसानों के बीच सब्सिडी दर पर चना बीज का वितरण



रामगढ़/गोला। किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें आधुनिक खेती से जोड़ने के उद्देश्य से गोला दर्पण प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा क्षेत्र के लगभग सौ ग्रामीण किसानों के बीच सब्सिडी दर पर उच्च गुणवत्ता वाले चना बीज का वितरण किया गया। इस पहल से स्थानीय किसानों में काफी उत्साह देखा जा रहा है।कंपनी के कार्यालय परिसर में आयोजित इस वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के किसान शामिल हुए। कंपनी केमैनेजिंग डायरेक्टर नव कुमार महतो एवं पदाधिकारियों ने किसानों को उन्नत किस्म के चना बीज उपलब्ध कराते हुए इसकी बुवाई की वैज्ञानिक विधि, खाद प्रबंधन और फसल सुरक्षा के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।इस मौके पर कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि किसानों को समय पर और कम लागत में उन्नत बीज उपलब्ध कराना संस्था की प्राथमिकता है, ताकि रबी फसल की पैदावार बेहतर हो सके और किसान आर्थिक रूप से सशक्त बनें।कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने कंपनी के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि बाजार से कम कीमत पर समय रहते बीज मिलने से उन्हें खेती करने में काफी सहूलियत होगी। कार्यक्रम में कंपनी के निदेशक मंडल के सदस्यों सहित कई स्थानीय किसान मौजूद थे।

रांची-खूंटी मुख्य मार्ग पर पेट्रोल पंप कर्मी को मारी गोली



खूंटी । जिले में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए। गुटजोरा पंचायत के जियारप्पा सीमा क्षेत्र में रांची-खूंटी मुख्य मार्ग स्थित पुष्पा फ्यूल सेंटर पेट्रोल पंप पर शुक्रवार देर रात तीन अज्ञात अपराधियों ने गोलीबारी कर दहशत फैला दी।अपराधियों ने पंप के केबिन में काम कर रहे कर्मी अमित कुमार (25) को गोली मारकर घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी संगठन के नाम पर रंगदारी से संबंधित पर्चा छोड़कर फरार हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हुटार की ओर से अपाचे बाइक पर सवार होकर तीन अपराधी पेट्रोल पंप पहुंचे। इसके बाद केबिन के अंदर मौजूद अमित कुमार पर तीन गोलियां चलाईं। इनमें से एक गोली उसके पैर में लगी। गोलीबारी के बाद पेट्रोल पंप परिसर में अफरा-तफरी मच गई।घायल अमित को तत्काल सदर अस्पताल खूंटी पहुंचाया गया, जहां उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।घटना के बाद अपराधियों ने काउंटर पर एक पर्चा छोड़ा, जिसमें संगठन को सहयोग करने की बात लिखी गई थी। इसके बाद तीनों अपराधी रांची की ओर फरार हो गए। पूरी वारदात पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।घटना की सूचना मिलते ही खूंटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।पुलिस ने घटनास्थल से पर्चा और तीन खोखा बरामद किया है। थाना प्रभारी बाबू बंशी साव ने बताया कि मामले का अनुसंधान किया जा रहा है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद इलाके में भय और दहशत का माहौल है।

दुष्कर्म मामले का आरोपित गिरफ्तार

रांची। रांची के तमाड़ थाना पुलिस ने दुष्कर्म मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम लखविन्द्र मुण्डा बताया गया है। इसके पास से मिट्टी लगा शर्ट एवं अन्य कपड़ा बररामद किया गया है।ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने शुक्रवार को बताया कि गत नौ नवंबर को एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। नाबालिग लड़की की मां के जरिये इस संबंध में तमाड़ थाना में लिखित आवेदन दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई।इसके बाद अनुमंडल पुलिस उपाधीक्षक बुंडू के नेतृत्व में कांड का खुलासा करने के लिए एक विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया। अनुसंधान के क्रम में मानवीय एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में आरोपित ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और बताया कि बच्ची को वो पूर्व से जानते एवं पहचानते थे। घटना के दिन आरोपित के जरिये बच्ची को मिठाई बनाने के लिए चावल का आटा मील से लाने का बहाना बनाकर बच्ची को मील नहीं ले जाकर सुनसान जंगल में बलपूर्वक ले जाकर बच्ची के साथ जबरन दुष्कर्म किया।गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सिंदरी कोलवाशरी और आरएनआर कॉलोनी का सीवीओ ने किया निरीक्षण, जनवरी-फरवरी में शुरू होने की संभावना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



सिंदरी/धनबाद। सेल बोर्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) दिलीप कुमार ने शुक्रवार को सेल कोलियरीज डिवीजन के अंतर्गत सिंदरी में निमार्णाधीन कोलवाशरी परियोजना एवं आर. एन. आर (पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना) कॉलोनी का निरीक्षण किया। उनके साथ ईडी विजिलेंस श्री झा, ईडी कोलियरीज श्री त्रिपाठी सहित बोर्ड स्तर के अधिकारियों की टीम मौजूद थी।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने खदान, कोलवाशरी निर्माण कार्य की प्रगति, परियोजना से जुड़ी गतिविधियों और आर. एन.आर कॉलोनी(पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कॉलोनी) की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान सेल कोलियरीज डिवीजन के सीजीएम शिवराम बनर्जी ने अधिकारियों को परियोजना की वर्तमान स्थिति एवं निर्माण कार्य की जानकारी दी।पत्रकारों से बातचीत में सीजीएम शिवराम बनर्जी ने बताया कि परियोजना के जनवरी के अंतिम सप्ताह अथवा फरवरी के प्रथम सप्ताह तक चालू होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस कोलवाशरी परियोजना की 3.5 मिलियन टन क्षमता है, जिससे करीब 1.6 मिलियन टन क्लीन कोल (स्वच्छ कोयला) प्राप्त होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त धुलाई प्रक्रिया से निकलने वाले मिडलिंग कोल(कोयले की धुलाई की प्रक्रिया के दौरान निकलने वाला एक माध्यम गुणवत्ता का उप- उत्पाद है) को बिजली उत्पादन के लिए पावर प्लांट भेजा जाएगा।उन्होंने बताया कि कोलवाशरी के चालू होने से कोयले की गुणवत्ता में सुधार के साथ उसके बेहतर उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान टासरा कोयला परियोजना से जुड़े अधिकारी भी उपस्थित थें।

दुर्घटना में घायल निशु से मिले समिति सदस्य



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: बीआईडी निवासी मयंक गोयल उर्फ निशू (पिता उमेश अग्रवाल) 9 नवंबर को दीपावली की दूसरी रात सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गहरी चोटें आई थीं। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रिम्स, रांची रेफर किया गया था।स्वास्थ्य में सुधार के बाद अस्पताल से छुट्टी मिलने पर जय श्रीराम समिति के जिला अध्यक्ष बजरंग करूवा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल उनके आवास पहुंचा। पदाधिकारियों ने मयंक का हालचाल जाना और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। साथ ही परिजनों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया।

मौके पर जिला संरक्षक लक्ष्मी भगत, अजय सोनी, महिला महामंत्री जान्हवी गोयल, संगठन मंत्री सरिता देवी , गुड़िया देवी, स्वास्थ्य प्रभारी ओम महतो, उपेंद्र कुशवाहा, संजीव रेड्डी सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे।

भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जलेन्दर महतो का लोहरदगा में हुआ भव्य स्वागत



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित मासिक बैठक में झारखंड प्रदेश पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक जलेन्दर महतो एवं प्रकोष्ठ के सदस्य सुनील पांडे का स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष अजय कुमार पंकज ने दोनों नेताओं का स्वागत करते हुए संगठन की ओर से संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में लोहरदगा जिला भाजपा संगठन की वर्तमान स्थिति, गत दिनों संपन्न कार्यक्रमों और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश संयोजक ने संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही पंचायती राज प्रकोष्ठ की भूमिका और संगठन को मजबूत बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।इस अवसर पर भाजपा जिला पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी एवं सभी मंडलों के अध्यक्ष उपस्थित थे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का 18 नवंबर को मिलेगा एक और मौका

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

जिले के सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 11 से शाम 4 बजे तक लगेगा विशेष कैंप



लोहरदगा: विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का एक और अवसर दिया जाएगा। इसके लिए 18 नवंबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर एक और अवसर कैंप आयोजित किया जाएगा। कैंप सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इसमें अरऊ सूची में चिह्नित मतदाताओं की पहचान और सत्यापन किया जाएगा। इस संबंध में उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने शुक्रवार को ईवीएम -वीवीपैट वेयरहाउस में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान BLO-BLA-2 की छठी बैठक और चुनाव पाठशाला की छठी बैठक भी आयोजित होगी।कैंप का मुख्य उदेश्य वैसे पात्र मतदाताओं को अवसर देना है, जिन्हें गणना चरण में गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया गया था, लेकिन ASDD सूची में चिह्नित होने के कारण प्रारूप मतदाता सूची में उनका नाम शामिल नहीं हो सका। ऐसे मतदाताओं की पहचान और सत्यापन किया जाएगा, जो संबंधित मतदान केंद्र क्षेत्र में सामान्य रूप से निवास कर रहे हैं और अब तक प्रपत्र-6 नहीं भर पाए हैं। संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी की ओर से आवश्यक गणना प्रपत्र और लागू होने के अनुसार Annexure-B अथवा Annexure-C बूथ लेवल एजेंट को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद संबंधित मतदाताओं से आवश्यक प्रपत्र और दस्तावेज प्राप्त किए जाएंगे। सत्यापन एवं सुनवाई की प्रक्रिया के बाद अपात्र पाए गए व्यक्तियों की नामवार सूची प्रपत्र-3 में मतदान केंद्रों पर प्रकाशित की जाएगी। BLO उपस्थित सदस्यों के समक्ष सूची पढ़कर सुनाएंगे, ताकि आम नागरिकों और राजनीतिक दलों से सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त की जा सकें। उपायुक्त ने बताया कि जिन युवाओं की आयु एक अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूरी हो चुकी है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (BLA-2) की कैंप में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की। उपायुक्त ने जिले के सभी पात्र मतदाताओं, विशेषकर युवा एवं भावी मतदाताओं से 18 नवंबर को अपने मतदान केंद्र पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाने और मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित कराने की अपील की। बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और निर्वाचन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था के महापर्व छठ का शुभारंभ, पूर्व डिप्टी चेयरमैन बलराम साहू ने की पूजा-अर्चना, लगातार 29 वर्षों से अटूट आस्था के साथ छठ महापर्व कर रहे बलराम साहू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

छठ महापर्व हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक, सामाजिक एकता का देता है संदेश : बलराम साहू



लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना के महापर्व छठ की शुरूआत नहाय-खाय के साथ श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में हुई। इस पावन अवसर पर पूर्व डिप्टी चेयरमैन बलराम साहू ने अपनी पत्नी रश्मि देवी के साथ पूरे विधि-विधान एवं श्रद्धा से पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान सूर्य और छठी मैया से परिवार, समाज एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। नहाय-खाय के अवसर पर रश्मि देवी ने भी छठ महापर्व की परंपराओं के अनुरूप पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का शुभारंभ हो गया। पर्व को लेकर लोहरदगा में श्रद्धालुओं के बीच विशेष उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर बलराम साहू ने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह महापर्व हमें स्वच्छता, पवित्रता, अनुशासन, त्याग और समर्पण का संदेश देता है। छठी मैया और भगवान सूर्य की आराधना के माध्यम से लोग अपने परिवार के साथ-साथ पूरे समाज की सुख-शांति और खुशहाली की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर सभी लोग एक-दूसरे के सहयोग में आगे आते हैं। यह पर्व सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे को मजबूत करता है।

अंत में उन्होंने समस्त छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भगवान भास्कर और छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

डीसी के आश्वासन का दिखा असर, दो दिन के भीतर सड़क मरम्मत का कार्य शुरू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

ग्रामीणों के आंदोलन के बाद प्रशासन की पहल, बरियातू बाजार टांड़ से माचा टांड़ तक सड़क के गड्ढे भरने का काम शुरू



रामगढ़/गोला। बरियातू बाजार टांड़ से साड़म होते हुए माचा टांड़ तक 6.950 किलोमीटर सड़क निर्माण में हो रही देरी को लेकर ग्रामीणों के विरोध का सकारात्मक असर देखने को मिला है। उपायुक्त द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुरूप दो दिनों के भीतर ही शुक्रवार से जर्जर सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। फिलहाल सड़क पर बने गड्ढों को भरने का काम किया जा रहा है, ताकि राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में राहत मिल सके। गौरतलब है कि सड़क निर्माण शुरू नहीं होने से नाराज सैकड़ों ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि कमलेश कुमार महतो के नेतृत्व में उपायुक्त कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान विधायक ममता देवी ने भी अधिकारियों के समक्ष मामले को प्रमुखता से उठाते हुए संवेदक और विभागीय लापरवाही पर नाराजगी जताई थी। ग्रामीणों से मुलाकात के दौरान उपायुक्त ने एक-दो दिनों के भीतर गड्ढों की मरम्मत कराने और जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने का भरोसा दिया था। प्रशासन की पहल पर मरम्मत कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में उम्मीद जगी है। हालांकि ग्रामीणों की मांग है कि केवल गड्ढों की मरम्मत तक सीमित न रहकर लंबित 6.950 किलोमीटर सड़क का स्थायी निर्माण भी जल्द शुरू कराया जाए, ताकि वर्षों से चली आ रही परेशानी से पूरी तरह निजात मिल सके।

छठ व्रतियों की सेवा में नगर पंचायत छत्तरपुर की ओर से 14 नवंबर को शहर में बांटी जाएंगी आम की सूखी लकड़ियां

नगर अध्यक्ष हेल्प लाइन सेंटर परिसर में सुबह 8 बजे से होगा वितरण, छठ व्रतियों के लिए की गई विशेष व्यवस्था

अरविंद अग्रवाल झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



छत्तरपुरःपलामू/
लोक आस्था के महापर्व छठ की पवित्रता और परंपरा को ध्यान में रखते हुए नगर अध्यक्ष हेल्प लाइन सेंटर ठाकुरवाडी छत्तरपुर स्थित 14 नवंबर (शनिवार) को छठ व्रतियों के बीच आम की सूखी लकड़ियां,नारियल, पूजा साम्रगी अन्य का वितरण किया जाएगा। वितरण कार्यक्रम सुबह 8 बजे से शुरू होगा। छठ पर्व पर नगर पंचायत के अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि छठ व्रतियों की सेवा में नगर पंचायत तत्पर है जिसको लेकर आम की सूखी लकड़ियां,नारियल, पूजा साम्रगी सहित अन्य का वितरण किया जा रहा है। इस वर्ष सामाजिक दायित्व के तहत एक छोटी सी पहल रखी गई है। छतरपुर के नगर अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता चुनमुन और नगर पंचायत परिवार छत्तरपुर के सभी वार्ड सदस्यों ने संयुक्त रूप से बताया कि छठ महापर्व में शुद्धता और पवित्रता का विशेष महत्व है। इसी भावना से व्रतियों को प्रसाद बनाने के लिए आम की सूखी लकड़ियां उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने छत्तरपुर के छठ व्रतियों माता- बहनों को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। और निर्धारित समय पर पहुंचकर आम की सूखी लकड़ियां, नारियल,पूजासाम्रगी, सहित अन्य प्राप्त करने की अपील की है।

पिपरा प्रखण्ड के जनता के सेवा में सदैव तत्पर संदीप पासवान कहा जनसेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

टंडवा उर्फ जगदीशपुर पंचायत तेंदुई, प्रखंड पिपरा में 63 केवीए का ट्रांसफार्मर उपलब्ध करवाया

पलामूःपिपरा प्रखण्ड के तेंदुई ,पंचायत के ग्राम टंडवा उर्फ जगदीशपुर, में 63 केवीए का ट्रांसफार्मर जल गया था जिसके चलते ग्राम वासी को इस काफी दिक्कत का सामना करना पड रहा था ग्राम वासी के द्वारा काफी प्रयास करने के बाद भी कोई निदान नहीं हो पा रहा था, अंत में विवश होकर ग्राम वासी इसकी सूचनापुर्व जिला परिषद प्रतिनिधि पिपरा प्रखण्ड सह वीर बाबा चौहरमल कल्याण समिति पलामू जिला कमिटी के जिला अध्यक्ष सह समाजसेवी संदीप पासवान से मुलाकात कर अपने समस्या को रखा जिसपर तत्काल उन्होंने बिजली विभाग मेदिनीनगर के पदाधिकारियों से मुलाकात कर इस बात को रखा जिसपर तत्काल पदाधिकारी ने संज्ञान लेकर 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर भिजवा कर उसे आज लगवाने का कार्य किया इस कार्य के लिए संदीप पासवान के प्रति लोगों ने हर्ष व्यक्त किया और जनता का सही हितैषी बताया हर्ष व्यक्त करने वालों में विजय सिंह, उदित सिंह,किंतु कुमार,सुमन कुमार, राकेश कुमार,साधु कुमार,कारू कुमार,छोटु कुमार, अशोक सिंह, दिलीप सिंह,भजन कुमार,उदय कुमार,राजा कुमार,परशु कुमार,केदार सिंह, महेंद्र सिंह, विजेन्द्र सिंह,प्रभु सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

तीन दशक से छठ व्रतियों की सेवा कर रहा जायसवाल टिम्बर, 14 नवंबर को बांटी जाएंगी आम की सूखी लकड़ियां



रेडमा स्थित जायसवाल टिम्बर परिसर में सुबह 11 बजे से होगा वितरण, छठ व्रतियों के लिए की गई विशेष व्यवस्था

मेदिनीनगर, पलामू।
लोक आस्था के महापर्व छठ की पवित्रता और परंपरा को ध्यान में रखते हुए मेदिनीनगर के रेडमा दो नंबर टाउन रोड स्थित जायसवाल टिम्बर परिसर में 14 नवंबर (शनिवार) को छठ व्रतियों के बीच आम की सूखी लकड़ियों का वितरण किया जाएगा। वितरण कार्यक्रम सुबह 11 बजे से शुरू होगा। परिसर रांची रोड, रेडमा स्थित टीवीएस शो रूम के बगल में है। जायसवाल टिम्बर के प्रोपराइटर अरुण कुमार जायसवाल ने बताया कि छठ व्रतियों की सेवा के उद्देश्य से पिछले तीन दशकों से लगातार आम की सूखी लकड़ियों का वितरण किया जा रहा है। इस वर्ष भी सामाजिक दायित्व के तहत यह परंपरा जारी रखी जाएगी। छत्तरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित जायसवाल एवं डाली बाजार पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि छठ महापर्व में शुद्धता और पवित्रता का विशेष महत्व है। इसी भावना से व्रतियों को प्रसाद बनाने के लिए आम की सूखी लकड़ियां उपलब्ध कराई जाती हैं। अरुण कुमार जायसवाल ने बताया कि लकड़ी वितरण के दौरान व्रतियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने छठ व्रतियों से निर्धारित समय पर पहुंचकर आम की सूखी लकड़ियां प्राप्त करने की अपील की है।

इमली बस्ती में बाइक चोरी करते एक आरोपी गिरफ्तार, कई अन्य मामलों में भी संलिप्तता उजागर होने की बात

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

सिंदरी/धनबाद। सिंदरी थाना क्षेत्र के एसके-1 के समीप स्थित इमली बस्ती में गुरुवार रात करीब 8 बजे बाइक चोरी करने पहुंचे दो युवकों में से एक को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, दो युवक इमली बस्ती में हीरो स्प्लेंडर प्रो बाइक (नंबर जेएच-10यू-5054) चोरी करने पहुंचे थे। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने उन्हें बाइक चोरी करते हुए देख लिया और तत्परता दिखाते हुए एक युवक को पकड़ लिया। इसके बाद सिंदरी थाना पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलते ही सिंदरी थाना के एएसआई एस. एन. एक्का पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और पकड़े गए युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विजय महतो उर्फ हरिबोल महतो (34 वर्ष), पिता शिवप्रसाद महतो, निवासी समलापुर, पाथरडीह टोला, थाना बलियापुर, जिला धनबाद के रूप में हुई है। वहीं, उसका दूसरा साथी विजय महतो, निवासी कालीपुर, मौके से फरार होने में सफल रहा।

गिरफ्तार आरोपी की अन्य आपराधिक घटनाओं में भी संलिप्तता उजागर होने की बात कही। उसके विरुद्ध संबंधित कानूनी धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को न्यायिक हिरासत के लिए धनबाद न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर पुनपुन उद्गम स्थल छठ घाट का निरीक्षण एवं साफ-सफाई का कार्य शुरू

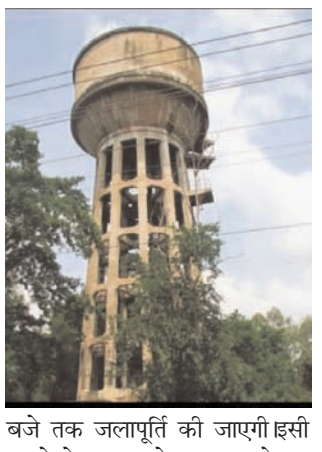
झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



पलामूःपिपरा प्रखंड के सरैया पंचायत अंतर्गत स्थित पवित्र पुनपुन उद्गम स्थल छठ घाट का निरीक्षण करते हुए छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लिया गया। लोक आस्था और सूर्य उपासना के इस महापर्व को देखते हुए घाट पर साफ-सफाई, स्वच्छता एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।इस दौरान छठ घाट की समुचित साफ-सफाई, नल एवं पानी की व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को दुरुस्त करने पर विशेष चर्चा की गई, ताकि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। हमारा प्रयास है कि छठ पूजा के अवसर पर घाट को स्वच्छ, सुंदर एवं सुरक्षित बनाया जाए।इस निरीक्षण एवं व्यवस्था कार्य में समिति के महासचिव संदीप पासवान कोषाध्यक्ष सीधी सिंह,भीम सिंह,उप संरक्षक जयप्रकाश सिंह,मुख्य प्रवक्ता दिनेश सिंह,मीडिया प्रभारी रामजन्म सिंह,व्यवस्थापक अरुण सिंह सहित समिति के सक्रिय सदस्य एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सभी पदाधिकारी एवं सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ छठ घाट की व्यवस्था को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं।छठ महापर्व केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी आस्था, परंपरा, सामाजिक एकता और स्वच्छता का प्रतीक है। हम सभी का संकल्प है कि पुनपुन उद्गम स्थल पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को बेहतर सुविधा मिले।

छठ महापर्व पर सिंदरी में निर्धारित समय पर होगी जलापूर्ति नगर वासियों को मिलेगी राहत



सिंदरी/ धनबाद। लोक आस्था के महापर्व छठ को देखते हुए सिंदरी नगर में जलापूर्ति का विशेष समय निर्धारित किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, 14, 15 और 16 नवंबर को अलग-अलग समय पर पेयजल की आपूर्ति की जाएगी।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 14 नवंबर को सुबह नियत समय पर तथा दोपहर 3 बजे से 3:30 बजे तक पानी की सप्लाई होगी। वहीं, 15 नवंबर को सुबह नियत समय पर और दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक जलापूर्ति की जाएगी।इसी प्रकार, 16 नवंबर को सुबह 3:45 बजे से 4:15 बजे तक तथा दोपहर 3:30 बजे से 4 बजे तक पानी की सप्लाई की जाएगी।छठ महापर्व के दौरान व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसे ध्यान में रखते हुए जलापूर्ति का यह समय निर्धारित किया गया है। नगरवासियों से निर्धारित समय के अनुसार पानी का उपयोग करने की अपील की गई है। यह जानकारी भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता दीपक कुमार दीपू ने दी है।

छठ व्रतियों की सेवा में आगे आए समाजसेवी कैलाश सिंह,आम की लकड़ी का किया वितरण



छतरपुर : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर शुक्रवार को छतरपुर में छठ व्रतियों के बीच आम की लकड़ी का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में समाजसेवी अग्रवाल परिवार सहित समाजसेवी कैलाश सिंह ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उन्होंने छठ व्रतियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आम की लकड़ी उपलब्ध कराकर सहयोग किया। इस मौके पर कैलाश सिंह ने कहा कि छठी मइया का आशीर्वाद बना रहा तो आने वाले वर्षों में इससे भी बेहतर तरीके से छठ व्रतियों की सेवा और सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व आस्था, समर्पण और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर जरूरतमंद व्रतियों की मदद करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। इस पुनीत कार्य में समाजसेवी अग्रवाल परिवार के सदस्य सच्चिदानंद अग्रवाल, वार्ड पार्षद उमेश यादव, प्रवेश साव, सुधीर सिंह ने भी सहयोग किया। इस पुनीत कार्य में ग्रामवासियों ने भी बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई।

सिंदरी कोलवाशरी और आरएनआर कॉलोनी का सीवीओ ने किया निरीक्षण, जनवरी-फरवरी में शुरू होने की संभावना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



सिंदरी/धनबाद। सेल बोर्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) दिलीप कुमार ने शुक्रवार को सेल कोलियरीज डिवीजन के अंतर्गत सिंदरी में निमार्णाधीन कोलवाशरी परियोजना एवं आर. एन. आर (पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना) कॉलोनी का निरीक्षण किया। उनके साथ ईडी विजिलेंस श्री झा, ईडी कोलियरीज श्री त्रिपाठी सहित बोर्ड स्तर के अधिकारियों की टीम मौजूद थी।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने खदान, कोलवाशरी निर्माण कार्य की प्रगति, परियोजना से जुड़ी गतिविधियों और आर. एन.आर कॉलोनी(पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना कॉलोनी) की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान सेल कोलियरीज डिवीजन के सीजीएम शिवराम बनर्जी ने अधिकारियों को परियोजना की वर्तमान स्थिति एवं निर्माण कार्य की जानकारी दी।पत्रकारों से बातचीत में सीजीएम शिवराम बनर्जी ने बताया कि परियोजना के जनवरी के अंतिम सप्ताह अथवा फरवरी के प्रथम सप्ताह तक चालू होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस कोलवाशरी परियोजना की 3.5 मिलियन टन क्षमता है, जिससे करीब 1.6 मिलियन टन क्लीन कोल (स्वच्छ कोयला) प्राप्त होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त धुलाई प्रक्रिया से निकलने वाले मिडलिंग कोल(कोयले की धुलाई की प्रक्रिया के दौरान निकलने वाला एक माध्यम गुणवत्ता का उप-उत्पाद है) को बिजली उत्पादन के लिए पावर प्लांट भेजा जाएगा।उन्होंने बताया कि कोलवाशरी के चालू होने से कोयले की गुणवत्ता में सुधार के साथ उसके बेहतर उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान टासरा कोयला परियोजना से जुड़े अधिकारी भी उपस्थित थें।

छठ महापर्व को लेकर कटिया पुत्रियां नदी में चला स्वच्छता अभियान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

मुखिया किशोर कुमार महतो के नेतृत्व में ग्रामीणों ने किया श्रमदान, छठ घाटों की सफाई कर श्रद्धालुओं के लिए बनाया स्वच्छ वातावरण



पतरातूः लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर कटिया बस्ती पंचायत में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को पंचायत क्षेत्र स्थित कटिया पुत्रियां नदी एवं छठ घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने श्रमदान कर नदी और उसके आसपास के घाटों की साफ-सफाई की। घाटों पर जमा कचरा, गंदगी और प्लास्टिक को हटाकर पूजा-अर्चना के लिए स्वच्छ वातावरण तैयार किया गया। इस अवसर पर मुखिया किशोर कुमार महतो ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। इस पर्व में स्वच्छता का विशेष महत्व है। नदी और तालाब हमारी प्राकृतिक धरोहर हैं। इन्हें स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।उन्होंने पंचायत के सभी ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं से अपील की कि छठ पूजा के दौरान घाटों की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। पूजा संपन्न होने के बाद पूजन सामग्री, प्लास्टिक एवं अन्य कचरा नदी या घाटों पर नहीं फेंकें। उन्होंने कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही स्वच्छ और सुंदर छठ घाटों का निर्माण संभव हैसफाई अभियान में उपमुखिया नंद किशोर महतो, मोहित कुमार, दिलीप कुमार, रंजन कुमार, रामू महतो सहित अन्य ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

पर्यावरणविद् डॉ. कौशल किशोर जायसवाल समेत जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को दी छठ महापर्व की शुभकामनाएं

छठ व्रतियों के बीच 221 साड़ी, धोती, सूप और नारियल का वितरण

छठ घाटों पर रोशनी व जनरेटर की भी व्यवस्था

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



छतरपुर , पलामू। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पर्यावरणविद् डॉ. कौशल किशोर जायसवाल के नेतृत्व में डाली बाजार के ग्रामीणों के बीच छठ पूजन सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बीच 221 साड़ी और धोती, 221 सूप और नारियल वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को छठ महापर्व मनाने में सहयोग देना है।

कार्यक्रम में डाली बाजार पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल, छतरपुर पूर्वी के जिला परिषद सदस्य अमित कुमार जायसवाल, मोहनलाल खुर्जा-पार्वती देवी पार्क कौशल नगर डाली के अध्यक्ष तथा अरुण कुमार जायसवाल ने सक्रिय भूमिका निभाई। डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने ग्रामीणों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। ऐसे सामाजिक और सेवा कार्य आगे भी जारी रहेंगे।

वहीं, छठ व्रतियों की सुविधा को देखते हुए डॉ. जायसवाल की ओर से कौशल नगर बाजार सहित विभिन्न छठ घाटों पर टेंट, रोशनी और जनरेटर की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को अर्घ्य के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं हो। पूजन सामग्री वितरण कार्यक्रम में धर्मदेव यादव, सुमित जायसवाल. आदित्य राम, विनोद राम, श्यामदेव पासवान, राजेश्वर विश्वकर्मा, दीपक जायसवाल, रामाशीष राम, श्यामदेव सिंह, फुलवा देवी, देवंती देवी, गुर्जर पति देवी, शिवनाथ राम, बाबूराम सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

छठ घाटों की सफाई का सहायक नगर आयुक्त ने लिया जायजा, समय पर काम पूरा करने का निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

सिंदरी/धनबाद। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर सिंदरी के प्रमुख जलस्रोतों और छठ घाटों की साफ-सफाई का कार्य नगर निगम की ओर से तेजी से कराया जा रहा है। 15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य और 16 नवंबर को उदीयमान सूर्य को प्रातः अर्घ्य दिया जाएगा। पर्व को देखते हुए नगर निगम की टीम घाटों की सफाई और स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटी है।इसी क्रम में शुक्रवार को सहायक नगर आयुक्त प्रतिभा रानी ने सिंदरी पहुंचकर विभिन्न छठ घाटों पर चल रहे सफाई कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उनके साथ सिटी मैनेजर प्रकाश मिश्रा भी मौजूद थे। उन्होंने डोमगढ़ नदी घाट में पहुंचकर सफाई कार्य का निरीक्षण किया एवं नगर निगम के सुपरवाइजर सत्येंद्र मरांडी से अन्य घाटों की सफाई कार्यों के प्रगति की जानकारी ली और सभी घाटों की सफाई



निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया। सुपरवाइजर सत्येंद्र मरांडी ने बताया कि शुक्रवार तक डोमगढ़ दामोदर नदी छठ घाट तालाब, सेवन लेक छठ तालाब, शहरपुरा शिव मंदिर छठ तालाब, आईएम टाइप छठ तालाब सहित सभी जल स्रोतों की सफाई पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद शनिवार को सभी घाटों पर चूना, ब्लीचिंग पाउडर और फिटकरी का छिड़काव किया जाएगा, ताकि जलस्रोतों और घाटों को स्वच्छ बनाया जा सके तथा छठ व्रतियों को अर्घ्य देने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बालिका गृह में विधायक चन्द्रदेव महतो ने अनाथ बच्चों के बीच बांटी पाठ्य सामग्री और वस्त्र



धनबाद। सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो शुक्रवार को झारखंड राज्य बाल संरक्षण समिति एवं समाज कल्याण विभाग, झारखंड के अंतर्गत संचालित बालिका गृह (अनाथ आश्रम), धनबाद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां रह रहे बच्चों के बीच वस्त्र, कलम, कॉपी सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया। विधायक ने बच्चों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा, खुशहाली और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जरूरतमंद एवं अनाथ बच्चों को शिक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि बच्चों को उचित अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे जीवन में बेहतर मुकाम हासिल कर सकते हैं। इस अवसर पर बालिका गृह के कर्मी एवं अन्य लोग उपस्थित थें।

संसद का गणित बदलते ही देश के राजनीतिक समीकरण बदलने की तैयारी



सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

हम आपको याद दिला दें कि इसी साल जब पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने थे, तब मोदी सरकार ने महिला आरक्षण को जल्द लागू करने और परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर देश की राजनीति के केंद्र में आने वाला है। खबरें हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में है। चर्चा है कि दो से तीन दिनों का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। सरकार की कोशिश है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता साफ हो जाए। लेकिन इस बार इस पूरी कवायद के पीछे केवल महिला आरक्षण लागू कराने का मकसद नहीं है, बल्कि इसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ भी हैं।

हम आपको याद दिला दें कि इसी साल जब पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने थे, तब मोदी सरकार ने महिला आरक्षण को जल्द लागू करने और परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। सरकार चाहती थी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता खुल जाए। लेकिन विपक्ष ने परिसीमन के मुद्दे को लेकर सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया और 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका। विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े।

बीजेपी ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने पक्ष में राजनीतिक हथियार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी ने देशभर में यह संदेश देने की कोशिश की कि महिला आरक्षण के रास्ते में विपक्ष बाधा बन रहा है। बीजेपी का राजनीतिक नैरेटिव साफ था कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की बात कर रहे हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इस ऐतिहासिक पहल को रोकने में जुटे हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर असम और तमिलनाडु तक



चुनावी विमर्श में इस मुद्दे को विपक्ष के खिलाफ इस्तेमाल किया गया और नतीजे भाजपा के पक्ष में रहे। असम, पश्चिम बंगाल में भाजपा की अपने बलबूते सरकार बनी तो साथ ही पुडुचेरी में एनडीए की सरकार वापस आ गयी।

अब उसी तरह की राजनीतिक लड़ाई एक बार फिर सामने है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार नजरें 2027 के विधानसभा चुनावों पर हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश का चुनाव सबसे महत्वपूर्ण है, जहां बीजेपी के सामने सत्ता बरकरार रखने की चुनौती होगी। ऐसे में चुनाव से कुछ महीने पहले महिला आरक्षण का मुद्दा फिर से गरमाना बीजेपी के लिए एक बड़ा राजनीतिक अवसर बन सकता है। देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू संसद का गणित है। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए दोनों सदनों में अलग-अलग विशेष बहुमत की जरूरत होती है। लोकसभा में दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन हासिल करना अनिवार्य है। सरकार से जुड़े सूत्रों का दावा है कि इस बार उसके पास जरूरी संख्या से 15 से 18 वोट अधिक हैं। यानी अप्रैल में जो विधेयक गिर गया था, उसे इस बार पारित कराने का भरोसा सरकार को है।

देखा जाये तो अप्रैल में जब मोदी सरकार ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने की कोशिश की थी, तब संसद का राजनीतिक गणित आज जैसा नहीं था। उस समय तृणमूल कांग्रेस एकजुट थी और उसके सांसद विपक्ष के साथ खड़े थे। लेकिन पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी में विभाजन और उसके अधिकांश सांसदों के नया गुट बनाकर एनडीए के साथ आने से लोकसभा का गणित बदल गया है। इसी तरह आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का भी एक बड़ा धड़ा बीजेपी के साथ आ चुका है। यानी अप्रैल में जिन दलों और सांसदों को विपक्ष की ताकत माना जा रहा था, नवंबर आते-आते उनमें से कई के राजनीतिक समीकरण बदल चुके हैं। इतना ही नहीं, बीजेपी ने परिसीमन विधेयक को लेकर डीएमके की चिंताओं को दूर करने की भी कोशिश की है। बताया जा रहा है कि विधेयक में डीएमके की आपत्तियों का समाधान किया गया है। चूंकि डीएमके अब इंडिया गठबंधन से बाहर आ चुकी है, इसलिए उसके रुख में बदलाव और विधेयक को समर्थन देने की संभावनाओं को भी खारिज नहीं किया जा रहा। इसके अलावा कई अन्य दलों के सांसदों की ओर से क्रॉस वोटिंग की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। यही वजह है कि अप्रैल में जहां सरकार के सामने दो-तिहाई बहुमत जुटाने की बड़ी चुनौती थी, वहीं नवंबर में वह पहले से कहीं अधिक आश्वस्त दिखाई दे रही है। अगर इन राजनीतिक बदलावों का असर मतदान में दिखाई देता है तो विपक्ष के लिए पिछली बार की तरह विधेयक को रोक पाना आसान नहीं होगा।

साथ ही संसद के मानसून सत्र का सत्रावसान न होना भी इस पूरी रणनीति का अहम संकेत है। मोदी सरकार ने 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित तो कर दिया था, लेकिन राष्ट्रपति से उसका औपचारिक सत्रावसान नहीं कराया। इसके बाद से ही राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चलती रही है कि सरकार किसी भी समय संसद की विशेष बैठक बुला सकती है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि मौजूदा सत्र को दोबारा बुलाने के लिए नई बैठक की तुलना में कम नोटिस की जरूरत होगी। सत्रावसान नहीं होने के 90 से ज्यादा दिन हो चुके हैं। अब चर्चा यह भी है कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर ही संसद की विशेष बैठक आहूत की जा सकती है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन अगर ऐसा होता है तो सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे को संविधान दिवस के राजनीतिक और प्रतीकात्मक महत्व के साथ जोड़कर बड़ा संदेश देने की कोशिश करेगी। विपक्ष के सामने भी तब एक असहज स्थिति होगी। संविधान और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व की बात करने वाले दलों को उसी दिन महिला आरक्षण और परिसीमन पर अपना रुख स्पष्ट करना होगा, जिस दिन देश संविधान को अपनाने का उत्सव मनाता है। जाहिर है, मोदी सरकार इस बार केवल विधेयक पारित कराने की तैयारी नहीं कर रही, बल्कि संसद के भीतर बदले हुए राजनीतिक समीकरणों को चुनावी मैदान में अपने पक्ष में भुनाने की जमीन भी तैयार कर रही है। हम आपको याद दिला दें कि अप्रैल में एनडीए को लोकसभा में 298 वोट मिले थे, जबकि जरूरी संख्या से वह काफी पीछे रह गया था। अब सरकार का दावा है कि उसने दूसरे दलों और सांसदों का समर्थन जुटाने में सफलता हासिल की है। अगर यह दावा सही साबित होता है तो महिला आरक्षण के साथ परिसीमन की पूरी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का रास्ता खुल सकता है।

आज का राशिफाल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्म से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुंभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

पुराना टकराव फिर उभारने वाले अतीत के पन्ने

गांधी-नेहरू परिवार से जुड़े विभिन्न पहलुओं को लेकर भारत में हमेशा से उत्सुकता का एक भाव रहा है। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बीलोंगिंगः ए जर्नी आफ लव' ने इस उत्सुकता के भाव को बढ़ा दिया है। उन्होंने जो कुछ लिखा है, उसके विभिन्न पहलुओं पर खूब चर्चा हो रही है और आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी चल निकला है, लेकिन इनमें एक प्रमुख चर्चा परिवार की दो बहुओं सोनिया गांधी और मेनका गांधी के बीच समीकरणों को लेकर है। सोनिया गांधी की पुस्तक ने दोनों के बीच रिश्तों को लेकर नए सिरे से बहस शुरू कर दी है। सोनिया ने अपने संस्मरण में मेनका के साथ शुरूआती दिनों के अपने जुड़ाव से लेकर उनके घर छोड़ने तक के घटनाक्रम को याद किया है। जहां एक ओर उन्होंने मेनका की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और खराब बर्ताव की खुलकर आलोचना की है, वहीं महज 23 साल की उम्र में पति संजय गांधी को खोने के बाद उनके हिस्से आई गहरी वेदना को भी भीतर तक महसूस किया है। सोनिया के अनुसार शुरूआत में मेनका के साथ सब कुछ अच्छा चलता रहा। मेनका कभी-कभार नखरें दिखातीं भी तो इंदिरा और सोनिया उन्हें उम्र में छोटा समझकर नजरअंदाज कर देते, लेकिन कुछ समय बाद घर में छोटी-छोटी बातों को लेकर भी तनाव बढ़ने लगा। जल्द ही ये घरेलू तनाव राजनीतिक दूरियों में तब्दील हो गए और आखिरकार परिवार में बड़ी दरार पड़ गई। सोनिया के संस्मरण से एक और बड़ी बात यह भी उजागर हुई कि कैसे मेनका की वजह से दोनों भाइयों राजीव और संजय के आपसी रिश्ते भी तनावपूर्ण होते चले गए। सोनिया के अनुसार संजय की राजनीतिक गतिविधियों में मेनका की लगातार बढ़ती दखलंदाजी का परोक्ष असर राजीव और संजय के भाईचारे पर भी गहराने लगा था। संजय और मेनका की शादी के चंद महीनों बाद ही पारिवारिक सदस्यों के आपसी रिश्ते कितने तल्ख हो गए थे, इसका जिक्र सोनिया की इस किताब से पहले भी कई लब्धप्रतिष्ठ विश्लेषकों एवं लेखकों ने भी समय-समय पर अपने संस्मरणों में किया है।

सोनिया गांधी पर पेंगुइन से प्रकाशित मेरी किताब सोनियाः ए बायोग्राफी में पत्रकार एवं लेखक खुशवंत सिंह द्वारा उद्धृत एक वाकया गौरतलब है। बकौल खुशवंत सिंह, एक बार राजीव और सोनिया अपने एक बच्चे की जन्मतिथि मना रहे थे। उस मौके पर मैं भी मौजूद था। मैंने देखा कि दोनों भाई अपनी-अपनी पत्नियों के साथ घर के अलग-अलग छोर पर थे, मानो उनका एक-दूसरे से कोई लेना-देना ही न हो। बीके नेहरू ने भी अपने संस्मरण नाइस गाइज फिनिश सेकंड में इंदिरा गांधी के 12, विलिंग्डन क्रिसेंट वाले घर (जहां 1977 में सत्ता से बेदखल होने के बाद इंदिरा गांधी पूरे परिवार के साथ करीब ढाई साल रही थीं) में बिगड़ते रिश्तों का वर्णन इस तरह से किया, घर के कामकाज को लेकर अक्सर समस्याएं रहती थीं। भोजन पकाने का दायित्व सोनिया का था और मेनका सिर्फ खाने का काम करती थीं।इंदिरा के दोनों बेटों और उनकी पत्नियों के बीच संबंध अच्छे नहीं रह गए थे।'



सोनिया गांधी से लेकर खुशवंत सिंह और बीके नेहरू तक के संस्मरण इस ओर संकेत करते हैं कि मेनका के प्रवेश के बाद से ही परिवार का माहौल किस तरह कटुतापूर्ण हो गया था। इसमें स्वयं मेनका की अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा का तो हाथ था ही, उनकी मां अमृतेश्वर आनंद की भूमिका भी कुछ कम नहीं रही। इसका इशारा सोनिया ने भी अपनी किताब में किया है। उनके मुताबिक, संजय के निधन के बाद मेनका की मां चाहती थीं कि उनकी बेटी सीधे राजनीति में आ जाएं, जबकि इंदिराजी का कहना था कि इसके लिए उनके पास बहुत वक्त है। अभी उन्हें अपने कुछ महीने के बेटे वरुण पर ध्यान देना चाहिए, मगर शायद मेनका की मां को आशंका थी कि संजय के निधन के बाद पार्टी में मेनका को किनारे कर दिया जाएगा और संजय के रहते उन्हें जो राजनीतिक प्रभाव हासिल था, वह खत्म हो जाएगा। उनकी आशंकाओं को यह बल उन चचाओं से भी मिलने लगा था कि संजय के निधन के बाद उनकी राजनीतिक विरासत अब राजीव संभालेंगे। मेनका गांधी के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं था, क्योंकि इंदिरा गांधी ने उन्हें अपना निजी सचिव बनाने का वादा किया था।

इसके बाद से ही राजनीति में अपनी जगह बनाने के लिए मेनका ने स्वतंत्र रूप से कदम उठाने शुरू कर दिए। राजनीति में नई होने के बावजूद उन्होंने अपने पत्ते अच्छे से फेंटे और इंदिरा के घर से बाहर निकलने का वक्त भी खुद तय किया। इसके बाद इंदिरा की दोनों बहुओं की राह हमेशा के लिए अलग हो गईं। आगे चलकर जहां सोनिया ने कांग्रेस की कमान संभाली, वहीं मेनका को अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता कांग्रेस के धुर विरोधी दलों के साथ जुड़ने में दिखाई दिया। गांधी परिवार से जुड़ी अन्य कुछ किताबें भी इन दोनों के रिश्तों पर रोशनी डालती हैं। जैसे कैथरीन फ्रैंक की पुस्तक ह्यइंदिराः द लाइफ आफ इंदिरा नेहरू गांधीह्न ने दोनों बहुओं के बीच कलह की आग में एक तरह से घी डालने का काम किया। मेनका ने किताब में संजय से जुड़ी घिसी-पिटी कहानियों को शामिल करवाने के पीछे सोनिया का हाथ होने का आरोप लगाया था। इन आरोपों पर सोनिया ने स्वयं तो कुछ नहीं कहा, लेकिन उनकी ओर से मेनका पर प्रहार करने की जिम्मेदारी नटवर सिंह ने संभाली। समय-समय पर ऐसे रहस्योद्घाटनों के बावजूद पिछले कई वर्षों से इंदिरा गांधी की दोनों बहुओं के बीच एक तरह से ह्ययुद्ध विरामह्न की स्थिति बनी हुई थी।

बेबसी के मारे

गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की जिंदगी अब भी किसी जुए से कम नहीं। दो वक्त की रोटी के लिए उन्हें न जाने कहां-कहां भटकना पड़ता है, फिर भी निश्चिंतता कहीं नहीं कि बदहाली से उन्हें मुक्ति मिलेगी ही। ओड़ीशा के कालाहांड़ी के तीन मजदूरों की कहानी इसकी ताजा कड़ी है। वे इस आस में बंगलुरु गए थे कि वहां मेहनत करके कुछ पैसे कमाएंगे और अपने परिवार का पेट भर पाएंगे। मगर उन्हें लौटना पड़ा खाली हाथ। जिस व्यक्ति ने उन्हें काम पर लगाया था, मजदूरी मांगने पर वह उन्हें मारता-पीटता था। दो महीने काम करने के बाद भी मजदूरी नहीं मिली और जिल्लत मिलती रही, तो उन्होंने घर वापसी का फैसला किया। हाथ में पैसे नहीं थे, खाने को कुछ था नहीं। वे बंगलुरु से खाली हाथ चल पड़े अपने गांव और सात दिन लगातार चलते हुए भूखे-प्यासे अपने घर पहुंचे। इन मजदूरों की कहानी इसलिए लोगों के सामने आ सकी कि वे पैदल चलते हुए घर पहुंचे। वरना इन जैसे न जाने कितने मजदूर ऐसे हैं, तो हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद भी मजदूरी को हाथ पसारते-पसारते थक जाते हैं और जिल्लत उठाने को मजबूर होते हैं। इनकी सुनवाई कहीं नहीं होती।

संगठित और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की कमी और पढ़े-लिखे बेरोजगारों का आंकड़ा तो समय-समय पर सामने आता रहता है, मगर हमारे देश में लाखों ऐसे मजदूरों का कोई ठीक-ठीक हिसाब-किताब नहीं, जो असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करते हैं। वे किसी ईंट भट्ठे पर, किसी बनती हुई इमारत में, कहीं सड़क पर मिट्टी ढोने वगैरह के काम तलाशते फिरते हैं। गांवों से बहुत सारे लोग इस उम्मीद में शहरों का रुख करते हैं कि वहां उन्हें गुजारे लायक काम मिल जाएगा। मगर वहां भी उन्हें कम दुश्वारियां नहीं झेलनी पड़तीं। शहरों के हर लेबर चौराहे पर सुबह-सुबह मजदूरों का हुजूम खड़ा होता है, मगर उनमें से कुछ को ही काम मिल पाता है। जो ठेकेदार उन्हें काम पर लगाते हैं, उनकी दबंगई ऐसी कि पैसा समय पर कभी नहीं देते, बल्कि मजदूरों का पैसा मारने की फिराक में अधिक रहते हैं।

ऐसे ही ठेकेदार के शोषण का शिकार हुए कालाहांडी के ये तीनों मजदूर। ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई का कोई व्यवस्थित तंत्र कहीं नहीं है, जहां मजदूर सीधे गुहार लगा सकें। वैसे भी गरीब अनपढ़ मजदूर पुलिस के सामने पड़ने से बचते हैं, वे शिकायत करने भला कहां जाते। मगर इससे भी दारुण कथा यह है कि इन मजदूरों को सरकारें कम नहीं छलतीं। कालाहांडी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मगर ओड़ीशा सरकार वहां के लोगों के लिए क्या करती है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां से लोगों को सैकड़ों मील दूर रोजगार की तलाश में भटकना पड़ता है। किसी परिवार को अपना नवजात शिशु बेच कर पेट भरने का इंतजाम करना पड़ता है। गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। मगर इसके लिए शुरू की गई मनरेगा योजना में पैसे की कमी और अनियमितता के बीच मजदूर पचास दिन का काम और पैसा भी पा जाएं तो वे खुद को खुशकिस्मत समझते हैं। अगर इन श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर ही गुजारे लायक काम मिल जाता, तो उन्हें इस कदर दर-दर तो न भटकना पड़ता। ओड़ीशा सरकार के पास शायद ही इस सवाल का जवाब हो कि क्यों वहां के लोगों को ऐसी जिल्लत उठानी पड़ती है।

लोक के प्रति कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को ह्यस्टील फ्रेमह्न बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल ह्यशासकह्न बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रूख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे। दिलचस्प यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव से जवाब-तलब किया तो उन्होंने माफी मांग कर काम चला लिया। उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में शीर्ष अधिकारियों को सबक सिखाने से पीछे नहीं रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह माफी से ही संतुष्ट हो गया।

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। अंग्रेज सरकार भारतीयों को गुलाम मानती थी, लिहाजा उसके अफसर भी भारतीयों से उसी अंदाज में पेश आते थे। आजादी के बाद नौकरशाही के इस चरित्र को बदलने की कोशिश के तहत तटस्थ ब्यूरोक्रेसी के रूप में आईएएस कैडर बनाया गया। गांधी मानते थे कि आधुनिक राज व्यवस्था और नौकरशाही में हिंसा का वर्चस्व है। गांधी जी 'ट्रस्टीशिप' के सिद्धांत के अनुसार प्रशासनिक या आर्थिक रूप से ताकतवर लोगों से उम्मीद करते थे कि वे संसाधनों के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक की तरह व्यवहार करें। इसी अंदाज में नौकरशाही को सेवक बनाने की कोशिश हुई। लेकिन क्या नौकराशाह सेवक बन पाए? वे सिर्फ उन राजनीतिक आकाओं के ही सेवक बन पाए हैं, जो ताकतवर हैं और जिनसे उन्हें भविष्य में मलाईदार पदों और ताकत की उम्मीद है। यही वजह है कि आजादी के 79 साल बाद भी नौकरशाही का ज्यादातर हिस्सा सामंती मानसिकता से ही प्रभावित नजर आता है। जनता को वह अपनी रियाया मानता है। लोक से सामंतों जैसा व्यवहार करने में ही उसे हेठी नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला का कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाना इसी सोच का प्रतीक है। यह उस आशंका का भी जीवंत उदाहरण है, जो एचवी कामथ को परेशान कर रही थी। दिलचस्प यह है कि दुष्यंत नरियाला को 16 मार्च को ही चुनाव आयोग ने नंदिनी चक्रवर्ती की जगह नया मुख्य सचिव बनाया था, ताकि वे निष्पक्ष चुनाव करा सकें। नरियाला के व्यवहार से साफ है कि न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में उनका रवैया तटस्थ नौकरशाह की बजाय राज्य की मौजूदा सत्ता के इशारे पर ही काम करने वाले जैसा रहा।



उपराष्ट्रपति का सर्टिफिकेट निकला फर्जी? लताड़ के बाद दिया इस्तीफा



जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया है। उपराष्ट्रपति गिब्रान राकाबुमिंग राका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी इस इस्तीफे की वजह कोई बड़ा घोटाला या चुनावी हार नहीं, बल्कि उनकी शैक्षणिक योग्यता से जुड़ा एक प्रमाणपत्र है, जिस पर देश की अदालतों ने सवाल उठाए हैं। इस घटनाक्रम ने इंडोनेशिया की राजनीति में एक नया और गहरा विवाद खड़ा कर दिया है। 39 वर्षीय गिब्रान पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो के बेटे हैं। उन्होंने 2024 के चुनाव में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ उपराष्ट्रपति पद पर जीत हासिल की थी, लेकिन उनकी नियुक्ति और चुनाव लड़ने की पात्रता शुरुआत से ही विवादों में रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट और संवैधानिक अदालत के फैसलों ने इस विवाद को और गहरा कर दिया है। यह घटना दर्शाती है कि कैसे कभी-कभी एक छोटा सा दस्तावेज भी बड़े राजनीतिक करियर पर भारी पड़ सकता है।

दरअसल, इंडोनेशियाई चुनावी नियमों के अनुसार, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए कम से कम सीनियर हाईस्कूल या उसके समकक्ष की शिक्षा अनिवार्य है। गिब्रान ने अपनी विदेश में की गई पढ़ाई के आधार पर एक समकक्षता प्रमाणपत्र पेश किया था, जिसे चुनावी प्रक्रिया के दौरान उनकी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण के रूप में स्वीकार कर लिया गया था। हालांकि, अब देश की सुप्रीम कोर्ट और संवैधानिक अदालत ने इस प्रमाणपत्र की वैधता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अदालतों ने पाया कि ऐसा कोई पर्याप्त सबूत नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि गिब्रान ने निर्धारित शैक्षणिक स्तर की पढ़ाई पूरी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने तो शिक्षा मंत्रालय को उनका यह समकक्षता प्रमाणपत्र तत्काल वापस लेने का भी निर्देश दे दिया, जिसके बाद गिब्रान के उपराष्ट्रपति बने रहने पर कानूनी सवाल खड़े हो गए थे।

इसी गंभीर विवाद के बीच गिब्रान ने बुधवार को राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उनके एक करीबी सहयोगी ने इस बात की पुष्टि की। बताया गया है कि इस इस्तीफे की औपचारिक प्रक्रिया को पूरा करने के लिए संसद के उच्च सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में भी पत्र जमा किया जाना था। नियमों के मुताबिक, संसद को पहले पद खाली घोषित करना होगा, जिसके बाद राष्ट्रपति से उत्तराधिकारी के लिए दो नामों का प्रस्ताव मांगा जाएगा और फिर 60 दिनों के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव कराना होगा। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए करीब 120 सांसदों ने गिब्रान को पद से हटाने की मांग करते हुए महाभियोग की याचिका भी सौंप दी थी। उनका तर्क था कि शैक्षणिक योग्यता की शर्त पूरी नहीं होने के कारण गिब्रान अब इस संवैधानिक पद के योग्य नहीं हैं।

इजरायल में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप, मची अफरा-तफरी जान बचाकर भागे लोग

- रतन एयरपोर्ट के टूटे खिड़की के कांच, यात्रियों को कर्मचारियों को निकाला बाहर

तेलअवीव,एजेंसी। इजराइल के दक्षिणी तटीय शहर ईलात और लाल सागर के इलाकों में बुधवार को 4.5 तीव्रता के भूकंप के तेज झटके लगे। झटके लगते ही लोगों और पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा के लिहाज से रमन एयरपोर्ट को तुरंत खाली करा लिया गया और कुछ समय के लिए उड़ानें रोक दी गईं। इसमें किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। इजराइल के जियोलॉजिकल सर्वे के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र दक्षिणी सिनाई में ताबा के पास था, जो इजराइल सीमा से करीब 224 किलोमीटर की दूरी पर है। इसकी गहराई जमीन से 8 किलोमीटर नीचे बताई गई थी। केंद्र सीमा के पास होने के कारण इसके झटके काफी दूर तक महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते ही दक्षिणी इजराइल के कई इलाकों में तुरंत अलर्ट सिस्टम सक्रिय हो गया और खतरे के सायरन बजने लगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस भूकंप का सबसे ज्यादा असर ईलात के पास स्थित रमन एयरपोर्ट पर हुआ। जैसे ही भूकंप का अलर्ट मिला, एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हुए यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला और टर्मिनल को खाली करवा लिया। एयरपोर्ट के अंदर कुछ जगहों पर कांच टूटने की खबरें भी सामने आईं, लेकिन सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया। इजराइली रक्षा बलों ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। इस भूकंप ने इजराइल के इतिहास में आए 1927 के भयानक भूकंप की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें करीब 300 लोग मारे गए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सीरियाई-अफ्रीकी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में हर सौ साल के बाद एक शक्तिशाली और विनाशकारी भूकंप आने का खतरा हमेशा बना रहता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने ट्रंप ने भेजे अपने दो दूत, पुतिन से करेंगे सीधे बात

- इस प्रयास की नींव आबू धाबी में रखी गई, जहां रूस, यूक्रेन-अमेरिकी में हुई थी गुप्त बैठकें

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है। उन्होंने अपने दो प्रमुख दूतों, दामाद जेरेड कुशनर और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को मॉस्को भेजा है, जहां वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ आमने-सामने बातचीत करेंगे। जानकारों के मुताबिक अगले 48 घंटों में होने वाली इन बैठकों से यूरोप में जारी इस युद्ध को रोकने के लिए कोई बड़ी खबर सामने आ सकती है। यह अहम राजनयिक प्रयास रातों-रात शुरू नहीं हुआ। इसकी नींव कुछ दिन पहले आबू धाबी में रखी गई थी, जहां रूस, यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारियों के बीच दो दिनों तक गुप्त बैठकें हुई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक यह फरवरी के बाद पहला मौका था जब तीनों देशों के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर युद्ध खत्म करने के विकल्पों पर मंथन कर रहे थे। जानकारों ने बताया कि कुशनर और विटकॉफ ने इन बैठकों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। आबू धाबी से सकारात्मक संकेत मिलने के बाद अब ये दूत सीधे मॉस्को पहुंच रहे हैं ताकि पुतिन के साथ शांति समझौते के जटिल पेंचों को सुलझाया जा सके। ट्रंप के इन दूतों का क्रेमलिन में सीधा प्रवेश इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि अमेरिका इस युद्ध को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को यात्रा से पहले, जेरेड कुशनर ने अपने बयानों में उम्मीद जताई कि उन्हें रूस और यूक्रेन के बीच के अनसुलझे मुद्दों पर कुछ सकारात्मक खुले अवसर और उम्मीद की किरणें नजर आ रही हैं। उनके इस बयान से संकेत मिलता है कि अब तक जिन मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ था, उन्हें तोड़ने का कोई रास्ता निकलता दिख रहा है। इस मिशन का एक रणनीतिक पहलू यह भी है कि मॉस्को में पुतिन से बातचीत करने के बाद, ये दोनों अमेरिकी दूत तुरंत आयरलैंड की राजधानी डबलिन जाएंगे। डबलिन में वे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की टीम को मॉस्को की बैठक की पूरी जानकारी देंगे और रणनीति पर चर्चा करेंगे।

अमेरिका में रूसी राजदूत अलेक्जेंडर की अचानक मौत, डेढ़ साल तक ही इस पद पर रहे

- रूसी विदेश मंत्रालय ने डारचीव को राजनयिक, अनुभवी नेता और दयालु सहकर्मी बताया

मास्को,एजेंसी। अमेरिका में रूस के राजदूत अलेक्जेंडर डारचीव (66) की अचानक मौत हो गई। मॉस्को में विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डारचीव इस पद पर केवल डेढ़ साल तक ही रहे। रूसी विदेश मंत्रालय ने डारचीव को एक बेहतरीन राजनयिक, अनुभवी नेता और दयालु सहकर्मी बताया है। उन्हें मार्च 2025 में इस पद पर नियुक्त किया गया था। हालांकि मॉस्को ने उनकी मौत के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। इससे पहले डारचीव 2014 से 2021 तक कनाडा में रूस के राजदूत रह चुके थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अलेक्जेंडर डारचीव को पिछले साल अमेरिका में इस पद पर नियुक्त किया गया था। यह समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने के कुछ ही समय बाद का था, और यह उस दौर में हुआ जब यूक्रेन में रूस का सैन्य अभियान चल रहा था, जिसने रूस को पश्चिमी देशों के आमने-सामने लाकर खड़ा कर दिया। डारचीव रूस-अमेरिका संबंधों के विशेषज्ञ थे और 2021-2024 के बीच विदेश मंत्रालय के उत्तरी अमेरिकी विभाग के निदेशक रहे। 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो डारचीव ने इस कदम को एक आवश्यक उपाय बताया था। रिपोर्ट के मुताबिक डारचीव की मौत व्हाइट हाउस की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के एक हफ्ते से भी कम समय बाद हुई है। इस कॉन्फ्रेंस में रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी इलाके में एक अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की गई थी।

पाकिस्तान पर हुए दो बड़े हमले, 10 पुलिसकर्मियों की मौत, कई गाड़ियां जलाई

- बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने मुख्य पुल को बम से उड़ाया

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान पर एक ही दिन में हुए दो बड़े हमलों ने सुरक्षा व्यवस्था और अशांति की पोल खोल दी है। खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट जिले में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने पुलिस के काफिले पर हमला कर दिया। इस हमले में डीएसपी हैदर जमान और सब-इंस्पेक्टर मुख्तियार समेत 10 पुलिसकर्मी मारे गए और उनकी गाड़ियां जला दी गईं। वहीं, बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा-करांची नेशनल हाईवे पर बने एक मुख्य पुल को बम से उड़ा दिया, जिससे देश की प्रमुख व्यापारिक और रणनीतिक नसें कट गईं। रिपोर्ट के मुताबिक कोहाट में यह हमला गुंबत इलाके के पास हुआ, जब पुलिस अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने जा रही थी। टीटीपी के आतंकवादियों ने पहाड़ों की ऊंची चोटियों पर मोर्चा संभाल कर पुलिस काफिले पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। ऊंचाई का फायदा उठाकर आतंकियों ने पुलिसकर्मियों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। हमले में पुलिस की पांच मोबाइल गाड़ियां आग के हवाले कर दी गईं और 10 पुलिसकर्मी मौत के शिकार हो गए। इस घटना के बाद पूरे गुंबत इलाके में हाई सिक्योरिटी अलर्ट घोषित कर दिया गया है। बता दें इससे पहले बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले के खाडकोचा इलाके में बलूच अलगाववादी विद्रोहियों ने क्वेटा और करांची को जोड़ने वाले मुख्य नेशनल हाईवे पर एक अहम पुल को बम से उड़ा दिया। यह पुल पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और सैन्य लॉजिस्टिक्स के लिए अत्यधिक अहम था। पुल के ध्वस्त होते ही दोनों बड़े शहरों के बीच का सड़क संपर्क ठप हो गया, जिससे सड़कों पर वाहनों की मीलों लंबी कतारें लग गईं। यह हमला बलूच विद्रोहियों द्वारा पाकिस्तानी सेना को सीधी चुनौती देने का प्रतीक है। इस पुल के टूटने के गहरे राजनीतिक और रणनीतिक मायने हैं। क्वेटा बलूचिस्तान की राजधानी है और करांची पाकिस्तान का सबसे बड़ा वाणिज्यिक केंद्र और बंदरगाह है।

चुनावी चंदा जुटाने में भारतीय और अमेरिकी नेताओं में रो खन्ना सबसे आगे रहे

कई मौजूदा भारतीय-अमेरिकी सांसदों की स्थिति अलग रही, कुछ पर था कर्ज का बोझ



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद में भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच चुनावी चंदा जुटाने के मामले में कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने सबसे आगे निकलकर एक नया मानदंड स्थापित किया है। एफईसी के रिकॉर्ड की समीक्षा से पता चला है कि उनके चुनावी अभियान के पास वर्तमान में 1.66 करोड़ डॉलर की नकद राशि है और उन पर कोई कर्ज नहीं है। यह राशि न केवल प्रभावशाली है, बल्कि आठ भारतीय-अमेरिकी प्रतिनिधि सभा सदस्यों और नवनिर्वाचित सदस्यों में सबसे अधिक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रो खन्ना की यह वित्तीय स्थिति इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि उनके पास मौजूद नकद राशि अन्य सात भारतीय-अमेरिकी सांसदों और नवनिर्वाचित सदस्यों की संयुक्त राशि करीब 1.11 करोड़ डॉलर से भी ज्यादा है। उनके अभियान सूत्रों के मुताबिक 14 अक्टूबर तक 2026 के चुनावी चक्र के दौरान उन्हें 1.53 करोड़ डॉलर मिले और 95 लाख डॉलर खर्च किए गए। यह दर्शाता है कि उनके अभियान की कुल नकद शेष राशि उनकी कुल प्राप्तियों से भी ज्यादा थी, जो कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रतीक है।

वहीं अन्य मौजूदा भारतीय-अमेरिकी सांसदों की स्थिति भी विभिन्न रही। वाशिंगटन से प्रतिनिधि प्रमिला जयपाल ने 17.5 लाख डॉलर नकद राशि होने की जानकारी दी और उन पर कोई कर्ज नहीं था। कैलिफोर्निया के एमी बेरा के पास 16.5 लाख डॉलर की नकद राशि थी, लेकिन उन पर 80,000 डॉलर का कर्ज था। वहीं, वर्जीनिया के सुहास सुब्रमण्यम ने करीब 7.46 लाख डॉलर नकद राशि होने की सूचना दी और उन पर भी कर्ज नहीं था। इन सांसदों के अभियानों को चुनावी चक्र के दौरान अच्छी खासी राशि मिली और खर्च भी किया।

नवनिर्वाचित भारतीय-अमेरिकी सदस्यों के पास चुनाव जीतने से पहले अपेक्षाकृत कम नकद भंडार था, जो उनकी शुरूआती अवस्था को दर्शाता है। एरिजोना के प्रथम कांग्रेसनल जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली को हराने वाले अमीश शाह ने 14 अक्टूबर तक 57 लाख डॉलर की प्राप्ति और 55 लाख डॉलर के खर्च की सूचना दी। उनके पास करीब 2.06 लाख डॉलर शेष थे और करीब 37,000 डॉलर का कर्ज था। फ्लोरिडा के 22वें जिले में रिपब्लिकन उम्मीदवार केसी असकर को पराजित करने वाली पिया दांडिया के अभियान के पास करीब 7.35 लाख डॉलर नकद राशि थी और 2.47 लाख डॉलर का कर्ज था। उनके प्रतिद्वंद्वी असकर ने स्वयं के ऋण समेत 74 लाख डॉलर प्राप्त किए, लेकिन उनके अभियान पर 62.9 लाख डॉलर का बड़ा कर्ज बना रहा।

कुछ अन्य भारतीय-अमेरिकी सांसदों के चुनावी वित्त की स्थिति जटिल रही। थानेदार के पास 30 सितंबर तक 59 लाख डॉलर की नकद राशि थी, जो दूसरी सबसे बड़ी राशि थी, लेकिन उनके अभियान पर 1.444 करोड़ डॉलर का भारी कर्ज भी था, जो उनकी नकद राशि से काफी ज्यादा है। राजा कृष्णमूर्ति के हाउस अभियान खाते में 30 सितंबर तक करीब 47,000 डॉलर और सीनेट अभियान खाते में करीब 33,000 डॉलर मौजूद थे। उनके सीनेट अभियान ने 3.16 करोड़ डॉलर हासिल किए, जिसमें अन्य अधिकृत समितियों से प्राप्त 1.94 करोड़ डॉलर के ट्रांसफर भी शामिल थे। चुनावी फंड जुटाने की तुलना करते समय ऐसे ट्रांसफर को ध्यान में रखना अहम होता है ताकि एक ही धनराशि की दोहरी गणना से बचा जा सके। कुल मिलाकर भारतीय-अमेरिकी राजनेताओं के बीच चुनावी चंदा जुटाने का परिदृश्य रो खन्ना की प्रभावशाली बढ़त और अन्य के लिए अलग-अलग वित्तीय चुनौतियों को दर्शाता है।

मेलोनी की कार में बम और स्कूलों को मिली धमकी से मचा हड़कंप



रोम, एजेंसी। इटली में 11 नवंबर का दिन उस समय दहशत भरा साबित हुआ, जब देशभर के कम से कम 300 स्कूलों को अचानक अजीबो-गरीब ईमेल्स मिलने लगे। इन ईमेल्स में स्कूलों में भीषण बम धमाके करने और इटली के लोगों के खिलाफ हिंसा फैलाने जैसी खौफनाक धमकियां दी गई थीं। इन धमकियों ने न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए, बल्कि सीधे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भी निशाना बनाने का दावा किया गया। ईमेल मिलते ही देश के 300 से ज्यादा स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और पुलिस, बम निरोधक दस्ते तथा खुफिया एजेंसियां सभी कैंपसों की तलाशी में जुट गईं। धमकी में कहा गया था कि पीएम मेलोनी की कार में बम है।

इन धमकी भरे ईमेल्स में इटली के लोगों के 'नरसंहार' और हिंसा फैलाने की बात कही गई थी। मैसेज में दावा किया गया था कि स्कूल की इमारतों के अंदर एक 'पावरफुल विस्फोटक डिवाइस' रखी गई है, जिसे दूर बैठे ही रिमोट कंट्रोल से उड़ाया जा सकता है। इन धमकियों का दायरा केवल स्कूलों और बच्चों तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का नाम सीधे तौर पर शामिल करते हुए लिखा गया था कि 'एक बम पीएम मेलोनी की कार के इंजन में भी फिट कर दिया गया है'। एक साथ देशभर के सैकड़ों स्कूलों और देश की प्रधानमंत्री को ऐसी सीधी धमकी मिलने से पूरी इतालवी सरकार में हड़कंप मच गया। स्कूलों और प्रशासन को भेजे गए इन सभी ईमेल्स के नीचे एक ही नाम लिखा हुआ था, 'मिखाइल एंड्रोपॉव, विलायत ऑफ मिसोगिनिस्तान का नेता'। हालांकि, इतालवी अधिकारियों के अनुसार, इस नाम या संस्था का कोई स्वतंत्र सत्यापन अभी तक नहीं हो सका है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह कोई इकलौता मामला नहीं है। पिछले हफ्ते ही यूरोप के अन्य देशों, जैसे आयरलैंड और बुल्गारिया के मीडिया संस्थानों को भी इसी नाम से ऐसे ही धमकी भरे ईमेल्स मिले थे। एक ही नाम और एक ही भाषा के बार-बार इस्तेमाल से यह अंदेशा जताया जा रहा है कि यह यूरोप भर में डर फैलाने का एक बड़ा और सुनियोजित नेटवर्क हो सकता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इटली सरकार के मंत्री तुरंत हरकत में आ गए। इटली के शिक्षा मंत्री जुसेपे वालदितारा ने बताया कि देशभर में लगभग 300 धमकियां दर्ज की गई हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'यह साफ नजर आ रहा है कि इसके पीछे एक सोची-समझी रणनीति काम कर रही है'।

वॉर मेमोरियल में फोटो खिंचवा रहे थे अमेरिका के रक्षामंत्री पीट हेगसेथ

हंसते ही सियोरिटी गार्ड ने लगा दी फटकार...पत्नी भी थी साथ, वीडियो वायरल

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ चर्चा में बने हुए हैं। महाभियोग से बचने के बाद अब वो एक नए विवाद में फंस गए हैं। दरअसल हेगसेथ अपने स्टाफ के साथ वेटरन्स डे समारोह पर वर्जीनिया स्थित आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री पहुंचे थे। यहां उन्हें एक सिक्योरिटी गार्ड ने फटकार लगा दी। आर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री का एक वीडियो सामने आया है जिसमें पीट हेगसेथ टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर के सामने सीढ़ियों पर तस्वीरें खिंचवाते दिख रहे हैं। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार तमी राडाबाग भी नजर आए।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तस्वीर खिंचवाने के बाद जैसे ही ये ग्रुप आगे बढ़ा, वहां किसी की जोर से हंसने की आवाज सुनाई दी। इसी दौरान मकबरे पर सुरक्षा में तैनात एक सैनिक ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के सलाहकारों और स्टाफ के ग्रुप को फटकार लगा दी। सैनिक ने सख्त लहजे में कहा कि सभी टूरिस्ट हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखेंगे। इस मामले पर पेंटागन के शीर्ष प्रवक्ता सीन पार्नेल की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर दिन को मनाते समय, एक सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को मर्यादा बनाए रखने की याद दिलाई। रक्षा मंत्री और पूरे विभाग ने अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए हमारे सैन्य पुरुषों और महिलाओं के दिए गए बलिदानों का हमेशा सम्मान किया है और हमेशा करते रहेंगे।

बता दें यह मकबरा अमेरिका के सबसे पवित्र युद्ध स्मारकों में से एक है, जहां प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध के अज्ञात सैनिकों के अवशेष हैं। साल 1948 से सेना की तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान हर मौसम में चौबीसों घंटे इसकी पहरेदारी करते हैं। वेटरन्स डे के कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी शामिल हुए थे।

एक दिन पहले ही हेगसेथ अमरीकी कांग्रेस में अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव से बाल-बाल बचे थे। रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी के लाए गए और डेमोक्रेट्स द्वारा समर्थित इस प्रस्ताव को मंगलवार को रोक दिया गया था। हालांकि, जनवरी 2027 में संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण होने के बाद उन पर फिर से महाभियोग का खतरा मंडरा सकता है।

अवैध संबंध से बच्चे को जन्म देने पर महिला को मिली 100 कोड़ों की सजा

दुबई , एजेंसी। रोजी-रोटी की तलाश में अपना देश छोड़कर हजारों किलोमीटर दूर सऊदी अरब पहुंची केन्याई महिला एस्थर वांजा मुथोनी को वहां एक मिस्री शख्स के साथ शादी के बाहर संबंध बनाने और एक बच्चे को जन्म देने के मामले में 100 कोड़ों की सजा सुनाई गई है। सऊदी अरब में घरेलू कामगार के तौर पर काम कर रही मुथोनी की जिंदगी तब एक अनचाहे तूफान से घिर गई, जब बच्चे के जन्म के बाद यह मामला अथॉरिटीज तक पहुंच गया। वह हाउसकीपर और नैनी का काम करती थी और किसी तरह अपनी जिंदगी चला रही थी। एस्थर वांजा मुथोनी का इसी दौरान एक मिस्री शख्स से रिश्ता बना और वह गर्भवती हो गईं। उन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया। समस्या तब शुरू हुई जब मुथोनी ने अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। सऊदी अरब के कानून के तहत, अस्पतालों को शादी के बाहर बच्चे को जन्म देने वाली महिलाओं की जानकारी अधिकारियों को देना अनिवार्य होता है।

डेमोक्रेटिक के दिग्गज सांसदों ने ईरान युद्ध को खत्म करने का बनाया दबाव

वाशिंगटन, एजेंसी। कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े सैन्य दिग्गज सांसदों और हाल ही में निर्वाचित उनके सहयोगियों ने ईरान युद्ध को खत्म करने की मांग की है। वहीं उनकी पार्टी ने वेटरन्स डे के अवसर पर सैन्य कर्मियों के लिए ज्यादा मजबूत सुरक्षा उपायों और पूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य सेवा लाभों तक व्यापक पहुंच की वकालत की है। पेंसिल्वेनिया से डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि और इराक युद्ध के पूर्व सैनिक क्रिस डेलूजियो ने युद्ध खत्म करने और पूर्व सैनिकों के साथ खड़े होने की अपील के तहत संयुक्त बयान की घोषणा की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष केन मार्टिन और पार्टी की वेटरन्स एंड मिलिट्री फैमिलीज काउंसिल के सह-अध्यक्ष ऑटो ली और मार्ज हॉफा ने कहा कि सैन्य सेवा का सम्मान करने का अर्थ उन फैसलों की समीक्षा करना है, जो सैनिकों को खतरे में डालते हैं। उन्होंने संघर्ष को खत्म करने के प्रयासों के साथ-साथ जीवनयापन की लागत कम करने, स्वास्थ्य सेवाओं तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने और सैन्य परिवारों की सुरक्षा मजबूत करने का संकल्प लिया। सीनेटर टैमी डकवर्थ ने कांग्रेस से ईरान युद्ध के दौरान विषैले पदार्थों के संपर्क में आए पूर्व सैनिकों के लिए सुरक्षा प्रावधानों का विस्तार करने वाला कानून पारित करने की अपील की। डेमोक्रेटिक सांसद टैमी डकवर्थ ने कहा कि उनका प्रस्तावित न्यू पैक्ट फॉर ईरान वेटरन्स एक्ट उन कमियों को दूर करेगा, जिनकी वजह से युद्ध से लौटे सैन्यकर्मियों को स्वास्थ्य सेवाएं और लाभ पाने में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। उनके कार्यालय के मुताबिक यह प्रस्ताव ईरान में सेवा देने वाले सैनिकों, जिनमें उसके वायुक्षेत्र और क्षेत्रीय जलक्षेत्र में तैनात कर्मी भी शामिल हैं, के लिए विषैले पदार्थों के संपर्क में आने की कानूनी मान्यता स्थापित करेगा।

डकवर्थ ने कहा कि किसी भी सैनिक को विदेश में युद्ध लड़ने के बाद घर लौटकर उस देखभाल और सुविधाओं के लिए दूसरी लड़ाई नहीं लड़नी चाहिए, जिसके वे अपनी सेवा के आधार पर हकदार हैं। यह प्रस्ताव फिलहाल विधायी प्रक्रिया में है। वेटरन्स डे पर उनकी अपील का उद्देश्य कांग्रेस से इसे पारित कराने का समर्थन जुटाना था, न कि यह घोषणा करना कि ये अतिरिक्त सुरक्षा उपाय पहले ही लागू हो चुके हैं। इस बीच ट्रंप की पूर्व सैनिकों के समर्थन संबंधी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। आर्लिंग्टन नेशनल सेमेट्री में अपने संबोधन में कहा कि जब तक मैं संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति हूं, हम हमेशा उनके प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करेंगे।

बिड़लासॉफ्ट को मिले नए सीईओ व एमडी

नई दिल्ली ।

बिड़ला समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी बिड़लासॉफ्ट ने अपने शीर्ष नेतृत्व में अहम बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को अनुभवी माधवन हरिहरन को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया। हरिहरन 8 दिसंबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह अंगन गुहा का स्थान लेंगे, जो अब विप्रो में अमेरिका-2 रणनीतिक बाजार इकाई का नेतृत्व करने जा रहे हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक, माधवन हरिहरन ने पहले बिड़लासॉफ्ट में समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने रणनीतिक प्राथमिकताएं तय करने और कंपनी के प्रदर्शन में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाई थी। बिड़लासॉफ्ट की चेयरपर्सन अमिता बिड़ला ने कहा कि समूह में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाओं और कारोबारी बदलाव लाने की उनकी क्षमता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है।

अगले हफ्ते विदेशी निवेश, कच्चे तेल और महंगाई पर रहेगी निवेशकों की नजर

विदेशी निवेशकों की बंपर खरीदारी और ब्रेंट क्रूड में भारी गिरावट से बाजार में ऐतिहासिक तेजी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में संवत 2082 के आखिरी कारोबारी हफ्ते में जोरदार तेजी देखने को मिली, जहां निफ्टी करीब 8.6 फीसदी चढ़कर 25,030.35 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में करीब 8.8 फीसदी और बैंक निफ्टी में करीब 8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने प्रमुख सूचकांकों को लगातार सातवें सत्र में मजबूती प्रदान की। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की धमाकेदार वापसी हुई, जिन्होंने कुल 45,960 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह दस हफ्तों की लगातार बिकवाली के बाद आया एक बड़ा बदलाव है, जो निवेशकों के बदलते रुख का संकेत देता है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान 24,197 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। बाजार की इस तेजी को कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट से भी सहारा मिला। ब्रेंट क्रूड 12 फीसदी से ज्यादा गिरकर 97-98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिसका मुख्य कारण अमेरिका में सकारात्मक संकेतों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदें रहीं। कच्चे तेल की यह गिरावट भारत के लिए राहत की बात है, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत पर दबाव कम हो सकता है। तकनीकी रूप से बाजार मजबूत स्थिति में है, निफ्टी अपने सभी महत्वपूर्ण एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले हफ्ते की तेज बढ़त के बाद बाजार में कुछ समय के लिए उतार-चढ़ाव या मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है।

लाभांश की बहार- अगले हफ्ते 67 कंपनियों के शेयर देंगे लाभांश

9 से 13 नवंबर के बीच निवेशकों को कमाई का मौका

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक शानदार अवसर बन रहा है। 9 से 13 नवंबर के बीच कुल 67 कंपनियां अपने शेयरों को पूर्व-लाभांश करने जा रही हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया, ओएनजीसी और ऑरोबिंदो फार्मा जैसी कई दिग्गज कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को आकर्षक लाभांश का तोहफा देंगी। इस लाभांश बहार में बायर क्रॉपसाइंस सबसे ज्यादा 90 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने वाली है। सप्ताह की शुरुआत 9 नवंबर को डाबर इंडिया (3.50 रुपए) सहित कुछ कंपनियों के शेयरों के पूर्व-लाभांश होने के साथ होगी। इसके बाद, 11 नवंबर को ऑरोबिंदो फार्मा (7रुपए) और डॉ. लाल पैथलैब्स (5 रुपए) समेत कुल 19 कंपनियां सूची में शामिल होंगी। 12 नवंबर को हिंदुस्तान यूनिलीवर, बायर क्रॉपसाइंस, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के शेयर भी पूर्व-लाभांश हो जाएंगे। वहीं 13 नवंबर को ग्रेट ईस्टर्न शिपिंगसमेत सबसे अधिक कंपनियां लाभांश बांटेंगी। जानकारों के अनुसार, लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को पूर्व-लाभांश तिथि से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदना चाहिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर खरीदारी करने वाले निवेशक लाभांश के हकदार नहीं होते हैं। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि केवल लाभांश के लिए निवेश करने के बजाय, कंपनी की आर्थिक स्थिति, शेयर का मूल्यांकन और भविष्य की विकास संभावनाओं का भी आकलन करना महत्वपूर्ण है।

नवंबर की धमाकेदार शुरुआत! शेयर बाजार ने दिखाया दम,निवेशक मालामाल

सेंसेक्स 81,000 और निफ्टी 25,000 के पार, सप्ताहभर में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

मुंबई ।

नवंबर 2026 का पहला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने अभूतपूर्व तेजी दर्ज करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के परिणाम और विदेशी निवेशकों की मजबूत खरीदारी के दम पर पूरे सप्ताह बाजार में शानदार रौनक देखने को मिली, जिससे निवेशकों का उत्साह चरम पर रहा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को धमाकेदार रही, जब अमेरिकी-ईरान वार्ता में सफलता की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को शुरुआती तेजी दी।

सेंसेक्स 1,233 अंक से अधिक चढ़कर 75,692.78 पर और निफ्टी 387.70 अंक की बढ़त के साथ 23,440.80 पर बंद हुआ।

मंगलवार और बुधवार को भी यह तेजी बरकरार रही। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के सकारात्मक परिणामों खासकर डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा ब्लू स्वीप के संकेत तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारी निवेश ने बाजार के माहौल को पूरी तरह बदल दिया। कच्चे तेल की कीमतों में



लगातार नरमी ने भी बाजार को सहारा दिया, जिससे बुधवार को सेंसेक्स 77,219.65 और निफ्टी 23,911.70 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार में रिकॉर्ड-तोड़ उछाल देखने को मिली, जब सेंसेक्स 2,000 से अधिक अंक चढ़कर 79,310.01 पर और निफ्टी 24,536.60 पर बंद हुआ। अमेरिकी चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की हार से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के अनुमानों ने भी बाजार को अतिरिक्त बल दिया। धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को भी तेजी का सिलसिला जारी रहा और भारतीय शेयर बाजार ने एक नया इतिहास रच दिया।

अब बायोमेट्रिक, वोटर आईडी होगा पहचान का नया आधार

पशुपालन और डेयरी मंत्री ने दिए संकेत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार अपनी विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों की पहचान और भुगतान के लिए आधार कार्ड की जगह बायोमेट्रिक पहचान और वोटर आईडी (ई पिक) नंबर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने इस संबंध में संकेत दिए हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला या आधिकारिक नियम जारी नहीं किया है। पंचायती राज मंत्रालय की कार्यशाला में मंत्री सिंह ने कहा कि अब भुगतान का आधार केवल आधार कार्ड नहीं रहेगा। उन्होंने आधार बनाने की सुलभ प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए लाभार्थियों की पहचान के लिए अन्य विकल्पों पर विचार की आवश्यकता जताई। उनका कहना था कि आधार कार्ड आसानी से बन जाते हैं, जिससे वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने में चुनौती आ सकती है। वर्तमान में पीएम किसान, पीएम आवास योजना और वृद्धावस्था पेंशन जैसी कई सरकारी योजनाओं में पहचान व भुगतान के लिए आधार का उपयोग होता है। मंत्री के बयान के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि नई व्यवस्था किन योजनाओं में और कब लागू होगी। हालांकि, सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है। इसलिए, जब तक कोई आधिकारिक घोषणा न हो, लाभार्थियों को अपने आधार संबंधी दस्तावेजों में कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं है और मौजूदा नियमों के अनुसार ही उन्हें योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने जुटाए 632 करोड़

छोटे शहरों के निवेशकों ने दिखाई मजबूत दिलचस्पी

नई दिल्ली ।

कार्नेलियन म्यूचुअल फंड की पहली स्कीम, कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए निवेशकों से 632 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय संग्रह किया है। 30 अक्टूबर 2026 को बंद हुए इस एनएफओ को देशभर के निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहरों से आई 45 फीसदी भागीदारी ने खासा ध्यान आकर्षित किया है, जो लंबी अवधि के निवेश के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। फंड हाउस के अनुसार, इस एनएफओ को कुल 30,562 आवेदन मिले, जिनमें से प्रत्येक का औसत आकार करीब 2.07 लाख रुपये रहा। लगभग 21 फीसदी आवेदन सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के लिए मिले, जो निवेशकों के लंबी अवधि के निवेश रुझान को रेखांकित करता है। इस एनएफओ में देश के सभी राज्यों के निवेशकों ने हिस्सा लिया और इसे 275 शहरों के 1,430 वितरकों का समर्थन मिला।

निवेशकों को यूनिट का आवंटन 5 नवंबर 2026 को किया गया है, जबकि स्कीम में 9 नवंबर 2026 से दोबारा खरीद-बिक्री शुरू हो जाएगी। निवेशकों से मिले अच्छे रिस्पॉन्स पर, फंड हाउस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का आकार बढ़ाने के बजाय निवेश प्रक्रिया की गुणवत्ता बनाए रखने को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि खासकर स्मॉलकैप सेगमेंट में टिकाऊ विकास की क्षमता वाली कंपनियों की पहचान के लिए गहन मूल्यांकन और सही वैल्यूएशन



अहम हैं। इस रणनीति के तहत, स्कीम ने स्मॉलकैप सेगमेंट में निवेश संबंधी लचीलापन बनाए रखने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की अधिकतम एयूएम सीमा तय की है। इस सीमा तक पहुंचने के बाद नए एकमुश्त निवेश और दूसरी स्कीमों से स्विच के जरिए आने वाले निवेश बंद हो जाएंगे, जबकि एसआईपी के जरिए निवेश जारी रहेगा। फंड हाउस के संस्थापक और चेयरमैन के अनुसार, भारत में आर्थिक बदलाव के दौर में उभरते कारोबार, नए क्षेत्रों और खास कारोबारी मॉडल वाली कंपनियों में निवेश के बड़े अवसर हैं, जिनमें से कई भविष्य में बाजार की अग्रणी कंपनियां बन सकती हैं। यह ओपन-एंडेड स्कीम अपनी कुल एयूएम का 65 से 100 फीसदी हिस्सा स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े निवेश विकल्पों में लगाएगी।

एनएसई, ऑगमोंट के ईजीआर खंड में पहले दिन 33 करोड़ से अधिक का कारोबार

निवेशकों को डीमैट के जरिए भौतिक सोना रखने व लेने का विकल्प

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने एकीकृत स्वर्ण मंच ऑगमोंट के साथ मिलकर शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद (ईजीआर) में लाइव कारोबार शुरू किया। इस नए वित्तीय उत्पाद को निवेशकों ने शानदार प्रतिक्रिया दी, पहले ही दिन इसमें 33.11 करोड़ रुपए के सफल सौदे हुए। यह भारत में भौतिक सोने को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को कुल 2,27,444 अनुबंधों का कारोबार हुआ, जिनका कुल मूल्य 33.11 करोड़ रुपए रहा। कारोबार के दौरान कीमतें 1,450.50 रुपए से 1,465 रुपए प्रति 100 मिलीग्राम (0.1 ग्राम) के दायरे में व्यवस्थित तरीके से रहीं। प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद 100 मिलीग्राम भौतिक सोने के बराबर होती है, जिसे सेबी विनियमित भंडारगृहों में सुरक्षित रखा जाता है। निवेशक अपने डीमैट खातों के



माध्यम से इन रसीदों की खरीद-बिक्री कर सकते हैं। साथ ही, निर्धारित नियमों के तहत उनके पास इन रसीदों के बदले भौतिक सोना प्राप्त करने का विकल्प भी है।

यह खंड टी प्लस1 निपटान चक्र का पालन करता है, जिससे सौदों का निपटान अगले कारोबारी दिन होता है।

बीएसएनएल और वीआईएल के बीच नेटवर्क साझा समझौता

12-13 नए सर्किलों में लागू होगी यह व्यवस्था

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के साथ 12-13 नए दूरसंचार सर्किलों में इंटर-सर्किल रोमिंग (आईसीआर) समझौता करने की योजना बनाई है। एक सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी, जिससे दोनों कंपनियों के ग्राहकों को उन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का बेहतर सिग्नल मिल पाएगा, जहां उनकी मौजूदा सेवा प्रदाता कंपनी का नेटवर्क कमजोर है। इस समझौते से दोनों कंपनियों को लाभ होगा। सूत्र के अनुसार पहले से ही दो-तीन सर्किलों में यह व्यवस्था लागू है और अब इसे विस्तार दिया जा रहा है। बीएसएनएल अपने 4जी नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके तहत उसे 26,000 नए मोबाइल टावर लगाने की मंजूरी मिली है। वहीं वोडाफोन आइडिया, जिसमें सरकार सबसे बड़ी शेयरधारक है, अपने 45,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए कर्ज जुटाने का प्रयास कर रही है। यह समझौता दोनों कंपनियों के नेटवर्क की पहुंच को बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

एनबीएफसी के सोने व उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का कर्ज 50 फीसदी बढ़ा

सोने के आभूषणों पर कर्ज 66 फीसदी से अधिक बढ़कर 3.74 लाख करोड़ पहुंचा

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा सोने के आभूषणों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए दिए गए कर्ज में सितंबर 2026 में 50 प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो इन क्षेत्रों में मजबूत ऋण वृद्धि का संकेत देती है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 में सोने के आभूषणों के बदले दिया गया बकाया कर्ज 66.1 प्रतिशत बढ़कर 3.74 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले यह 2.25 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए एनबीएफसी का कर्ज 54.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 77,896 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष सितंबर में 50,411 करोड़ रुपए था। कुल मिलाकर, सितंबर 2026 में एनबीएफसी का कुल कर्ज 15.4 प्रतिशत बढ़कर 61.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 53.46 लाख करोड़ रुपए था। विभिन्न क्षेत्रों में ऋण वृद्धि का मिलाजुला रुझान देखने को मिला। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए कर्ज में 17.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई, जो पिछले साल 5.2 प्रतिशत थी। हालांकि, उद्योग क्षेत्र की कर्ज वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत से घटकर 7.4 प्रतिशत रह गई और सेवा क्षेत्र की वृद्धि भी 23 प्रतिशत से घटकर 17.3 प्रतिशत पर आ गई, जबकि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त बनी रही।

पश्चिम बंगाल की नई निवेश नीति में उद्योगों को जमीन सीधे खरीदने की छूट

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए अपनी नई निवेश प्रोत्साहन नीति पेश की है। इसका मुख्य लक्ष्य उद्योगों को जमीन मालिकों से सीधे भूमि खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कदम राज्य में औद्योगिक भूमि की कमी और पिछले भूमि अधिग्रहण विवादों (जैसे सिंगूर-नंदीग्राम) को देखते हुए उठाया गया है। नई नीति में, 500 एकड़ जमीन सीधे खरीदने वाले उद्योगों को रणनीतिक और मेगा परियोजना का दर्जा आसानी से मिलेगा, जबकि सरकारी आवंटन पर यह सीमा 1000 एकड़ है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार किसानों से जबरन जमीन का अधिग्रहण नहीं करेगी, लेकिन उद्योगपतियों को जमीन की व्यवस्था में अकेला भी नहीं छोड़ेगी। सरकार औद्योगिक भूमि की कमी दूर करने के लिए भूमि पूलिंग (जमीन मालिक स्वेच्छा से जमीन देंगे और विकसित भूखंड वापस मिलेंगे) और अप्रयुक्त औद्योगिक भूखंडों को वापस लेने जैसे वैकल्पिक उपायों पर भी विचार कर रही है। इसके तहत, कंपनियों को आवंटित जमीन पर तीन साल के भीतर उत्पादन शुरू करना अनिवार्य होगा, विफल होने पर आवंटन रद्द हो सकता है। सीधी खरीद के लिए वित्तीय सहायता हेतु हुडको और नाबार्ड जैसे संस्थानों से भी संपर्क किया जाएगा।

दिवाली पर बंपर कारोबार, व्यापारियों को 5 लाख करोड़ का मुनाफा होने की उम्मीद

दिल्ली में 80 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान, ऑटो सेक्टर में 55 फीसदी उछाल

नई दिल्ली ।

इस साल दिवाली का त्योहार देशभर के व्यापारियों के लिए शानदार कारोबार के अवसर लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अनुमान लगाया है कि इस त्योहारी सीजन में पूरे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त व्यापार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत और अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। सीटीआई के एक अे धिकारी ने विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, कार डीलर्स और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस दिवाली सीजन में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, ऑटोमोबाइल सेक्टर में खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें थ्री-व्हीलर में 110 प्रतिशत और निजी वाहनों में 70 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़े, रेडीमेड गारमेंट्स, मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसे क्षेत्रों में भी जोरदार कारोबार की उम्मीद है। इस बार भारतीय उत्पादों, जैसे मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प को विशेष प्राथमिकता मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनुमान है कि दिवाली के दौरान लगभग 5 करोड़ उपहारों का आदान-प्रदान भी होगा। दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को हुए 14 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई भी इस बंपर खरीदारी से होने की उम्मीद है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग और लाजपत नगर जैसे प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है, जिससे त्योहारी उत्साह चरम पर है।

भारती एयरटेल ने जियो को पछाड़ा, बनी देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

शेयरों में तेजी से एयरटेल का मार्केट कैप बढ़ा, जियो फिसला

मुंबई ।



भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का मुकाम हासिल कर लिया है। यह बदलाव एयरटेल के शेयरों में उछाल और जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट के कारण हुआ। कारोबार के अंत में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर लगभग 13.08 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जियो प्लेटफॉर्म्स 12.94 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया। शुक्रवार को भारती एयरटेल के शेयर 1.66 फीसदी की बढ़त के साथ 2,096.25 रुपए पर बंद हुए, वहीं जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 0.90 फीसदी गिरकर 1,405.75 रुपए पर आ गए। यह बदलाव 28 अक्टूबर के बाद हुआ है, जब जियो प्लेटफॉर्म्स ने यह दूसरा स्थान हासिल किया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज 17.83 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष पांच में एचडीएफसी बैंक (चौथे) और आईसीआईसीआई बैंक (पांचवें) भी शामिल हैं। भारती एयरटेल की इस उपलब्धि के पीछे उसके मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को अहम माना जा रहा है। कंपनी का तिमाही मुनाफा सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़ा है और प्रति ग्राहक औसत राजस्व में भी सुधार दर्ज किया गया है, जिसने उसके शेयरों को मजबूती दी है। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट ने उसकी रैंकिंग को प्रभावित किया।

भारत में जल्द लॉन्च होगी होंडा की पहली इलेक्ट्रिक कार अल्फा

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में होंडा कंपनी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार उतारने की तैयारी कर रही है। इस बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी का वैश्विक पदार्पण 2 दिसंबर को भारत में किया जाएगा। इस कार का नाम होंडा अल्फा होगा। कंपनी की घोषणा के अनुसार, होंडा इस कार का निर्माण राजस्थान के टपूकड़ा स्थित अपने संयंत्र में करेगी, जिससे यह संयंत्र इस मॉडल के लिए एक वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकता है। होंडा अल्फा को कंपनी के 0 अल्फा कॉन्सेप्ट के आधार पर तैयार किया जा रहा है, जिसे अक्टूबर 2025 में प्रदर्शित किया गया था।

विशेषज्ञों के अनुसार, नई एसयूवी में कॉन्सेप्ट के विशिष्ट डिजाइन को काफी हद तक बरकरार रखा जाएगा, जिसमें एक लगभग सीधा खड़ा पिछला डिजाइन, मोटा सी-पिलर और एक बड़ा पिछला शीशा शामिल होगा। आगे के हिस्से में रोशनी वाला होंडा लोगो और चार्जिंग पोर्ट दिए जाने की संभावना है।

तकनीकी विवरणों का खुलासा अभी नहीं किया गया है, लेकिन जानकारों के अनुसार, इसे लगभग 65 किलोवाट-घंटे से 75 किलोवाट-घंटे की क्षमता वाले दो एलएफपी बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। शुरुआत में इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर और आगे के पहियों को शक्ति देने वाली व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। केबिन के अंदर एक बड़ी टचस्क्रीन और चालक के लिए एक डिजिटल डिस्प्ले दी जा सकती है। इसमें तीन स्पोक वाला फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और वातानुकूलन व हवादार सीटों जैसी सुविधाओं को नियंत्रित करने के लिए भौतिक बटन भी मिलेंगे।

न्यूजीलैंड के जैकब्स ने लिस्ट- ए मैच में लगाए 21 छक्के, विश्व रिकॉर्ड बनाने से चूके

ऑकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज बेवन जैकब्स ने अपने लिस्ट-A करियर में दोहरा शतक लगाने का कारनामा किया। इस समय खेली जा रही फोर्ड ट्रॉफी के मुकाबले में ऑकलैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने ओटागो के खिलाफ नाबाद 202 रन बनाए। यह उनके लिस्ट-ए करियर का पहला ही दोहरा शतक साबित हुआ। उन्होंने अपनी इस अविश्वसनीय पारी में 21 छक्के लगाए।



जोरदार रही जैकब्स की पारी

ऑकलैंड की ओर से खेलते हुए जैकब्स ने 132 गेंदों में नाबाद 202 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 21 छक्के शामिल रहे। ओटागो के खिलाफ नंबर-4 पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने दोहरा शतक लगाया। उनकी पारी की मदद से ऑकलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर के बाद 334/8 का स्कोर बनाया। जवाब में ओटागो ने 49.1 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल किया। जैकब्स का दोहरा शतक भी जीत नहीं दिला सका।

दोहरा शतक लगाने वाले चौथे कीवी बल्लेबाज

दाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज जैकब्स अब लिस्ट-A एक्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले न्यूजीलैंड के सिर्फ चौथे बल्लेबाज बने हैं।उनसे पहले जेमी हाऊ, मार्टिन गुप्टिल, और चैड बोव्स ऐसा कर चुके थे। इनमें से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दोहरा शतक सिर्फ गुप्टिल (बनाम वेस्टइंडीज, 2015) ने लगाया हुआ था। वहीं, हाऊ ने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से और बोव्स ने कैंटरबरी का प्रतिनिधित्व करते हुए ऐसा किया है।

टी-20 सीरीज में खेलते हुए दिखे थे जैकब्स

जैकब्स हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज में खेलते हुए नजर आए थे। उन्होंने सीरीज में क्रमशः 31, 58, 39*, 7 और 1 रन के स्कोर किए थे। न्यूजीलैंड की ओर से उन्होंने 16 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 31.90 की औसत और 144.34 की स्ट्राइक रेट के साथ 319 रन बनाए हैं। उन्होंने कोई वनडे अंतरराष्ट्रीय नहीं खेला है। अपने लिस्ट-ए करियर में उन्होंने 29 पारियों में 870 रन बनाए हुए हैं।

छक्कों का विश्व रिकॉर्ड बनाने से चूके

जैकब्स अब लिस्ट-ए क्रिकेट की एक पारी में दूसरे सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने। बता दें कि यह विश्व रिकॉर्ड डार्सी शॉर्ट के नाम पर दर्ज है, जिन्होंने 2018 में क्वींसलैंड के खिलाफ 23 छक्के लगाए थे। इन दोनों के अलावा किसी अन्य बल्लेबाज ने एक पारी में 20 छक्के नहीं लगाए हैं। इस सूची में तीसरे सर्वाधिक छक्के वाले खिलाड़ी नामीबिया के गेरी स्नाइमैन (17 छक्के बनाम यूएई, 2007) और इयोन मॉर्गन (17 छक्के बनाम अफगानिस्तान, 2019) हैं।

खबर संक्षेप



फिट हुए पंत, न्यूजीलैंड के लिए भरेंगे उड़ान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम और कप्तान शुभमन गिल के लिए राहत की खबर है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस क्लीयरेंस मिल गया है। वह जल्द ही न्यूजीलैंड के लिए रवाना होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पंत ने 10 और 11 नवंबर को फिटनेस और सिमुलेशन (अभ्यास आधारित परीक्षण) से जुड़े 2 परीक्षण दिए थे। इसके बाद गुरुवार 12 नवंबर को उन्हें सीओई से खेलने की मंजूरी मिल गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 19 नवंबर से होगा। पहला मुकाबला वेलिंगटन में खेला जाएगा। वहीं, सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च में 27 नवंबर से शुरू होगा।

ओम, रथिका, सान्या सिंगापुर क्लासिक के दूसरे दौर में



नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ी ओम सेमवाल, रथिका सीलन और सान्या वत्स ने अलग-अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए सिंगापुर क्लासिक स्क्वाश टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी संदेश पलानीवेल रविकुमार हालांकि इस 15,000 अमेरिकी डॉलर के पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में हार गए। पुरुष वर्ग में विश्व के 149वें नंबर के खिलाड़ी सेमवाल ने 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सिंगापुर के आरोन लियांग को 15-13, 6-11, 13-15, 11-9, 11-8 से हराया। महिला वर्ग में रथिका ने सिंगापुर की जयना लिम को 11-7, 12-10, 11-9 से जबकि सान्या ने मिस्र की क्लारा ड्वेरी को 10-12, 11-6, 11-8, 11-5 से हराया।

आज से आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप



इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में आज 13 से 21 नवंबर तक खेली जाने वाली आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप में 32 देशों के पुरुष और महिला खिलाड़ी खिताब के लिए मुकाबला करेंगे और प्रतियोगिता में कुल 40,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि दांव पर होगी। भारतीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर महासंघ के महासचिव सुनील बजाज ने संवाददाताओं को बताया कि प्रतियोगिता में मेजबान भारत के साथ ही अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, चीन, इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, पाकिस्तान, अमेरिका, दक्षिण कोरिया और सऊदी अरब समेत 32 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया,''भारत में इस चैंपियनशिप का आयोजन तीसरी बार हो रहा है। इससे पहले, 1964 में कोलकाता और 2014 में बेंगलुरु में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच चौथा एक दिवसीय मैच आज

वनडे कप्तानी में डेब्यू पर छाप छोड़ना चाहेंगे श्रेयस, भारत की निगाह श्रृंखला जीतने पर

माउंट मोनगानुई

नियमित कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में कमान संभालने वाले श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इस प्रारूप में कप्तानी के अपने पदार्पण पर विशेष छाप छोड़ना चाहेंगे जिसमें भारतीय टीम की निगाह श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने पर होगी।

भारत पांच मैचों की श्रृंखला में अभी 2-0 से आगे है और टीम में कुछ बदलाव के बावजूद वह जीत का प्रबल दावेदार है। तीसरा मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने के बाद अब न्यूजीलैंड के पास केवल श्रृंखला बराबर करने का मौका है और वह इसके लिए अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेगा। अब सीरीज का चौथा मैच 13 नवंबर को बे ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा।



इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजरें

न्यूजीलैंड के लिए यंग ने पिछले 10 मैचों में 212 रन बनाए हैं। वहीं, केली के बल्ले से पिछले 4 मैचों में 52.25 की औसत से 209 रन निकले हैं। भारत के लिए रोहित ने पिछले 10 मैचों में 55.78 की औसत से 502 रन बनाए हैं। वहीं, कोहली के बल्ले से पिछले 9 मैच में 393 रन निकले हैं। डफी ने पिछले 7 मैचों में 11 विकेट चटकाए हैं। बरार ने पिछले 9 मैच में 15 विकेट लिए हैं।

विराट और राहुल का अच्छा प्रदर्शन

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने यहां पर इकलौती पारी में 112 रन बनाए हैं। विराट कोहली ने इस मैदान पर 3 पारियों में 37.33 की औसत से 112 रन बनाए हैं। युजवेंद्र चहल ने इस मैदान पर 3 पारियों में 21.42 की औसत से 7 विकेट लिए थे। कुलदीप यादव ने यहां पर 2 वनडे में 21.00 की औसत से 4 विकेट चटकाए हैं।

संभावित एकादश

भारत : रोहित शर्मा, रुतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), नमन धीर, अक्षर पटेल, आकिब नबी, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह।

न्यूजीलैंड : टिम साइफर्ट, विल यंग, फिन एलन, निक केली, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सैंटनर (कप्तान), डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, काइल जैमीसन, जैकब डफी, मैट हेनरी और ब्रेट रैंडेल।

टेस्ट सीरीज के लिए टीम से हटे गिल

बता दें कि गिल 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला की तैयारी के लिए टीम से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह अय्यर भारत की कप्तानी करेंगे जो पहले दो मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। शॉर्ट पिच गेंदों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई हैं। केएल राहुल और अंशुल कंबोज भी टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए टेस्ट टीम से जुड़ गए हैं।

भारत ने बे ओवल में जीते हैं 2 वनडे मैच

भारत ने बे ओवल में अब तक 3 वनडे खेले हैं, जिसमें 2 में जीत दर्ज की है और एक में हार झेली है। बे ओवल में न्यूजीलैंड ने कुल 12 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें से 7 में जीत हासिल की है और 5 में शिकस्त का सामना किया है। इस मैदान पर दोनों टीमें 2020 में आखिरी बार आपस में भिड़ी थी, जिसे न्यूजीलैंड ने 5 विकेट से जीता था।

ऐसी है बे ओवल की पिच रिपोर्ट

बे ओवल की पिच में गेंदबाजी की तुलना में बल्लेबाजी करना आसान माना जाता है। नई गेंद से तेज गेंदबाजों को कुछ मदद मिलती है, लेकिन पिच में एक समान उछाल के चलते ज्यादातर बल्लेबाज हावी रहते हैं। यहां पर स्पिन गेंदबाजों के लिए कुछ खास मदद नहीं है। हाउस्टेट के मुताबिक, इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 268 रन है। यहां पर दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने 7 बार जीत दर्ज की है।

सबालेंका को हराकर मीरा सेमीफाइनल में



इंडियन वेल्स

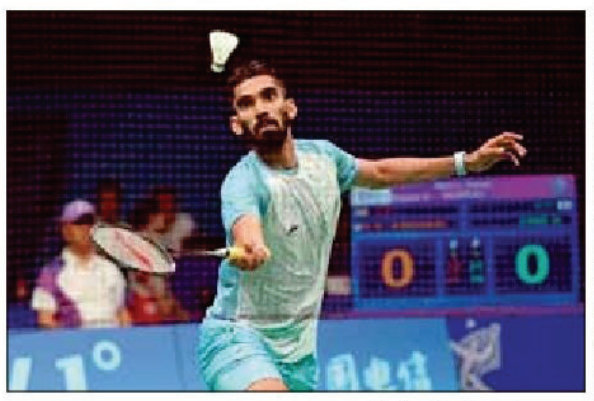
मीरा एंड्रीवा ने अपने ग्रुप मैच में एरिना सबालेंका को सीधे सेटों में हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट की सेमीफाइनल में जगह सुरक्षित की। तीसरी वरीयता प्राप्त एंड्रीवा ने सबालेंका को 6-4, 6-0 से हराया। वह पहले सेट में सबालेंका से 1-4 से पिछड़ रहीं थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने अगले 23 में से 20 अंक जीतकर 62 मिनट में जीत हासिल की और इस तरह से ग्रुप दो में शीर्ष स्थान हासिल किया। एंड्रीवा ने राउंड रोबिन आधार पर होने वाले ग्रुप मैचों में अपने दोनों मैच जीते हैं।

शीर्ष आठ महिला खिलाड़ियों के बीच स्पर्धा

इस ग्रुप से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी खिलाड़ी का निर्धारण सबालेंका और एलिना स्वितोलिना के बीच होने वाले मैच से होगा। सबालेंका ने अपने पहले मैच में कैरोलिना मुचोवा को सीधे सेटों में हराया था। शीर्ष आठ महिला खिलाड़ियों के बीच खेली जा रही इस प्रतियोगिता में स्वितोलिना को अपने पहले मैच में एंड्रीवा से 6-4, 6-0 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद मुचोवा को 3-6, 6-2, 6-2 से हराकर शानदार वापसी की।

बैडमिंटन

श्रीकांत और लक्ष्य कुमामोतो मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में



कुमामोतो (जापान)

भारत के किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन ने बृहस्पतिवार को यहां कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग-अलग अंदाज में जीत हासिल करके पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। श्रीकांत ने जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त और विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी कोदाई नाराओका को 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर उलटफेर किया। अब उनका मुकाबला जापान के एक अन्य खिलाड़ी और विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज कोकी वातानाबे से होगा।

लक्ष्य ने चीन के डोंग को हराया

जर्मनी में हाइलो ओपन जीतने वाले आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने चीन के डोंग तियान याओ को 21-8, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज लक्ष्य वर्तमान में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर रैंकिंग में 10वें स्थान पर हैं और चीन में होने वाले सत्र के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के लिए उन्हें शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी।

फिलीपिंस ओपन गोल्फ में चार भारतीय संयुक्त 38वें स्थान पर

मनीला। भारत के चार खिलाड़ियों ने फिलीपीन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में बृहस्पतिवार को एक ओवर 71 का कार्ड खेला और वे संयुक्त रूप से 38वें स्थान पर हैं। इन खिलाड़ियों में पुखराज सिंह गिल, अमन राज, शौर्य भट्टाचार्य और अनुभवी अनिर्बान गिल ने पांच बर्डी लगाईं, लेकिन दो बोगी और दो डबल बोगी के कारण उनका स्कोर एक ओवर रहा। लाहिड़ी ने दो बर्डी और तीन बोगी लगाईं। अमन राज के खाते में तीन बर्डी और चार बोगी रहीं जबकि शौर्य भट्टाचार्य ने एक बर्डी और दो बोगी के साथ अपना दौर पूरा किया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में राशिद खान और अजीतेश संधू ने तीन ओवर 73 का कार्ड खेला और वे संयुक्त 69वें स्थान पर हैं जबकि एसएसपी चौरसिया का दिन निराशाजनक रहा। उन्होंने छह ओवर 76 का कार्ड खेला और संयुक्त 107वें स्थान पर रहे। न्यूजीलैंड के निक वोक पांच अंडर 65 के कार्ड के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं।

विवान ने ट्रैप स्पर्धा में जीता रजत, ओलंपिक कोटा हासिल किया

दोहा। जयपुर के विवान कपूर बृहस्पतिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुष ट्रैप स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करने से बेहद करीब से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस उपलब्धि से उन्होंने हालांकि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भारत का एक कोटा भी पक्का कर दिया। उनसे पहले पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जयपाल मालवीय और पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में कांस्य पदक जीतने वाले नीरज कुमार भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं।

शूट ऑफ में एक निशाना चूका : हालांकि शूट-ऑफ में विवान एक क्ले बर्ड पर निशाना लगाने से चूक गए और कुवैत के अब्दुलरहमान अलफैहान ने स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। निर्धारित मुकाबले में दोनों निशानेबाजों ने 30 में से 29 अंक हासिल किए थे जिसके बाद विजेता का फैसला शूट-ऑफ से हुआ। इस रजत पदक के साथ विवान अत्यंत प्रतिस्पर्धी पुरुष ट्रैप स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने वाले चौथे भारतीय बन गए।

रायचंदानी के 93 रन से भारत फाइनल में

अंडर-19 एशिया कप खिताब के लिए भारत-पाक में भिड़ंत कल

अल अमेरात (ओमान)

कप्तान लक्ष्य रायचंदानी की 93 रन की शानदार पारी के दम पर भारत ने बृहस्पतिवार को यहां अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बना ली।

खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से शनिवार 14 नवंबर को होगा। तेज गेंदबाज ईशान सूद की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने अफगानिस्तान को निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर 227 रन के स्कोर पर रोक दिया। भारत ने 36.5 ओवर में दो विकेट पर 230 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इससे पहले पाकिस्तान ने दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। पाकिस्तान ने लीग चरण में भी भारत को शिकस्त दी थी।



रायचंदानी, सहवाग व विनीत ने ठोकी फिफ्टी

कप्तान रायचंदानी ने 90 गेंद की पारी में 13 चौके और एक छक्का जड़ा। उन्हें आर्यवीर सहवाग (51) और छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाने वाले वीके विनीत (नाबाद 57) का अच्छा साथ मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए रायचंदानी ने अफगानिस्तान के मोहम्मद अली की गेंद पर जोरदार पुल शॉट लगाकर 49 रन तक पहुंचे लक्ष्य ने अपनी पारी की 39वीं गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने सहवाग के साथ पहले विकेट के लिए 103 गेंद में 117 और विनीत के साथ दूसरे विकेट के लिए 90 गेंद में 77 रन की साझेदारी कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।

ग्रैंडमास्टर प्रज्ञाननंदा और एरिगैसी ने फास्ट क्लासिकल में ड्रॉ के साथ शुरू किया अभियान

बुडापेस्ट

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा और अर्जुन एरिगैसी ने यहां टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट की 'फास्ट क्लासिकल' प्रतियोगिता में दो-दो ड्रॉ के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

प्रज्ञाननंदा को ग्रुप बी में जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने दो बार बराबरी पर रोका, जबकि एरिगैसी ने ग्रुप डी में अमेरिकी खिलाड़ी हैंस नीमन के खिलाफ दोनों बाजियां ड्रॉ खेली। इस तरह से दोनों भारतीय खिलाड़ियों के अब दो-दो अंक हैं।





आर वैशाली की शुरूआत अच्छी नहीं रही

इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वह अपने पहले मैच में फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव से हार गई जबकि दूसरा मैच उन्होंने ड्रॉ कराया। महिला विश्व चैंपियनशिप की चैलेंजर 25 वर्षीय वैशाली ग्रुप डी में अंतिम स्थान पर हैं। इस ग्रुप में वाचियर-लाग्रेव सबसे आगे हैं। एरिगैसी अपने ग्रुप में नीमन, वेस्ली सो और बिबिसारा असाउबायेवा के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

ग्रुप बी में फैबियानो व लिएम शीर्ष पर

ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना और लिएम ले चार-चार अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि प्रज्ञाननंदा और कीमर दो दो अंक लेकर बराबरी पर हैं। ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजजा और जान-क्रिस्टोफ डुडा में चार-चार अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। इयान नेपोम्नियात्ची ने ग्रुप सी में चार अंकों के साथ एकल बढ़त हासिल कर ली है।

कार्लसन को ड्रा से करना पड़ा संतोष

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ दो ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ी ग्रुप सी में दो-दो अंकों के साथ तीसरे स्थान हैं। फास्ट क्लासिकल प्रारूप में प्रत्येक खिलाड़ी को 45 मिनट का समय मिलता है। पहली चाल से प्रत्येक चाल पर 30 सेकंड का अतिरिक्त समय जुड़ता जाता है।

भारत ने दिया जोर का झटका, चीन जाने वाले इस बेशकीमती खजाने पर लगाया बैन

भारत सरकार ने लिथियम आयन बैटरी के कचरे यानी ब्लैक मास के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। पहले चीन इसे सस्ते में खरीदकर बैटरी बनाता था और भारत को महंगे दामों पर बेचता था। इस नीति से चीन का एकाधिकार टूटेगा और देश में घरेलू खनिज प्रसंस्करण को मजबूती मिलेगी। आज की तारीख में दुनिया की सबसे बड़ी जंग जमीन, सीमा या हथियारों से नहीं बल्कि खनिजों से लड़ी जा रही है। वो खनिज जो आपकी जेब में रखे स्मार्टफोन से लेकर सड़कों पर दौड़ते हुए इलेक्ट्रिक कारों तक हर चीज को ताकत दे रही है। इसे कहते हैं क्रिटिकल मिनरल्स यानी कि दुर्लभ और रणनीतिक खनिज। इस पूरी दुनिया में जो देश सबसे बड़ा खिलाड़ी इसको लेकर बना बैठा है वो चीन है। लेकिन 10 नवंबर को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय यानी कि डीजीएफटी ने बड़ा आदेश जारी किया और भारत ने लिथियम आयन बैटरी के कचरे यानी कि ब्लैक मास के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरीके से पाबंदी लगा दी। यह नीति पहले मुक्त थी जिसे अब बदलकर प्रतिबंधित कर दिया गया है।जब हमारे स्मार्टफोन, लैपटॉप, दो पहिया और चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की लिथियम आयन बैट्रियां पूरी तरीके से खत्म हो जाती हैं। खराब हो जाती हैं या कचरे में तब्दील हो जाती हैं तो उन्हें मशीनों में प्रोसेस किया जाता है। थोड़ा और क्रश किया जाता है। इस प्रक्रिया के बाद एक काले रंग का महीन पाउडर बचता है। तकनीकी और कारोबारी दुनिया में इसी को ब्लैक मास्क कहा जाता है। यह सिर्फ कोई कचरा नहीं होता है बल्कि खनिजों की खान होती है। इस एक काले पाउडर में क्या-क्या होता है उसे समझते हैं। आपको बता दें कि इसमें लिथियम यानी कि बैटरी का दिल होता है। कोबाल्ट, निके,मैंगनीज, ग्रेफाइट और सिलिकॉन। जब इस ब्लैक मास्क को वैज्ञानिक तरीके से रिसाइकल किया जाता है और रिफाइन किया जाता है तो इससे 95 से लेकर 99% शुद्ध लिथियम निके और कोबाल्ट दोबारा हासिल कर लिया जाता है। यानी कि जमीन खोदकर नई खदान तलाशे बिना ही रिसाइक्लिंग के जरिए नई बैटरी बनाने का पूरा का पूरा रॉ मटेरियल इसी कचरे से बाहर निकल आता है। इसलिए इसे सर्कुलर इकॉनमी का ब्लैक गोल्ड कहा जाता है। और अब भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के डीजीएफटी ने भारत से इसी ब्लैक मास्क के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है। अगर आज दुनिया में 100 टन बैटरी कचरे की रिसाइक्लिंग हो रही है तो उसमें से 75% से ज्यादा क्षमता सिर्फ अकेले चीन के पास है। चीन ने पिछले दो दशकों में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और खुद अपने देश में ऐसे विशालकाय रिफाइनरियों को खड़ा कर लिया है कि दुनिया भर का बैटरी कचरा समेटकर चीन पहुंचता है। भारत से भी हर महीने सैकड़ों टन ब्लैक मास्क बिना किसी रोक-टोक के सस्ते दामों पर चीन और अन्य देशों को निर्यात हो रहा था। चीन हमारे इस कचरे को खरीदता था।

पाकिस्तान आर्मी की बड़ी कार्रवाई, सुरक्षा बलों ने 74 आतंकवादियों को किया ढेर

पाकिस्तानः बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में खुफिया सूचनाओं पर आधारित सैन्य अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने 74 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना के अनुसार तीन नवंबर से जारी इस कार्रवाई में तहरीक-ए-तालिबान के 31 लड़ाके मारे गए। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और आईईडी बरामद किए गए हैं। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए विभिन्न अभियानों में सुरक्षा बलों ने कम से कम 74 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया इकाई इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में बताया कि ये अभियान तीन नवंबर से बलूचिस्तान के क्वेटा जिले के कुर्रम क्षेत्र के अलावा खैबर पख्तूनख्वा के मीर अली और ओरकजई इलाकों में चलाए गए। बयान के अनुसार, इन अभियानों के दौरान आतंकवादियों के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। मुठभेड़ों में तहरीक-ए-तालिबान के 31 आतंकवादी मारे गए और उनके पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए। सेना ने बताया कि अलग-अलग अभियानों में पिछले 48 घंटों के दौरान मीर अली में 35 और ओरकजई में आठ आतंकवादी मारे गए। बयान में कहा गया कि आतंकवादी खतरों को खत्म करने और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए खैबर पख्तूनख्वा में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाए जा रहे हैं।

कैंसर की 137 सस्ती दवाओं का लाभ मरीजों को मिल रहा है या नहीं? एनपीपीए ने राज्यों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

कैंसर के मरीजों तक सस्ती दवाओं का लाभ हर हाल में पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने सख्त रुख अपनाया है. प्राधिकरण ने राज्य औषधि नियंत्रकों को 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं की कीमतें कम करने वाले आदेश को सख्ती से लागू करने और 16 नवंबर तक इस पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं. प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के प्रावधानों के तहत अधिक कीमत वसूलने की कार्रवाई की जाएगी. यह निर्देश सरकार के उस फैसले के बाद आया है, जिसमें चिह्नित गैर-अनुसूचित कैंसर-रोधी दवाओं पर व्यापार मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य के 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया था. बता दें कि कैंसर की



दवाओं की नई कीमतें 9 नवंबर से लागू हो चुकी हैं.

एनपीपीए ने खुदरा विक्रेताओं, डीलरों, अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को यह भी निर्देश दिया है कि वे अपने व्यावसायिक परिसरों और वेबसाइटों (जहां भी लागू हो) पर संशोधित और पूरक मूल्य सूचियों को प्रमुखता से प्रदर्शित करें. अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों से विशेष रूप से कहा गया है कि वे कैंसर-रोधी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य की निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि मरीजों से अधिसूचित कीमतों से अधिक पैसा न वसूला जाए. प्राधिकरण ने कहा, दवाओं के लिए अधिक कीमत वसूलने, उनकी कमी या अनुपलब्धता से संबंधित शिकायतें 'फार्मा सही दाम' ऐप या पोर्टल, एनपीपीए हेल्पलाइन नंबर 1800-111-255 या फिर ईमेल (monitoring-nppa@gov.in) के माध्यम से दर्ज कराई जा सकती हैं.

भारत में कैंसर के इलाज के अत्यधिक महंगे होने को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यह फैसला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इस कदम से संबंधित दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में उनके मौजूदा व्यापार ढांचे और मार्जिन के आधार पर लगभग 20 से 70 प्रतिशत तक की कमी आने की उम्मीद है. इससे कैंसर मरीजों को सालाना लगभग 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है. सुप्रीम कोर्ट ने भी कैंसर की दवाओं की ऊंची कीमतों पर गंभीर चिंता जताई थी. इन बेतहाशा दरों को दिनदहाड़े डकैती करार दिया था. इसके अलावा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर संसदीय स्थायी समिति ने भी कैंसर के इलाज को अधिक किफायती बनाने के उपायों की अलग से समीक्षा की है. एनपीपीए ने पाया था कि गैर-अनुसूचित कैंसर-रोधी दवाओं में अत्यधिक व्यापार मार्जिन ही मरीजों द्वारा चुकाई जाने वाली ऊंची कीमतों का एक बड़ा कारण था. प्राधिकरण को सौंपी गई विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कैंसर-रोधी दवा बाजार में लगभग 225 दवाएं और 500 फॉर्मूलेशन शामिल हैं, जिनका वार्षिक कारोबार लगभग 12,500 करोड़ रुपये है. इस बाजार में अनुसूचित कैंसर दवाओं की हिस्सेदारी लगभग 2,250 करोड़ रुपये है, जबकि बड़ा हिस्सा गैर-अनुसूचित दवाओं का है.

'फामार्रैक' के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि गैर-अनुसूचित कैंसर-रोधी दवाओं पर औसत व्यापार मार्क-अप लगभग 170 प्रतिशत था, और कुछ मामलों में तो यह मार्क-अप 700 प्रतिशत तक पहुंच गया था. प्राधिकरण ने यह भी पाया कि खुदरा दवा दुकानों, अस्पतालों और ई-फार्मेसी प्लेटफार्मों पर दवाओं की बिक्री कीमतों में काफी अंतर है. इसमें अधिकतम खुदरा मूल्य पर दी जाने वाली छूट में बड़ा फर्क भी शामिल है. जहां अनुसूचित दवाओं की कीमतें पहले से ही एक अधिकतम मूल्य सीमा तंत्र के माध्यम से नियंत्रित हैं, वहीं गैर-अनुसूचित दवाओं की निगरानी डीपीसीओ प्रावधानों के तहत की जाती है, ताकि उनकी वार्षिक कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि न हो. एनपीपीए ने अपने 2019 के व्यापार मार्जिन युक्तिकरण अभियान के अनुभवों का सहारा लिया, जब सरकार ने डीपीसीओ, 2013 के पैराग्राफ 19 को लागू करके 42 गैर-अनुसूचित कैंसर-रोधी दवाओं के व्यापार मार्जिन को नियंत्रित किया था. उस हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप 526 ब्रांडों के अधिकतम खुदरा मूल्य में 91 प्रतिशत तक की बड़ी कटौती हुई थी.

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अनुशासन सिखाने वाले सैनिक थॉमस इग्लेसियस को दिया पदक

अमेरिका, एजेंसी।

पेंटागन प्रमुख पीट हेगसेथ ने अलिंगटन नेशनल सेमेट्री में अज्ञात सैनिक के स्मारक पर अनुशासन बनाए रखने की चेतावनी देने वाले सैनिक को सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने फोटो खिंचवाने के दौरान जोर से हंसने पर रक्षा मंत्री और उनके दल को फटकार लगाई थी। इसके बाद हेगसेथ ने उस सैन्य इकाई को पेंटागन बुलाकर सैनिक को ज्वाइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल प्रदान किया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने वेटरन्स डे समारोह के बाद अलिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान स्थित अज्ञात सैनिक की कब्रङ्क (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) में उन्हें और उनके कर्मचारियों को फटकार लगाने वाले सैनिक को शीर्ष सैन्य सम्मान से सम्मानित किया है। हेगसेथ ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह एक सैनिक को पदक पहनाते और उससे हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, हम सैनिकों से प्यार करते हैं।उन्होंने सैनिक थॉमस इग्लेसियस को 11 नवंबर 2026 को स्मारक स्थल पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए ज्वाइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल प्रदान किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की मौजूदगी वाले समारोह के बाद जब हेगसेथ और उनके कर्मचारियों ने वहां तस्वीरें खिंचवाईं, तो जोर से हंसने की आवाज सुनाई देने पर इग्लेसियस ने उन्हें फटकार लगाई थी। वीडियो में बुधवार को हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार टैमी राडाबॉघ के साथ स्मारक के सामने खाली सीढ़ियों पर तस्वीरें खिंचवाते दिखाई दिए।अज्ञात सैनिक का स्मारक अमेरिका के सबसे गंभीर और सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक माना जाता है। यह प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में शहीद हुए उन सैनिकों का अंतिम विश्राम स्थल है, जिनकी पहचान नहीं हो सकी थी। वर्ष 1948 से अमेरिकी सेना की तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट का एक सैनिक चौबीसों घंटे, हर मौसम में इसकी सुरक्षा करता है।इस रेजिमेंट को द ओल्ड गार्ड के नाम से भी जाना जाता है। ज्वाइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल को सेना के उच्च सम्मानों में गिना जाता है और आमतौर पर यह कनिष्ठ सैनिकों को नहीं दिया जाता। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने फटकार का वीडियो सामने आने के बाद कहा था कि सैनिक ने सभी को उचित व्यवहार बनाए रखने की सही और सम्मानजनक तरीके से याद दिलाई।

भारत-म्यांमार सीमा पर सुरक्षा चुनौतियों को लेकर असम राइफल्स की समीक्षा बैठक, आधुनिकीकरण पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी।

असम राइफल्स ने शुक्रवार को शिलांग में संपन्न हुए अपने दो दिवसीय कमांडर सम्मेलन के दौरान भारत-म्यांमार सीमा पर अपनी तैयारियों, उग्रवाद-रोधी (काउंटर-इंसर्जेंसी) क्षमताओं और उभरती सुरक्षा चुनौतियों की समीक्षा की. असम राइफल्स के महानिदेशक (डायरेक्टर जनरल) लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा की अध्यक्षता में हुए इस सम्मेलन में फॉर्मेशन कमांडर, बटालियन कमांडर और बल के वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी भी शामिल हुए. एक अधिकारी ने बताया, इस सम्मेलन ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा करने, अभियानगत तैयारियों का आकलन करने और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीति तैयार करने



का एक मंच प्रदान किया. अधिकारी ने कहा कि बैठक के दौरान भारत-म्यांमार सीमा पर सीमा प्रबंधन को मजबूत करना और उग्रवाद-रोधी (काउंटर-इंसर्जेंसी) क्षमताओं को बढ़ाना मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल रहा.

कमांडरों ने यह सुनिश्चित करने के उपायों की भी समीक्षा की कि क्षेत्र में बदलती सुरक्षा परिस्थितियों का जवाब देने के लिए बल हर तरह से तैयार रहे. चर्चा के दौरान बल के आधुनिकीकरण, उन्नत हथियारों और उपकरणों को शामिल करने, तथा अभियानगत गतिविधियों में उभरती तकनीकों को जोड़ने पर भी प्रमुखता से बात हुई. अधिकारी ने आगे कहा, सम्मेलन में सुरक्षा खतरों का एकजुट होकर जवाब देने के लिए खुफिया समन्वय को मजबूत करने और विभिन्न सुरक्षा व खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की जरूरत पर भी विचार किया गया. अधिकारी के अनुसार, वरिष्ठ कमांडरों ने बल की समग्र कार्यक्षमता और प्रभावशीलता को बेहतर बनाने पर जोर देते हुए जवानों के प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और कल्याणकारी उपायों पर भी विचार-विमर्श किया. असम राइफल्स के जवानों के समर्पण और पेशेवर रुख की सराहना करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल लखेरा ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में उनके योगदान को स्वीकार किया.

वायु सेना अधिकारी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी लेने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को विंग कमांडर मनोरथ सिंह सभरवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से जरूरी मंजूरी लेने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने संबंधित डीसीपी को मंजूरी की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 5 दिसंबर को होगी। सभरवाल को भारतीय वायु सेना की संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के साथ साझा करने के आरोप में 30 मई को गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के मुताबिक 12 जनवरी से 1 अप्रैल के बीच वह एक 'हनीट्रैप' के जरिए पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में था। सभरवाल पर आरोप है कि उसने लेह में लड़ाकू विमानों की तैनाती, सूरतगढ़ की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में सैन्य अभ्यास और एक गोपनीय ड्रोन यूनिट से जुड़ी संवेदनशील जानकारी साझा की। पुलिस का यह भी आरोप है कि एजेंट के कहने पर उसने अपने पांच अधीनस्थ अधिकारियों के मोबाइल फोन में मैलवेयर या स्पाइवेयर इंस्टॉल कर दिया था, जिससे संवेदनशील डेटा और आधिकारिक बातचीत के लीक होने का खतरा पैदा हो गया। चार्जशीट के मुताबिक सभरवाल ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ऑपरेटिव से 'न्यूड तस्वीर' मिलने के बाद 'सीक्रेट वॉर प्लान' का एक पन्ना अपलोड किया और यह भी कहा कि हर न्यूड तस्वीर के बदले वह वॉर प्लान का एक नया पन्ना देगा। चार्जशीट में सभरवाल और संदिग्ध ऑपरेटिव के बीच हुई बातचीत का पूरा विवरण दिया गया है। चार्जशीट में कहा गया है कि व्हाट्स ऐप पीएमपी डेटा के विश्लेषण से पता चलता है कि अधिकारी और संदिग्ध पाकिस्तानी ऑपरेटिव के बीच कुल 3,008 टेक्स्ट मैसेज , 65 तस्वीरें, 65 रिएक्शन, 42 वॉयस कॉल, 4 वीडियो कॉल और 6 यूआरएल का आदान-प्रदान हुआ।

यमुना में आस्था की डुबकी के साथ शुरू हुआ महापर्व छठ, यमुना घाट पर कीचड़ होने से श्रद्धालुओं में नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी।

छठ महा पर्व की शुक्रवार से देश भर में शुरूआत हो रही है. शुक्रवार को महा पर्व छठ के पहले दिन नहाए खाए से इसकी शुरूआत की जाती है. जिसको देखते हुए दिल्ली के कालिंदी कुंज यमुना घाट पर सुबह से ही श्रद्धालु नहाने के लिए पहुंच रहे हैं. इस दौरान यमुना नदी में गंदा पानी होने की वजह से श्रद्धालुओं को स्नान करने में दिक्कतें आई है. वहीं श्रद्धालुओं ने बताया कि घाट पर पानी कम होने की वजह से कीचड़ ज्यादा हो गया है. जिसके वजह से हम लोगों को दिक्कतें



हो रही है. इस समय सरकार को यमुना के पानी को खोलना चाहिए था ताकि घाट पर पानी रहे. हालांकि, इस दौरान यमुना नदी के पानी में कहीं भी सफेद झाग दिखाई नहीं दिया.

वही कालिंदी कुंज यमुना घाट पर नहाने पहुंची श्रद्धालु रेनू बताती है कि आज से हम लोगों के महा पर्व छठ का शुरूआत हो रहा है और पहले दिन आज हम लोग यमुना में स्नान करने के लिए आए हैं लेकिन यमुना का पानी गंदा होने की वजह से थोड़ी दिक्कतें हुई है. हम लोगों की मांग है कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि यह महा पर्व छठ स्वच्छता और शुद्धता का त्यौहार होता है. ऐसे में हम लोगों को काफी आज दिक्कतें हुई है नहाने में आज स्नान करने के बाद हम लोग चने की दाल, लौकी की सब्जी और चावल खाते हैं. वही श्रद्धालु मीना देवी बताती है कि देखिए पानी तो साफ है लेकिन यमुना घाट पर पानी कम होने की वजह से कीचड़ ज्यादा हो गया है. ऐसे में हम लोगों को बहुत दिक्कत हुआ है. आज यहां स्नान करने में लेकिन पूजा करना है इसलिए हम लोग यमुना में नहाने के लिए आए हैं सरकार को यहां छठ महा पर्व के दौरान सुविधा बढ़ाना चाहिए. वही हम आपको बता दें महा पर्व छठ की शुरूआत पहले दिन नहाए खाए से शुरू होती है और दूसरे दिन यानी कि शनिवार को खरना मनाया जाएगा और तीसरे दिन रविवार को डूबते हुए सूर्य को अर्ध्य दिया जाएगा और सोमवार को उठाते हुए सूर्य को अर्ध्य देने के बाद इस पूजा का समापन हो जाएगा. वही महा पर्व छठ को लेकर दिल्ली सरकार के द्वारा पूरे दिल्ली में 1400 छठ घाट का निर्माण कराया गया है और 16 नवंबर को महा पर्व छठ की सरकारी छुट्टी भी घोषित की गई है. छठ पूजा के अवसर पर दिल्ली में 16 नवंबर को सभी सरकारी और निजी स्कूलों में अवकाश रहेगा. दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक सर्कुलर जारी कर दिया है.

ट्रंप के राज में टूटा 23 साल का रिकॉर्ड :एक साल में 4.83 लाख प्रवासी अमेरिका से डिपोर्ट! 2024 के मुकाबले 78% का इजाफा

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट ने 30 सितंबर को खत्म हुए वित्त वर्ष 2026 में कुल 4,83,200 लोगों को गिरफ्तार कर देश से डिपोर्ट किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल में अमेरिकी एजेंसी क्कए ने वित्त वर्ष 2026 में 4,83,200 अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट कर अपने 23 साल के इतिहास का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया है, जो जो बाइडन के कार्यकाल के मुकाबले 78 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, इस आक्रामक कार्रवाई के दौरान हुई झड़पों और विरोध प्रदर्शनों का सीधा असर मिडटर्म चुनावों पर पड़ा, जहां पारंपरिक रिपब्लिकन ग्रामीण इलाकों ने भी डेमोक्रेट्स के



पक्ष में मतदान किया।

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग द्वारा बुधवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 30 सितंबर को समाप्त हुए वित्त वर्ष 2026 में क्कए ने कुल 4,83,200 लोगों को अमेरिका से बाहर निकाला है। ये आंकड़े पिछले साल के 4,42,640 के रिकॉर्ड से 9 प्रतिशत ज्यादा हैं, जबकि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के आखिरी साल यानी 2024 के 2,71,480 डिपोर्टेशन के मुकाबले इनमें 78 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है। यह साल 2014 के बाद सबसे बड़ा आंकड़ा है, जब पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में 4,05,090 लोगों को डिपोर्ट किया गया था। हालांकि, अमेरिकी इतिहास में सबसे ज्यादा 11 लाख डिपोर्टेशन 1954 में राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर के कार्यकाल में हुए थे।

होमलैंड सिक्योरिटी सचिव मार्कवेन मुलिन ने इस कार्रवाई पर कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व की बदौलत क्कए को अवैध विदेशियों को निशाना बनाने और बाहर निकालने के लिए खुली छूट दी गई है, ताकि हम अमेरिकी लोगों की जान बचा सकें। हालांकि, विभाग की प्रेस रिलीज में इस बात का कोई ब्योरा नहीं दिया गया है कि डिपोर्ट किए गए लोगों में से कितनों की क्रिमिनल हिस्ट्री थी। माइग्रेशन पॉलिसी इंस्टीट्यूट के विजिटिंग फेलो मार्क आर. रोसेनब्लम के अनुसार, क्कए रिकॉर्ड गिरफ्तारियां कर रहा है और उनके पास दोगुना स्टाफ व संसाधन हैं, लेकिन अधूरे आंकड़ों के कारण स्थिति को विस्तार से समझना मुश्किल है। इसके अलावा, यह आंकड़ा व्हाइट हाउस के सालाना 10 लाख लोगों को बाहर निकालने के टारगेट से अभी भी काफी कम है।

डिपोर्टेशन मिशन के दौरान मिनियापोलिस में भारी विरोध प्रदर्शन भी देखने को मिले। यहां 2,000 से ज्यादा संघीय अधिकारियों की तैनाती के बाद हुई हिंसक झड़पों में दो अमेरिकी नागरिकों- रेनी गुड (37) और एलेक्स प्रीटी (37) की मौत हो गई थी। इसके बाद प्रशासन ने सार्वजनिक अभियानों के बजाय गुपचुप तरीके से छापेमारी शुरू की। इस सख्त अभियान से पैदा हुए राजनीतिक विरोध का सीधा असर पिछले हफ्ते हुए मिडटर्म चुनावों में दिखा, जहां डेमोक्रेट्स को भारी जीत मिली है। खेतों और फैक्ट्रियों में काम करने वाले पुराने प्रवासी पड़ोसियों की गिरफ्तारी से नाराज होकर कई पारंपरिक रिपब्लिकन ग्रामीण इलाकों ने भी डेमोक्रेट्स को वोट दिया।

निपट गए नेतन्याहू, जाएंगे जेल! आइजनकोट ने पलट दी बाजी

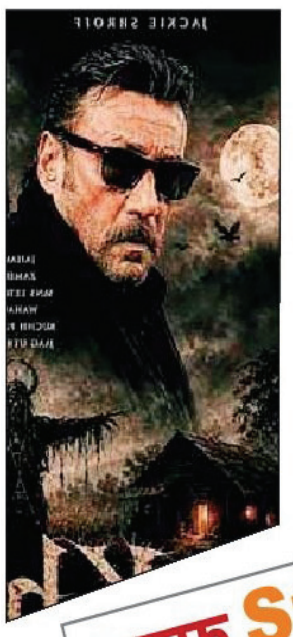
इजराइल, एजेंसी।

इजराइल में किसी भी दल को बहुमत न मिलने के कारण सरकार गठन पर गतिरोध जारी है। लिकुड से बातचीत रद कर गादी आइजनकोट अन्य दलों के समर्थन से नेतन्याहू को हटाने का प्रयास कर रहे हैं। राष्ट्रपति द्वारा सरकार बनाने का समय मिलने के बाद आइजनकोट के लिए धार्मिक और अरब दल निर्णायक होंगे। आइजनकोट ने लिक्विड के साथ बातचीत रोक दी। द जेरूशलम पोस्ट के मुताबिक आइजनकोट ने लिक्विड के साथ गठबंधन बातचीत को रद कर दिया है। आइजनकोट खेमा ने नेतन्याहू को हटाकर सत्ता परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

निगाहें दूसरे दलों के समर्थन पर भी है। अरब पार्टियों ने नेतन्याहू के भाषण पर सवाल उठाए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल



का मुताबिक जॉइंट लिस्ट में नेतन्याहू के जो सांसद जो संसद में दिया गया भाषण है उसे नस्लवादी बताया गया है। नेतन्याहू ने अरब पार्टियों पर इजराइल के विनाश की कोशिश करने का आरोप लगाया था। आइजनकोट कोर्ट ने भी नेतन्याहू के भाषण को विभाजनकारी और शर्मनाक बताया है। बड़ा अपडेट तीन आइजनकोट के समर्थन में नोआम टिबोन यह उतर आए हैं। द जेरुशलम पोस्ट का यह कहना है उसकी रिपोर्ट है कि बियाद पार्टी के सांसद हैं नवाम टिबोन। वो आइजनकोट के नेतृत्व में सरकार बनाने की अपील करते नजर आए हैं। उन्होंने नेतन्याहू सरकार के न्यायिक सुधार से जुड़े कानूनों को वापस लेने की मांग भी की है। इजराइल की जो धार्मिक पार्टियां हैं, अब सत्ता गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। अरब पार्टियों की तरह यह भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यूनाइटेड टोरा जुडाइज यूटीजे आइजनकोट के खेमे की तरफ जाने की बात कही जा रही है।

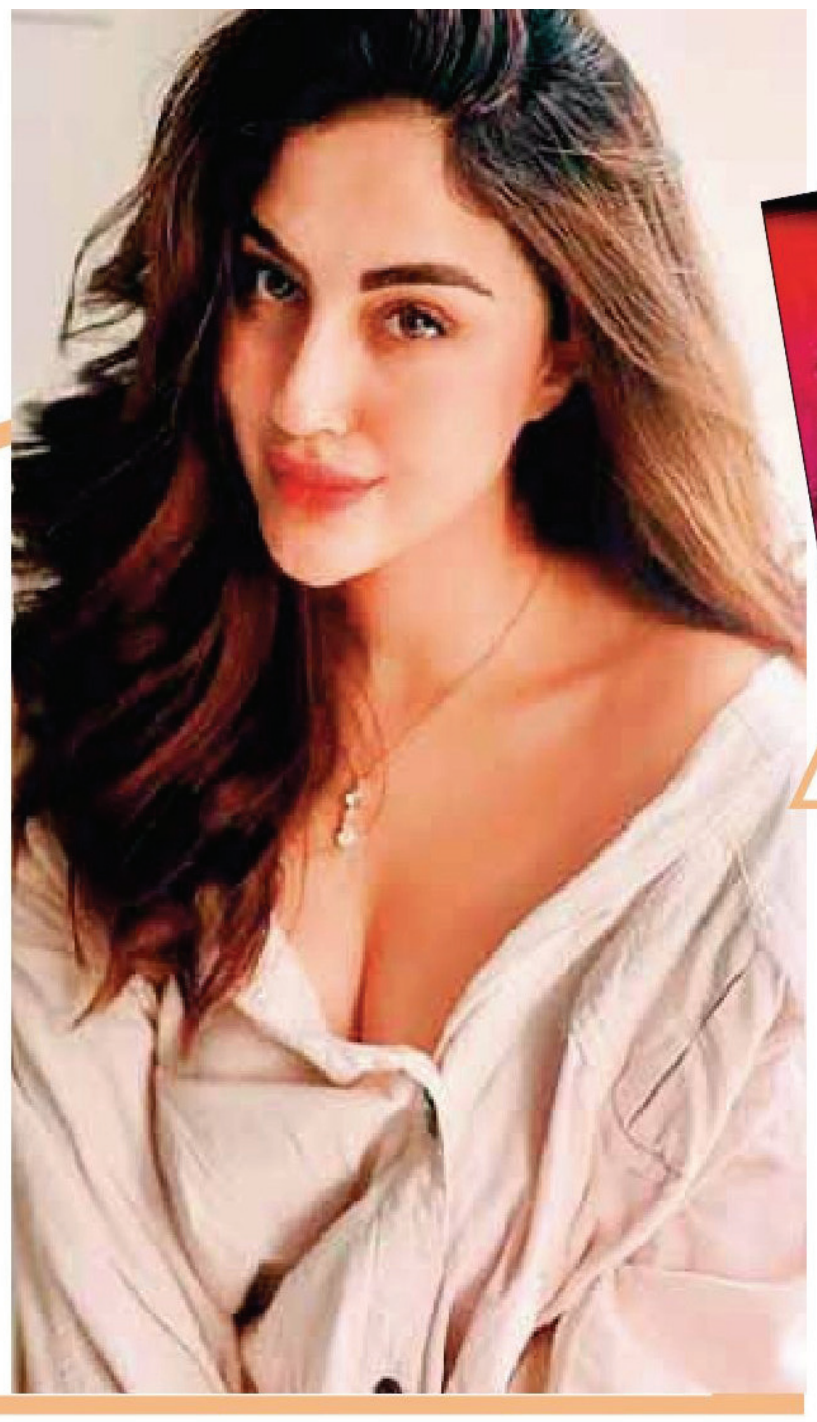


काली खेती का डरावना ट्रेलर रिलीज
जैकी-शरद की दमदार एक्टिंग

नई दिल्ली। जब खेती जाग उठेगी, तब क्या होगा? फिल्म 'काली खेती' का डर अब खेतों से निकलकर असल जिंदगी तक पहुंच गया है। फिल्म का रोमांचक ट्रेलर दर्शकों को आने वाले खौफ की एक झलक दिखाता है। जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म का ट्रेलर एक ऐसी डरावनी दुनिया की झलक पेश करता है, जहां खेती अब केवल फसल उगाने की जगह नहीं रह गई है, बल्कि एक बेहद खौफनाक जगह बन चुकी है। फिल्म की डरावनी पृष्ठभूमि में हर तरफ रहस्य और भय का माहौल नजर आता है, जहां हर राज अपने साथ डर लेकर आता है। यह डरावनी फिल्मों में आमतौर पर दिखाई जाने वाली कहानियों से आगे बढ़ता है।

लाइफ Style

समरीन
क्रिकेटर अर्शदीप से हुई सगाई



पंजाबी अभिनेत्री समरीन कौर ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट से अपने फैंस को हैरान कर दिया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने बताया है कि क्रिकेटर से उनकी सगाई हो गई है। तस्वीरों से साथ अभिनेत्री ने एक प्यारी पोस्ट लिखी है।

नई दिल्ली। अभिनेत्री ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें वह अपनी सगाई की अंगूठी दिखा रही हैं। वह अर्शदीप के साथ गले मिल रही हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'जिंदगी हमें जो कुछ भी दे सकती थी, उनमें से सबसे अच्छी बात यह है कि जीवन भर साथ रहने के लिए उसने हमें एक-दूसरे से मिलाया।' अर्शदीप और समरीन पिछले कुछ समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। अब इन दोनों ने जीवनभर साथ रहने का फैसला किया है और सगाई कर ली है। समरीन कौर सिनेमा जगत की उभरती हुई अभिनेत्री हैं। वह धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रही हैं। वह कई पंजाबी म्यूजिक वीडियोज और फिल्म प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। खासतौर पर यंग ऑडियंस के बीच काफी पॉपुलर हो रही हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। यहां वह अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ की झलक फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। समरीन कौर का जन्म 1999 में जम्मू-कश्मीर में हुआ था। उनकी मां प्रोफेसर हैं और पिता भी शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हैं, इसलिए बचपन से ही उनके जीवन में अनुशासन और पढ़ाई अहम हिस्सा रहे। समरीन ने पुणे के सिम्बायोसिस से बी.कॉम (ऑनर्स) किया और बाद में चंडीगढ़ से एमबीए की पढ़ाई पूरी की। साल 2018 में अभिनेत्री की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया। वह फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में स्टेट फाइनलिस्ट बनीं।

हॉलीवुड मसाला

रसेल को 10.5 साल की सजा

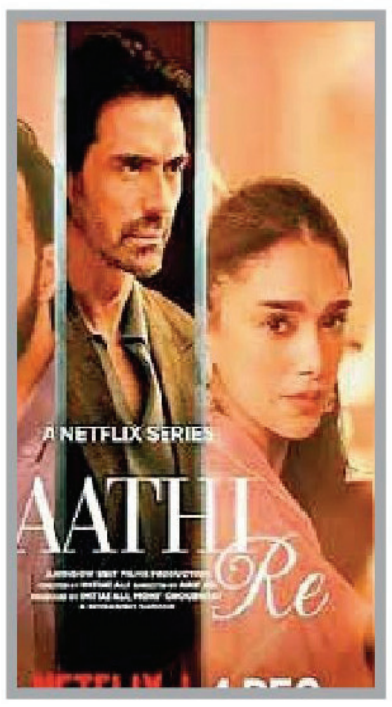


लॉस एंजिल्स। ब्रिटिश एक्टर-कॉमेडियन रसेल ब्रांड से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। रसेल एक महिला के साथ रेप और तीन अन्य महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी पाए गए हैं। लंदन की एक अदालत ने उन्हें सोमवार को सजा सुनाई है। उन्हें 10.5 साल की जेल हुई है। जिस मामले मे उन्हें सजा हुई, वो 20 साल पुराना मामला है। जज जोएल बेनाथन ने रसेल ब्रांड से कहा कि उन्होंने महिलाओं के प्रति 'लापरवाह और अहंकारी रवैया' दिखाया।



डीसी स्टूडियोज के सीईओ और चेयरपर्सन ने दिया इस्तीफा

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के मशहूर डीसी स्टूडियोज में बड़ा बदलाव हुआ है। जेम्स गन और पीटर सफ्रान ने स्टूडियो के चेयरपर्सन और सीईओ का पद छोड़ दिया है। उनकी जगह मार्वल स्टूडियोज के पुराने साथी लेंगे। मार्वल स्टूडियो के जेरेमी लेचम को नई जिम्मेदारी मिली है। बीते दिनों डीसी स्टूडियोज से रिजाइन करने के बाद जेम्स गन और पीटर सफ्रान ने वैरायटी को बयान दिया। उन्होंने कहा, 'चार साल पहले, हमने डीसी को एक क्रिएटिव सोच के तहत एकजुट करने का बीड़ा उठाया था. उस समय हमने 'सुपरमैन' को डीसी के दिल में वापस लाने में मदद की। इसके साथ ही 'पीसमेकर', 'क्रीचर कमांडोज', 'लैंटर्न्स' और 'क्लेफेस' के जरिए फिल्मों और टेलीविजन में नए दरवाजे खोले और नई कहानियां दर्शकों तक पहुंचाईं। हमें उस पूरी टीम पर बेहद गर्व है, जिसने हमारे इस लक्ष्य को हकीकत में बदला। इसमें वो सभी कलाकार, क्रू मेंबर्स और अधिकारी शामिल हैं, जिनके साथ हमें काम करने का मौका मिला।



मातृभूमि के साथ आएगी इम्तियाज की 'ओ साथी रे'

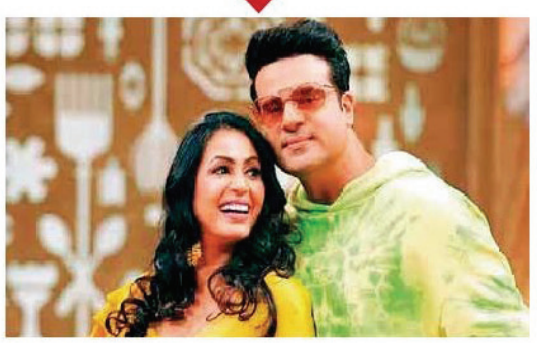
मुंबई। सलमान खान की 'मातृभूमि' और श्रद्धा कपूर की 'ईठा' 4 दिसंबर को रिलीज होगी, जिनका बॉक्स ऑफिस पर क्लैश होगा। अब इसी वक्त इम्तियाज अली की 'ओ साथी रे' भी आ रही है। 2026 के आखिरी महीने यानी दिसंबर में कई बड़ी फिल्में आने वाली हैं। जिनका फिलहाल इंतजार हो रहा है। यूं तो दिसंबर सलमान खान और शाहरुख खान के फैन्स के लिए बेहद खास है। जी हां, 4 दिसंबर को सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' आ रही है। वहीं, उस फिल्म का श्रद्धा कपूर की 'ईठा' से क्लैश होगा। साथ ही अब इस डेट पर इम्तियाज अली की 'ओ साथी रे' भी शेड्यूल हो गई है। पर यहां जो पेंच है, वो यह है कि फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर आएगी। दरअसल, यह एक रोमांटिक ड्रामा सीरीज है, जिसे इम्तियाज अली ने बनाया और लिखा है। और वही इसके शो रनर भी हैं।



एक्टिंग छोड़ हर चीज में टांग अड़ा रहे एक्टर्स

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता करण जौहर ने बॉलीवुड में बढ़ती 'भेड़चाल' को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने सवाल उठाया है कि अभिनेता अपनी एक्टिंग पर ध्यान देने के बजाय, फिल्म निर्माण के हर पहलू में शामिल होने के लिए इतने उत्सुक क्यों रहते हैं। एक इंटरव्यू में, उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसे कई एक्टर्स मिले हैं जो कास्टिंग, बजट और प्रचार अभियानों में भी अपनी राय देना चाहते हैं। वे अपने निभाए जा रहे किरदारों के बजाय बॉक्स-ऑफिस के ट्रेंड्स को लेकर ज्यादा चिंतित रहते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे फिल्म इंडस्ट्री के काम करने के तरीके को लेकर चिंतित हैं, तो करण ने कहा कि उन्हें कलाकारों के बीच 'भेड़चाल' (सबकी देखा-देखी चलने की प्रवृत्ति) को लेकर ज्यादा चिंता है। उन्होंने कहा कि कई कलाकार अब अपनी अंतरात्मा की नहीं सुनते, जैसा कि वे पहले किया करते थे।

टीवी मसाला



कृष्णा के आशियाने को देखती रह गईं अर्चना

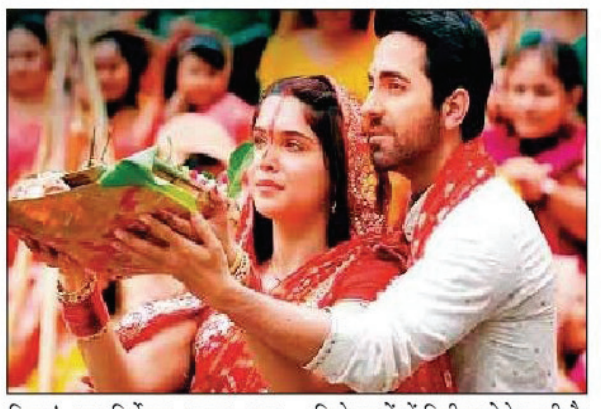
नई दिल्ली। टीवी और कॉमेडी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले कृष्णा अभिषेक अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। पर्दे पर उनका अंदाज जितना मस्तीभरा और रंगीन है,

ग्लोबल म्यूजिक स्टेज पर फिर छाएंगे दिलजीत, मैडोना संग करेंगे परफॉर्म



मुंबई। पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर अपने म्यूजिक से इंटरनेशनल स्टेज पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। दिलजीत दुनिया के सबसे बड़े म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल कोचेला वैली म्यूजिक एंड आर्ट्स फेस्टिवल 2027 में परफॉर्म करते नजर आएंगे। फेस्टिवल के आयोजकों ने अगले साल होने वाले इस इवेंट की कलाकारों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें दिलजीत के साथ दुआ लीपा, टेम इम्पाला और एसजेडए जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा पॉप म्यूजिक की दिग्गज सिंगर मैडोना, जेआईएसओओ, फोएबे ब्रिजर्स और रोबिन भी इस फेस्टिवल का हिस्सा होंगी। कोचेला 2027 का आयोजन कैलिफोर्निया के इंडियो स्थित एम्पायर पोलो क्लब में होगा। यह फेस्टिवल दो वीकेंड में आयोजित किया जाएगा। पहला वीकेंड 9 से 11 अप्रैल और दूसरा वीकेंड 16 से 18 अप्रैल तक चलेगा। इस बार शुक्रवार को दुआ लीपा, शनिवार को टेम इम्पाला और रविवार को एसजेडए हेडलाइनर के तौर पर परफॉर्म करेंगे।

ये प्रेम मोल लिया का 'बुलाए छठी मां' गाना रिलीज



नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्मों में भी छठ पूजा को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले फिल्म 'द वन' और अब फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में छठी मां की पूजा का महत्व दिखाया जाएगा। वहीं, मेकर्स ने छठ पूजा के पहले आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ की फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का नया गाना रिलीज किया गया, जिसका नाम है 'बुलाए छठी मां'। गाने में आयुष्मान और शरवरी अपने पूरे परिवार के साथ छठ पूजा करते दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म के जरिए कई सालों बाद सूरज बड़जात्या ने हिमेश रेशमिया के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का निर्देशन सूरज आर. बड़जात्या ने किया है और इसे राजश्री प्रोडक्शंस ने महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। ये फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जिसे राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स द्वारा एक बड़े पर्दे की फैमिली एंटरटेनर के तौर पर पेश किया जा रहा है।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.